THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

बीएसएफ की पूर्वी कमान के एडीजी ने भारत-बांग्लादेश सीमा का किया दौरा

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। बंगाल में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण से पहले बीएसएफ की पूर्वी कमान के अतिरिक्त निदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा का दौरा किया और तैयारियों का लिया जायजा। इस दौरान दक्षिण बंगाल सीमांत के तहत तैनात विभिन्न बटालियनों की परिचालन तत्परता और तैयारियों का आकलन किया गया। इस दौरान उन्होंने दक्षिण बंगाल सीमांत के आईजी आयुष मणि तिवारी, आईपीएस के साथ 5वीं बटालियन के अधिकार क्षेत्र के तहत जयंतीपुर सीमा चौकी क्षेत्र का दौरा किया।

वर्ष-28 अंक : 57 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.12 2080 सोमवार, 20 मई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

टीएमसी वाले संदेशखाली की बहनों को दोषी ठहरा रहे

बंगाल में गरजे पीएम मोदी

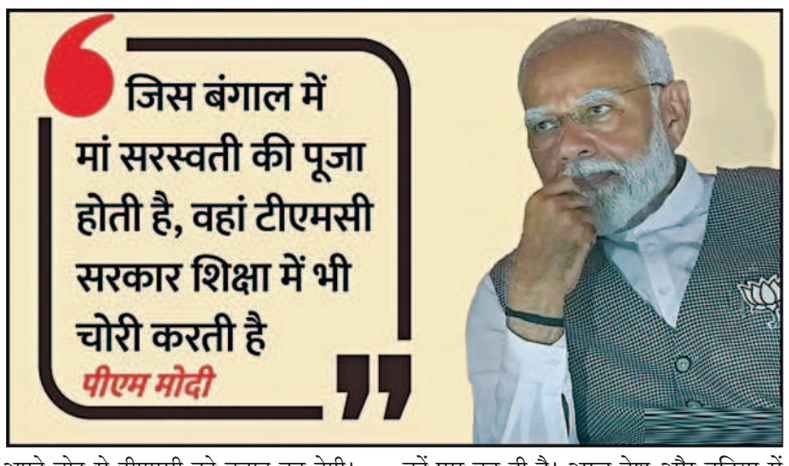

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आज हुंकार भरी। पांचवें चरण के मतदान से पहले उन्होंने पुरुलिया में एक रैली को संबोधित किया। इस रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह पुरुलिया में वोट मांगने नहीं बल्कि जनता का आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने आरक्षण को लेकर इंडी गठबंधन पर निशाना साधा।

इसके साथ ही बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर भी आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी राज्य में मां, माटी, मानुष की रक्षा करेगी का वादा लेकर आई थी, लेकिन अब वही भक्षण कर रही है। संदेशखाली मामले को लेकर भी उन्होंने टीएमसी पर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी वाले शाहजहां शेख को बचाने के लिए संदेशखाली की बहनों को दोषी ठहरा रहे हैं।

रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी ये कह कर सत्ता में आई थी कि वह मां, माटी, मानुष की रक्षा करेगी। आज टीएमसी मां, माटी, मानुष का ही भक्षण कर रही है। बंगाल की महिलाओं का भरोसा टीएमसी से टूट गया है। संदेशखाली में जो पाप हुआ है, उसने पूरे बंगाल की बहनों को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

संदेशखाली मामले पर एक बार फिर पीएम मोदी ने टीएमसी को घेरा। उन्होंने कहा, एससी/एसटी परिवार की बहनों को तो टीएमसी के लोग इंसान ही नहीं समझते। अपने शाहजहां को बचाने के लिए टीएमसी के लोग संदेशखाली की बहनों को ही दोषी ठहरा रहे हैं, उनके चरित्र पर सवाल उठा रहे हैं। जैसी भाषा ये उनके लिए बोल रहे हैं, इसका जवाब बंगाल की हर बेटी अपने वोट से टीएमसी को तबाह कर देगी।

आरक्षण को लेकर इंडी गठबंधन पर साधा निशाना

आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वालों के तरकश में जितने तीर थे, वे चला चुके हैं, लेकिन जनता जनार्दन के सुरक्षा कवच के आगे इनका हर तीर, हर साजिश नाकाम साबित हुई है। पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने इन चुनावों में इंडी गठबंधन वालों का कच्चा चिट्ठा खोलकर देश के सामने रख दिया है। उन्होंने कहा, बाबा साहेब आंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे, लेकिन आज इंडी गठबंधन वाले धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं।

शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर टीएमसी पर हमला

बंगाल सरकार पर फिर से हमला करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जिस बंगाल में मां सरस्वती की पूजा होती है, वहां टीएमसी सरकार शिक्षा में भी चोरी करती है। शिक्षकों की भर्ती में हजारों नौजवानों का भविष्य इन्होंने बर्बाद कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव में बंगाल के लोगों को डराने-धमकाने, हिंसा कराने वाली टीएमसी सरकार ने इस बार सारी हदें पार कर दी है। आज देश और दुनिया में इस्कॉन, राम कृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ, सेवा और सदाचार के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आज बंगाल की मुख्यमंत्री इन्हें खुले तौर पर धमका रही हैं, खुले मंच से उन्हें चेतावनी दे रही हैं।

8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग आज

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार (20 मई) को 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा ने 32, शिवसेना ने 7, टीएमसी ने 4 सीटें जीती थीं। कांग्रेस केवल यूपी की रायबरेली सीट जीत पाई थी। अन्य को 5 सीटें मिली थीं। इस फेज में राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल समेत 9 केंद्रीय मंत्री मैदान में हैं। रायबरेली से वायनाड सांसद राहुल गांधी भी चुनाव लड़ रहे हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के पांचवें फेज में 695 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 613 पुरुष और 82 महिला उम्मीदवार हैं। इनमें महिलाएं केवल 12 प्रतिशत हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के मुताबिक, इस फेज के 615 उम्मीदवारों में से 23 प्रतिशत यानी 159 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

मानसून निकोबार पहुंचा, 31 मई को केरल आएगा

> *मध्य प्रदेश में 16 से 21 जून*

> *राजस्थान में 25 जून से 6 जुलाई तक एंट्री*

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, मानसून अंडमान-निकोबार पहुंच गया है। 31 मई तक यह केरल पहुंच जाएगा। पिछले साल भी मानसून ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 19 मई को ही दस्तक दी थी, लेकिन केरल में 9 दिन देरी से 8 जून को पहुंचा था।

इस साल मानसून सामान्य तारीख से पहले ही केरल दस्तक दे सकता है। वैसे केरल में मानसून आने की सामान्य तारीख 1 जून है।

घोषित तारीख में 4 दिन कम या ज्यादा होने की गुंजाइश रखी गई है। यानी मानसून 28 मई से 3 जून के बीच कभी भी आ सकता है। आईएमडी के अनुसार, मानसून के मध्य प्रदेश में 16 से 21 जून और राजस्थान में 25 जून से 6 जुलाई तक पहुंचने के आसार हैं। वहीं यूपी में 18 से 25 जून और बिहार-झारखंड में 18 जून तक पहुंच जाएगा।

1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल आया था :

आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें काफी अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरल पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल पहुंचा था। बीते चार साल की बात करें तो 2020 में मानसून 1 जून को, 2021 में 3 जून को, 2022 में 29 मई को और 2023 में 8 जून को केरल पहुंचा था।

इस बार ला नीना से अच्छी बारिश का अनुमान :

क्लाइमेट (जलवायु) के दो पैटर्न होते हैं, अल नीनो और ला नीना। पिछले साल अल-नीनो सक्रिय था, जबकि इस बार अल-नीनो परिस्थितियां इसी हफ्ते खत्म हुई हैं और संभावना बन रही है कि तीन से पांच हफ्तों में ला-नीना परिस्थितियां पैदा हो जाएंगी।

पिछले साल अल-नीनो के समय सामान्य से कम 94 प्रतिशत बारिश हुई थी। 2020 से 2022 के दौरान ला-नीना ट्रिपल डिप के दौरान 109 प्रतिशत, 99 प्रतिशत व 106 प्रतिशत बारिश हुई थी।

ला नीना और अल नीनो क्या होते हैं :

अल नीनो : इसमें समुद्र का तापमान 3 से 4 डिग्री बढ़ जाता है। इसका प्रभाव 10 साल में दो बार होता है। इसके प्रभाव से ज्यादा बारिश वाले क्षेत्र में कम और कम बारिश वाले क्षेत्र में ज्यादा बारिश होती है।

ला नीना : इसमें समुद्र का पानी तेजी से ठंडा होता है। इसका दुनियाभर के मौसम पर असर पड़ता है। आसमान में बादल छाते हैं और अच्छी बारिश होती है।

नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई, विसंगतियों के चलते दी गई चुनौती

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। तीन नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को इस याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में दावा किया गया है कि नए आपराधिक कानूनों में कई विसंगतियां हैं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की अवकाश पीठ याचिका पर सुनवाई करेगी।

याचिका में उठाए गए सवाल :

सुप्रीम कोर्ट में तीन नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ वकील विशाल तिवारी ने याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि नए आपराधिक कानूनों को लागू करने से रोक की मांग की गई है। आरोप है कि इन कानूनों पर संसद में बहस नहीं हुई और जब विपक्षी सांसद निलंबित थे, तब इन कानूनों को संसद से पास करा लिया गया था। याचिका में मांग की गई है कि विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाए, जो आपराधिक कानूनों की व्यावहारिकता की जांच करे।

प्रावधान है, लेकिन नए कानूनों में यह सीमा बढ़ाकर 90 दिन कर दी गई है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि नए आपराधिक कानून कहीं अधिक कठोर हैं और इससे देश में पुलिस का राज स्थापित हो जाएगा। ये कानून देश के लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। ये कानून अंग्रेजी कानूनों से भी ज्यादा कठोर हैं। पुराने कानूनों में किसी व्यक्ति को 15 दिनों तक पुलिस हिरासत में रखने का

बीते साल मिली थी मंजूरी :

नए कानूनों में देशद्रोह कानून को नए अवतार में लाया जा रहा है और इसके दोषी को उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। लोकसभा में बीती 21 दिसंबर को तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक को मंजूरी मिली थी। ये कानून मौजूदा कानूनों इंडियन पीनल कोड (आईपीसी), सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन कानूनों को मंजूरी दे दी थी।

स्वाति मालीवाल मामला : पुलिस ने सीएम केजरीवाल के आवास से डीवीआर सीज किया

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी और मारपीट के मामले की जांच के क्रम में दिल्ली पुलिस ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास का डिजिटल वीडियो रिकॉर्ड (डीवीआर) सीज कर लिया।

मालीवाल ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार ने 13 मई को सीएम आवास के भीतर उनके साथ बदसलूकी की और उन्हें पीटा। पुलिस ने मामला दर्ज कर शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में एक स्थानीय अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस टीम ने घटना के फुटेज प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री आवास से डीवीआर तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किये हैं। उनका कहना है कि कुमार पूछताछ के दौरान साफ-साफ जवाब नहीं दे रहे हैं। पुलिस ने अदालत को बताया था कि उसे जो सीसीटीवी फुटेज मुहैया कराया गया है वह ब्लैंक है। कुमार ने अपना मोबाइल फोन पुलिस को दिया लेकिन पासवर्ड नहीं बताया। इसके अलावा कुमार ने खराबी का बहाना बनाकर एक दिन पहले अपना मोबाइल फॉर्मेट कर दिया था। पुलिस ने अदालत को बताया कि फोन को फॉर्मेट करने से पहले उसके डाटा को क्लोन करना होता है। इसलिए, उनके फोन के डाटा को वापस हासिल करने के लिए उन्हें मुंबई ले जाया जाएगा क्योंकि डाटा रिट्रीव करने के लिए विशेषज्ञों के समक्ष उनकी उपस्थित जरूरी है। पुलिस ने मामले में छेड़छाड़ और गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। सिविल लाइंस थाने में दर्ज मामले में आईपीसी की धारा 308 (गैर-इरादतन हत्या), 341 (गलत तरीके से रोकना), 354बी (महिला का चीरहरण करने के उद्देश्य से बलप्रयोग), 506 (आपराधिक धमकी) और 509 (महिला का शीलभंग करने वाले शब्द, भंगिमा या कार्य) के तहत आरोप लगाये गये हैं।

इन लोगों ने ऑपरेशन झाड़ू शुरू किया, ये आप को कुचलना चाहते हैं : केजरीवाल

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार की गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल ने भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के दफ्तर में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। दफ्तर में आप विधायक और पार्षद भी मौजूद रहे। इस दौरान केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने ऑपरेशन झाड़ू शुरू किया है। ये आम आदमी पार्टी को कुचलने की कोशिश में हैं। हमारे नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। आने वाले दिनों में आप का बैंक अकाउंट सीज किया जाएगा। इसके बाद हमारी पार्टी का ऑफिस खाली किया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि पिछले 2 साल से इन्होंने (भाजपा) हमारे नेताओं को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया। इन्होंने मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कर लिया, कल मेरे पीए तक को गिरफ्तार कर लिया।

अब सीआईएसएफ संभालेगी संसद की सुरक्षा व्यवस्था

3317 जवानों के ऊपर पूरी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय लोकतंत्र के 'मंदिर' संसद की सुरक्षा अब से सीआईएसएफ करेगी। आधिकारिक सूत्रों की मानें तो 1400 सीआरपीएफ कर्मचारियों की वापसी के बाद 3300 से अधिक सीआईएसएफ कर्मी सोमवार से संसद परिसर में पूर्ण आतंकवाद विरोधी और तोड़फोड़ विरोधी सुरक्षा कर्तव्यों को संभालेंगे। गौरतलब है कि सीआरपीएफ के पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप (पीडीजी) ने शुक्रवार को परिसर से अपने कमांडो, प्रशासनिक और परिचालन सामान, जैसे हथियार और कमांडों को हटा दिया है।

भारत सरकार ने पुराने और नए संसद भवनों और संबंधित संरचनाओं की सुरक्षा के लिए कुल 3,317 सीआईएसएफ कर्मियों को शामिल किया है। 13 दिसंबर को हुई सुरक्षा चूक के बाद सरकार ने सीआरपीएफ को कार्यभार संभालने का निर्देश दिया। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सीआईएसएफ की आतंकवाद विरोधी इकाई 20 मई को सुबह 6 बजे से संसद परिसर का पूरा प्रभार ले लेगी।

अधीर को खड़गे की चेतावनी से बंगाल के कार्यकर्ता नाराज

कांग्रेस अध्यक्ष की तस्वीरों पर पोती स्याही

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और बंगाल कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन चौधरी के बीच टीएमसी के साथ पार्टी के संबंधों को लेकर विवाद के बीच कोलकाता में प्रदेश कांग्रेस भवन में मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीरों पर काली स्याही पोत दी गई।

कोलकाता में विधान भवन के सामने कांग्रेस के कई होर्डिंग लगे हुए हैं, इन होर्डिंग पर खड़गे समेत कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं की तस्वीरें लगी हुई हैं। रविवार को होर्डिंग पर खड़गे की तस्वीरों पर स्याही पोत दी गई है। होर्डिंग पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी की भी तस्वीरें हैं। लेकिन उन तस्वीरों पर स्याही का निशान तक नहीं है। जैसे ही ये मामला कांग्रेस कार्यकर्ताओं के संज्ञान में आया, उन्होंने तुरंत स्याही लगे होर्डिंग्स और बैनर हटा दिए।

क्या है मामला :

दरअसल, ममता बनर्जी ने कुछ दिन पहले एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि केंद्र में इंडिया ब्लॉक की सरकार बनने पर वह उसे बाहर से समर्थन देंगी। इसके बाद अधीर रंजन चौधरी ने उनके इस बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि ममता बनर्जी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। वह भाजपा के साथ जा सकती हैं। जब इस बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी गठबंधन के साथ हैं। उन्होंने हाल ही में कहा है कि वह सरकार में शामिल होंगी। अधीर रंजन चौधरी फैसला नहीं लेंगे, फैसला मैं और आलाकमान लेंगे, जो सहमत नहीं होंगे वे बाहर जाएंगे।

खड़गे के बयान पर क्या बोले अधीर रंजन :

मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान के बारे में पूछे जाने पर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति के पक्ष में नहीं बोल सकता जो मुझे और बंगाल में हमारी पार्टी को राजनीतिक रूप से खत्म करना चाहता है। यह प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता की लड़ाई है। मैंने उनकी ओर से बात की है, अधीर रंजन ने कहा कि ममता बनर्जी के प्रति उनका विरोध उनके सैद्धांतिक रुख से उपजा है, न कि व्यक्तिगत हित या अहित से। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनसे मेरा कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं है, लेकिन मैं उनकी राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाता हूं।

राहुल और अखिलेश की रैली में हंगामा

बैरिकेडिंग फांदकर स्टेज के करीब पहुंचे कार्यकर्ता

फूलपुर, 19 मई (एजेंसियां)। यूपी के फूलपुर और प्रयागराज में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की संयुक्त रैली में जमकर हंगामा हुआ। जानकारी के मुताबिक कार्यकर्ता बैरिकेडिंग फांदकर स्टेज के करीब पहुंच गए। इसके बाद फूलपुर में राहुल गांधी और अखिलेश स्टेज पर मौजूद नेताओं से मुलाकात करके निकल गए। इतना ही नहीं, उन्होंने जनसभा को संबोधित भी नहीं किया।

फूलपुर के बाद प्रयागराज में इंडिया ब्लॉक की संयुक्त रैली हुई। यहां राहुल गांधी पहले से ही मंच पर मौजूद थे, थोड़ी देर बाद अखिलेश यादव भी मंच पर पहुंच गए। इसके बाद ग्राउंड पर मौजूद कार्यकर्ता आगे की ओर बढ़ने लगे। ऐसा होने पर मंच से कहा गया कि कार्यकर्ता संयम रखें, बैरिकेड न तोड़ें। मीटिंग को सुचारू रूप से चलने दीजिए, लेकिन कार्यकर्ताओं की भीड़ बैरिकेडिंग तोड़कर मंच के करीब पहुंच गई।

इसके बाद अखिलेश यादव ने मंच से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम लोग अपनी बात आप लोगों के बीच में रखने आए हैं, मैं जानता हूं कि आपका उत्साह बढ़ा हुआ है, ये जोश हमें वोट डालने की तारीख तक बनाए रखना है। इससे पहले हम फूलपुर में थे, जैसा जोश और उत्साह यहां देखने को मिल रहा है, वैसा ही जोश फूलपुर में था। इस इलाके में ये पहली बार नहीं है, मैं जब पिछले चुनाव में आया था तो आपसे अपनी बात भी नहीं रख पाए थे, इसके बाद भी आपने समाजवादी पार्टी को वोट दिए थे।

मंच के करीब पहुंचे कार्यकर्ता :

अखिलेश के संबोधन के बाद राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 22 लोगों को अरबपति बनाया है, लेकिन हम करोड़ों लोगों को लखपति बनाएंगे। करोड़ों गरीबों की लिस्ट बनेगी। हर गरीब परिवार में से एक महिला का नाम चुना जाएगा, फिर करोड़ों महिलाओं के बैंक अकाउंट में साल के एक लाख रुपये यानी हर महीने 8500 रुपये भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सत्ता में आए तो किसानों का कर्जा माफ करेंगे।

बिजली बिल से लेकर कर्मचारियों के ट्रांसफर तक के मुद्दे अनसुलझे

अब अलग होगी राजधानी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के विभाजन को 10 साल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दो जून से हैदराबाद दोनों राज्यों की साझा राजधानी भी नहीं रह जाएगी। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 के अनुसार, हैदराबाद पूरी तरह से अब तेलंगाना का हो जाएगा। 10 वर्षों के बाद भी दोनों राज्यों के बीच अब भी संपत्तियों के बंटवारे और बिजली बिल बकाया जैसे कई मुद्दे अनसुलझे हैं।

दोनों राज्यों के बीच अधिनियम की अनुसूची 9 और अनुसूची 10 में सूचीबद्ध विभिन्न संस्थानों और निगमों का विभाजन पूरा नहीं हो सका है। कई मुद्दों पर आम सहमति नहीं बन पाई है। एपी पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, नौवीं अनुसूची में लगभग 89 सरकारी कंपनियां और निगम सूचीबद्ध हैं। जैसे- आंध्र प्रदेश राज्य बीज विकास निगम, आंध्र प्रदेश राज्य कृषि औद्योगिक विकास निगम और आंध्र प्रदेश राज्य भंडारण निगम सहित अन्य। वहीं, अधिनियम की 10वीं अनुसूची में एपी राज्य सहकारी संघ, पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, एपी वन अकादमी, सुशासन केंद्र और आंध्र प्रदेश पुलिस अकादमी जैसे 107 प्रशिक्षण संस्थान/केंद्र शामिल हैं।

कर्मचारियों का ट्रांसफर भी उलझा हुआ है

सेवानिवृत्त अधिकारी शीला भिड़े की अध्यक्षता वाली एक विशेषज्ञ समिति ने अनुसूची-9 और 10 के तहत आने वाले संस्थानों के विभाजन पर सिफारिशें दीं थी। हालांकि, मामला अनसुलझा रहा। विभाजन के बाद बिजली आपूर्ति के बकाया बिल का भुगतान भी दोनों राज्यों में विवाद का कारण है। कर्मचारियों का ट्रांसफर भी उलझा हुआ है। 144 कर्मचारी 2014 से आंध्र प्रदेश में काम कर रहे हैं लेकिन वे हैं तेलंगाना के कर्मी। राज्य संचालित सड़क परिवहन निगम की संपत्ति को लेकर भी दोनों राज्यों

के बीच असहमति है। आंध्र ने निगम की संपत्तियों में हिस्सेदारी मांगी लेकिन टीएसआरटीसी ने इससे इनकार कर दिया।

तेलंगाना सीएम ने दिए यह निर्देश

तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को आंध्र प्रदेश में कर्मचारियों के लंबित स्थानांतरण को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने का निर्देश दिया था। रेड्डी ने 18 मई को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित करने का आग्रह किया ता लेकिन चुनाव आयोग की मंजूरी न मिल पाने के कारण बैठक नहीं हो सकी। अब चुनाव आयोग की मंजूरी के बाद बैठक होगी।

पतंजलि की सोन पापड़ी का सैंपल फेल

एजीएम समेत तीन को जेल

जानिए पूरा मामला

पिथौरागढ़, 19 मई (एजेंसियां)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पिथौरागढ़ संजय सिंह की अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड कंपनी के असिस्टेंट जनरल मैनेजर (एजीएम), डिस्ट्रीब्यूटर कान्हा जी प्राइवेट लिमिटेड के असिस्टेंट मैनेजर और एक व्यापारी को छह-छह माह की सजा सुनाई। कोर्ट ने तीनों पर कुल 40 हजार का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड न देने पर दोषियों को अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 17 अक्तूबर 2019 को बेड़ीनाग से इलाइची सोन पापड़ी का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था। यहां नमूना असुरक्षित श्रेणी का पाया गया था। प्रदेश की प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं होने पर पतंजलि ने इस नमूने की जांच के लिए रेफरल लैब गाजियाबाद (भारत सरकार) को भेजा था। यहां भी नमूना फेल पाया गया जिसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने 28 जुलाई 2021 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में वाद दायर कराया था।

'काश सिसोदिया यहां होते, तो..'

मालीवाल का छलका दर्द : 13 मई की घटना पर याद आया निर्भया कांड

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। आप नेता और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आप पर उसके साथ मारपीट करने के आरोपी बिभव कुमार को बचाने का आरोप लगाए हैं। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम हाउस के सीसीटीवी फुटेज भी गायब कर दिए हैं। मालीवाल ने मनीष सिसोदिया के साथ निर्भया कांड को भी याद किया।

रविवारको राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि किसी दौर में हम सब निर्भया को इंसाफ दिलाने के लिए सड़क पर निकलते थे, आज 12 साल बाद सड़क पर निकले हैं एक ऐसे आरोपी को बचाने के लिए जिसने सीसीटीवी फुटेज गायब किए और फोन फॉर्मेट किया है। काश इतना जोर मनीष सिसोदिया के लिए लगाया होता। वो यहां होते तो शायद मेरे साथ इतना बुरा नहीं होता। मालीवाल ने कहा कि अगर आप नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, जो दिल्ली एक्साइज पुलिस मामले में जेल में हैं, यहां होते तो ₹शायद मेरे लिए चीजें इतनी बुरी नहीं होतीं। मालीवाल ने आरोप लगाया है कि 13 मई को जब वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने उनके आवास पर गई थीं तो उनके सहयोगी बिभव कुमार ने उनके साथ मारपीट की।

आम आदमी पार्टी ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया है और दावा किया है कि मालीवाल केजरीवाल को फर्जी मामले में फंसाने के लिए भाजपा के इशारे पर काम कर रही हैं। आपको बता दें कि पुलिस ने स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहायक सचिव बिभव कुमार को गिरफ्तार कर लिया। आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाए थे कि उनके साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर सीएम के सहयोगी बिभव कुमार ने मारपीट और बदसलूकी की थी। इस मामले पर शुक्रवार को पुलिस ने स्वाति मालीवाल के मजिस्ट्रेट के समाने कलमबंद बयान दर्ज कराए। स्वाति मालीवाल ने एफआईआर में बिभव कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कथित हमले और बदसलूकी मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार पर बेहद संगीन आरोप लगाए हैं। इस मामले में दर्ज एफआईआर में मालीवाल ने कहा, मैं ड्राइंग रूम में बैठी थी। तभी सीएम के पीएस बिभव कुमार घुस आए। उन्होंने बिना किसी उकसावे के मुझ पर चिल्लाना शुरू कर दिया और मुझे गाली देने लगे।

मैं अचानक हुए इस दुर्व्यवहार से आश्चर्यचकित रह गई। मैंने उनसे कहा कि वह मुझसे इस तरह की बात नहीं करें और सीएम को बुलाएं। मुझे गाली देते उन्होंने कहा कि तुम कौन होती हो मेरी बात नहीं मानने वाली? कैसे नहीं मानेगी? तुम्हारी औकात क्या है कि हमें न कहें। समझती क्या है खुद को नीच औरत। तुझे तो हम सबक सिखाएंगे। ये कहते हुए वह मेरे सामने आकर खड़ा हो गए और मुझसे मारपीट करने लगे। मैं बार-बार रुकने की गुहार लगाती रही। फिर भी वह पीटते रहे। मैंने उनसे कहा, मुझे पीरियड्स हो रहे हैं, मुझे छोड़ दें। मालीवाल ने कहा, मैं किसी तरह से उनके चंगुल से बच सकी।

फिर मैं ड्राइंग रूम में आकर सोफे पर बैठ गई और अपने चश्मे को खोजा जो पिटाई के दौरान जमीन पर गिर गया था। मैं अचानक हुए हमले से बुरी तरह सदमे में थी। मैंने 112 नंबर पर फोन कर अपने खिलाफ हुए अपराध की सूचना दी। बिभव ने मुझे धमकाया और कहा, कर ले जो करना है। तुम हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। तेरी हड्डी पसली तुड़वा देंगे और ऐसी जगह गाड़ेंगे, किसी को पता भी नहीं चलेगा। जब उसे पता चला कि मैंने 112 नंबर पर कॉल किया है तो वह बाहर गया और सीएम कैंप ऑफिस के मुख्य द्वार पर तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ वापस आया।

बिभव के कहने पर सुरक्षाकर्मियों ने मुझे जाने के लिए कहा। मैं उनसे कहती रही कि मुझे बेरहमी से पीटा गया है। उन्हें पीसीआर पुलिस के आने तक इंतजार करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने मुझे परिसर से बाहर जाने के लिए कहा। मुझे सीएम आवास के बाहर ले जाया गया और मैं उनके घर के बाहर फर्श पर कुछ देर बैठी रही, क्योंकि मैं बहुत दर्द में थी। इसके बाद 112 नंबर पर फोन किया और पुलिस को सूचना दी।

एकनाथ शिंदे को साल 2019 में सीएम नहीं बनाना चाहती थीं एनसीपी और भाजपा

संजय राउत का बड़ा दावा

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा खुलासा किया है। राउत के दावे के मुताबिक, मौजूदा सरकार में शामिल भाजपा और एनसीपी के नेता साल 2019 में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहते थे।

कोई नेता अनुभवहीन व्यक्ति के अंदर काम नहीं करना चाहता था

राउत ने संवाददाताओं से बात करते हुए यह भी दावा किया कि अजित पवार, दिलीप वलसे पाटिल और सुनील तटकरे जैसे एनसीपी नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए शिंदे के नाम का विरोध किया था और कहा था कि वे उनके जैसे कनिष्ठ और अनुभवहीन व्यक्ति के अंदर काम नहीं करेंगे।

शिंदे मुख्यमंत्री के रूप में पसंद नहीं

राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'कांग्रेस और एनसीपी का कहना था कि उनके पास कई वरिष्ठ नेता हैं। गठबंधन का नेता ऐसा होना चाहिए जो अनुभवी, वरिष्ठ हो तथा सबको साथ लेकर चल सके। वहीं, सरकार बनाने के लिए शिवसेना ने महा विकास अघाड़ी के तौर पर कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाया था। लेकिन हाथ मिलाने से पहले ही देवेंद्र फडणवीस, गिरीश महाजन और सुधीर मुनगंटीवार जैसे भाजपा नेताओं ने शिवसेना से कहा था कि वे शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में पसंद नहीं करेंगे।' बता दें, अजित पवार और फडणवीस फिलहाल सीएम शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं।

ठाकरे एकनाथ शिंदे को सीएम बनाना चाहते थे

संजय राउत यहीं नई रुके उन्होंने कहा कि जब महा विकास आघाडी में शिवसेना को मुख्यमंत्री बनाने का मौका मिला, तब उद्धव ठाकरे एकनाथ शिंदे को सीएम बनाना चाहते थे। उस दौरान भाजपा ने कहा था कि वह शिंदे को गठबंधन के मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देखना चाहती। शिंदे को विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया था और वह मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकते थे। लेकिन तब कोई भी उन्हें सीएम नहीं बनाना चाहता था। सांसद संजय राउत ने कहा कि शरद पवार और राहुल गांधी को लगता है कि महा विकास अघाड़ी को ऐसा नेता चुनना चाहिए जिसके पास तीनों दलों का समर्थन हो।

भाजपा से संबंध तोड़ लिए थे

राज्य में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अपनी सहयोगी भाजपा से संबंध तोड़ लिए थे। ठाकरे ने बाद में राज्य में सरकार बनाने के लिए एनसीपी (तब अविभाजित) और कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। साल 2022 में, शिंदे ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया, जिसके कारण पार्टी में बंटवारा हो गया। इसके बाद शिंदे ने भाजपा के साथ सरकार बनाई।

एअर इंडिया एक्सप्रेस प्लेन के इंजन में आग

कोच्चि जा रहा विमान इमरजेंसी लैंडिंग के लिए बेंगलुरु लौटा; सभी 179 पैसेंजर सुरक्षित

बेंगलुरु, 19 मई (एजेंसियां)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु से कोच्चि जा रही फ्लाइट (IX 1132) के इंजन में शनिवार देर रात अचानक आग लग गई। इसके बाद फ्लाइट की बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। सभी 179 पैसेंजर्स और 6 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के प्रवक्ता ने बताया कि टेक ऑफ के तुरंत बाद ही आग लग गई थी। रात 11:12 बजे लैंडिंग के बाद पैसेंजर्स को बाहर निकालने और दूसरी तरफ से आग बुझाने का काम साथ में किया गया। घटना के बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा- अभी तक की जांच के मुताबिक, आग फ्लाइट के राइट इंजन में लगी थी। लैंडिंग के वक्त ग्राउंड सर्विस ने भी लपटें देखीं। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं लग पाया है। एयरलाइंस ने कहा कि मामले की जांच के ऑर्डर दे दिए गए हैं। जांच के बाद ही पूरी जानकारी दी जाएगी। घटना को लेकर पैसेंजर्स को हुई दिक्कतों को लेकर हमें दुख है। हम उनके कोच्चि रवाना करने के लिए दूसरे इंतजाम कर रहे हैं। दिल्ली से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-807 को वापस दिल्ली लौटना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट शाम 6:38 बजे सुरक्षित उतर गई। फ्लाइट की एयर कंडीशनिंग यूनिट में आग लगने की आशंका के चलते प्लेन को वापस लाया गया। फ्लाइट में 175 यात्री सवार थे।

25 मई को खुलेंगे हेमकुंड साहिब के कपाट

प्रतिदिन 3500 श्रद्धालु ही कर सकेंगे दर्शन

चमोली, 19 मई (एजेंसियां)। हेमकुंड साहिब के कपाट इस वर्ष आगामी 25 मई को खुलने जा रहे हैं। इसके चलते राज्य सरकार, जिला प्रशासन और गुरुद्वारा प्रबंधन ने जमीनी हालात को देखते हुए प्रतिदिन श्रद्धालुओं के पहुंचने की सीमा तय की है। कपाट खुलने के बाद प्रतिदिन 3500 श्रद्धालु ही हेमकुंड साहिब जा सकेंगे। गुरुद्वारा प्रबंधन का कहना है कि हेमकुंड साहिब में अभी भी काफी बर्फ है। बर्फ पिघलने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या पर फिर से विचार किया जाएगा। बता दें कि 22 मई को पंज पयारों की अगुवाई में राज्यपाल एवं संत समाज द्वारा ऋषिकेश से हेमकुंड साहिब यात्रा का आजाग किया जाएगा। दो दिन पहले जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरुद्वारा प्रबंधन के साथ गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब का पैदल निरीक्षण किया था। जिसके बाद प्रशासन ने श्रद्धालुओं की संख्या तय की है।

बीजेपी को आरएसएस की जरूरत नहीं, बीजेपी ही आरएसएस पर लगाएगी प्रतिबंध : उद्धव

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की जरूरत नहीं है, वह जल्द ही उस पर प्रतिबंध लगाएगी।

मुंबई में आयोजित इंडिया-एमवीए संयुक्त मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए, भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा के एक साक्षात्कार का जिक्र किया। इसमें नड्डा ने कथित तौर पर कहा कि शुरू में, जब भाजपा कमजोर थी, तो उसे आरएसएस की मदद की ज़रूरत थी, लेकिन अब पार्टी की ताकत बढ़ गई है, इसलिए वह स्वतंत्र रूप से चल सकती है और खुद का प्रबंधन कर सकती है। नड्डा की इस टिप्पणी से राजनीतिक गलियारों में माहौल गर्मा गया है। सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) के अध्यक्ष शरद पवार और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। ठाकरे ने कहा, जे.पी.नड्डा को लगता है कि भाजपा को अब आरएसएस की ज़रूरत नहीं है। अपने शताब्दी वर्ष में, आरएसएस भी ख़तरे में है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने मेरी पार्टी को 'नकली सेना' और 'नकली संतान' कहा, कल वे आरएसएस को भी 'नकली' करार देंगे और उस पर प्रतिबंध लगा देंगे।" उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कैसे पीएम मोदी ने राज्य भर में अपनी कई चुनावी रैलियों में उनकी पार्टी शिव सेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को 'नकली' करार दिया। ठाकरे ने कहा, चार जून को चुनाव नतीजे आने दीजिए। तब उन्हें पता चल जाएगा कि असली सेना कौन है और नकली कौन है। उन्होंने कहा, बालासाहेब ठाकरे हमेशा संकट के समय में मोदी के साथ मजबूती से खड़े रहे। अब, वही मोदी उनकी (बालासाहेब की) पार्टी को 'नकली' कहते हैं।"

नए वैरिएंट ने बढ़ाई मुसीबत : भारत में भी दर्ज किए गए मामले-देश में फिर से मास्क लगाने की अपील

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीनों से वैश्विक स्तर पर कोरोना के मामले स्थिर बने हुए थे, हालांकि अब एक बार फिर से इसमें उछाल देखा जा रहा है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिनों अपशिष्ट जल में कोरोना के नए वैरिएंट का एक नया सेट देखा गया है, जिसे (फिलर्ट) नाम दिया गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर सहित कई देशों में इस नए वैरिएंट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आलम ये है कि तेजी से बढ़ते संक्रमण के चलते सिंगापुर स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बार फिर से सभी लोगों से मास्क पहनने की अपील की है।

सीडीसी के अनुसार, 14 से 27 अप्रैल तक KP.2 सब-वैरिएंट अमेरिका में लगभग 25% मामलों का कारण बना है। विश्व स्तर पर, कोरोना का JN.1 और इसके सब-वैरिएंट्स ही प्रमुख रूप से बढ़ते देखे जा रहे हैं, जिनमें KP.1 और KP.2 शामिल है। वर्तमान में सिंगापुर में दो-तिहाई से अधिक मामले KP.1 और KP.2 के हैं। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि कोरोना का ये वैरिएंट ओमिक्रॉन की ही तरह है, जो तेजी से लोगों को संक्रमित कर सकता है। इसके अलावा ये वैरिएंट भी वैक्सीनेशन से बनी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी चकमा देने में सफल हो रहा है।

सीडीसी के डेटा के अनुसार FLiRT वैरिएंट के दो स्ट्रेन (KP.1.1 और KP.2) इस समय तेजी से बढ़ रहे हैं। दो सप्ताह की अवधि में इस वैरिएंट के कारण संक्रमण के मामलों में काफी तेजी से वृद्धि दर्ज की जा रही है। अमेरिका स्थित येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डीन मेगन एल. रैनी ने एक रिपोर्ट में बताया कि फिलर्ट में कुछ चिंताजनक विशेषताएं देखी गई हैं। इसके स्पाइक प्रोटीन में ऐसे परिवर्तन हैं जो आसानी से इसे इंसान के शरीर में प्रवेश करने और संक्रमण को बढ़ाने के योग्य बनाते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंगापुर में कोविड-19 की एक नई लहर देखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 5 से 11 मई तक यहां 25,900 से अधिक मामले दर्ज किए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ओंग ये कुंग ने शनिवार को जनता से एक बार फिर से मास्क पहनने की अपील की है। कुंग ने कहा, हम इस नई लहर के प्रारंभिक दौर में हैं, संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अगले दो से चार हफ्तों तक इसके और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। इस खतरे को देखते हुए सभी लोगों को एक बार फिर से मास्क पहनने की आदत बनानी चाहिए जिससे संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके। जून के अंत तक संक्रमण की इस नई लहर को लेकर सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की जरूरत है।

भारत में भी रिपोर्ट किए गए हैं नए वैरिएंट के केस

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत में भी कोरोना के नए वैरिएंट फिलर्ट के मामले रिपोर्ट किए गए हैं। अब तक भारत में 250 केस दर्ज किए गए हैं। अधिकांश मामलों के लिए KP.2 और KP1.1 को जिम्मेदार ठहराया माना जा रहा है। महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट KP.2 के 91 मामलों की पहचान की गई है, जो राज्य में कोरोना के मामलों में वृद्धि को दर्शाता है। 15 मई तक के आंकड़ों के अनुसार, पुणे में सबसे अधिक 51 लोगों को इस नए वैरिएंट से संक्रमित पाया गया है, ठाणे 20 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। अमरावती और छत्रपति संभाजीनगर जिलों में सात-सात मामले दर्ज किए गए।

रोचक खबरें

तोता नहीं 'आइंस्टाइन' है ये, जो भी पूछिए, बताता है फटाफट, स्मार्टनेस देख फैन हो गए लोग!

इंटरनेट और सोशल मीडिया के चलते हमें अब ऐसी-ऐसी चीज़ें भी देखने को मिलती हैं, जो पहले नहीं मिलती थीं. अब पूरी दुनिया से अजीबोगरीब चीज़ों के वीडियो और उनके बारे में तमाम बातें देखने और सुनने को मिल जाती हैं. इनमें से कुछ तो ऐसे वीडियो भी होते हैं. जिन्हें देखकर हम हैरान रह जाते हैं क्योंकि हमने पहले कभी ऐसा कुछ देखा नहीं होता है. एक ऐसे तोते का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसके मुंह से आप लोगों के नाम सुनकर हैरान रह जाएंगे. वो सामने वाले के सवालों का बखूबी जवाब दे रहा है. शायद इसी वजह से इसे आइंस्टाइन कहा जा रहा है. जैसे ही तोते से कुछ पूछा जा रहा है, वैसे ही वो झट से जवाब दे देता है. आप इस वीडियो को देखकर खुद ही इस बात को समझ सकते हैं।

तोते की होशियारी कमाल की ...

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक स्लेटी रंग का अफ्रीकन तोता दिखाई दे रहा है. एक शख्स सामने माइक लेकर खड़ा है और तोते से अलग-अलग जानवरों की आवाज़ के बारे में पूछता है और वो फटाफट इसका जवाब देता है. फिर शख्स उससे उसका नाम भी पूछता है, जिसके जवाब में तोता अपना नाम आइंस्टाइन बताता है. आप भी उसे देखकर हैरान रह जाएंगे।

लोगों ने किए दिलचस्प कमेंट

वीडियो को सोशल मीडिया पर बड्र्स लवर्स212 नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है. वीडियो को लाखों लोगों ने देखा और पसंद किया है. इस पर बहुत से लोगों ने कमेंट भी किया है. एक यूज़र ने लिखा- ये कितना ज़बरदस्त है. वहीं एक अन्य यूज़र ने लिखा- अगर कोई बर्ड ब्रेन कहे, तो इसे याद कर लेना।

इस देश में 95 साल से नहीं पैदा हुआ एक भी बच्चा

वजह है सख्त कानून, जानकर रह जाएंगे हैरान ...

जब आप दुनिया के अलग-अलग देशों के बारे में जानेंगे, तो आपको कई ऐसे फैक्ट्स भी मिल जाएंगे, जिन्हें सुनकर बेहद हैरानी होगी. एक ऐसा ही तथ्य ये भी है कि एक देश में पिछले 95 साल में किसी भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ. इतना ही नहीं यहां किसी को स्थाई नागरिकता नहीं मिलती, वहां रहने वाले सभी लोगों को अस्थाई नागरिकता ही मिलती है। इस दुनिया में अलग-अलग तरह की रहस्यमयी चीजें मौजूद हैं. यहां एक ऐसा देश है, जो अपने आप में काफी अजीब तथ्य के लिए जाना जाता है. रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धार्मिक नेताओं का ये घर है और यहां पोप का शासन है. बावजूद इसके इस देश की कुछ बातें हैरान करने वाली हैं. इसके बारे में जानकर आप दंग रह जाएंगे। इस देश में एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ. इस देश का निर्माण 11 फरवरी 1929 को हुआ था. हैरानी की बात है कि 95 साल बाद भी यहां कभी एक भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है. इसके पीछे जो वजह है, वो और भी ज्यादा हैरान कर देने वाली है। इस देश का नाम वेटिकन सिटी है. इसे दुनिया के सबसे छोटे देश के तौर पर जाना जाता है. ऐसा माना जाता है कि दुनिया भर के सभी कैथोलिक चर्चों और कैथोलिक ईसाइयों की जड़ें यहीं से हैं. दुनिया भर के कैथोलिक चर्च और उसके पादरियों और प्रमुख धार्मिक नेताओं को यहीं से नियंत्रित किया जाता है।

ऐसा कहा जाता है कि वेटिकन सिटी में अस्पताल न खोलने का निर्णय इसके छोटे आकार और आसपास के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं की निकटता के कारण लिया गया है. वेटिकन सिटी का क्षेत्रफल मात्र 118 एकड़ है. सभी रोगियों को इलाज के लिए रोम के क्लीनिक और अस्पतालों में जाना होता है. यहां कोई भी बच्चे को जन्म नहीं दे सकता क्योंकि यहां कोई डिलीवरी रूम नहीं है। यहां प्राकृतिक प्रसव नहीं होता या होने दिया जाता है. जब यहां कोई महिला गर्भवती हो जाती है और डिलीवरी की डेट नजदीक आ जाती है तो यहां के नियमों के मुताबिक उसे बच्चे को जन्म देने तक यहां से चले जाना पड़ता है. यह नियम बहुत सख्त है. वेटिकन सिटी में 95 साल में एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ।

दो पड़ोसियों के झगड़े में बना घर

दिखने में है पिद्दी सा, लेकिन कीमत है करोड़ों में

आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है, ये मामला बिल्कुल इस कहावत पर फिट बैठता है. पड़ोसियों ने एक शख्स को बडी जगह पर घर बनाने से रोका, तो उसने सिर्फ 10 फिट जगह में ऐसा घर बना दिया, जिसे खरीदने के लिए लाइन लग गई है. कीमत करोड़ों में हो गई है. पड़ोसी सबके अच्छे हों, ये जरूरी तो नहीं. कुछ लोग पड़ोसियों की वजह से इतना परेशान होते हैं कि अपना घर तक बदल लेते हैं. इसी तरह अमेरिका का रहने वाला एक शख्स भी बेहद परेशान हुआ. दरअसल, उसके घर के पास छोटी सी खाली जमीन थी, जिस पर गार्डनिंग किया करता था। एक दिन उसने इस पर घर बनाने के बारे में सोचा, लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि पड़ोस में रहने वाले करोड़पति परिवारों को यह पसंद नहीं आया. उन्होंने इसकी शिकायत की. बाद में इस शख्स ने गार्डन की जगह 10 फीट चौड़ा एक छोटा सा घर बना लिया. दिखने में पिद्दी सा नजर आने वाले इस घर को जब मार्केट में बेचने के लिए उतारा गया तो कीमत करोड़ों में लगी। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा के जैक्सनविले बीच पर बने इस घर में 2 बेडरूम, तीन बाथरूम और एक कार गैरेज के लिए जगह है. इसमें एक डाइनिंग टेबल भी है. इसे 2016 में आए मैथ्यू तूफान में नष्ट लकड़ी से बनाया गया है. यह लकड़ी शहर से उड़कर समुद्री बीच पर आ गई थी. घर बेहद खूबसूरत है. इसकी छत भी 10 फुट ऊंची है. पास में गार्डन की जगह भी है, जो हवादार बनाती है. लेकिन यह अनोखा घर तब वायरल हो गया, जब ओशनसाइड रियल एस्टेट के लिस्टिंग एजेंट रयान वेदरहोल्ड ने खुलासा किया कि इसे क्यों बनाया गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

भावनाओं को समझने के लिए शब्दों का साथ चाहिए और रिश्ता निभाने के लिए मन में विश्वास चाहिए।

चुनाव आयोग ने तेलंगाना कैबिनेट बैठक के लिए सशर्त अनुमति दी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के चुनाव आयोग ने कुछ शर्तों के साथ तेलंगाना कैबिनेट बैठक आयोजित करने के लिए हरी झंडी दे दी है। शनिवार को होने वाली कैबिनेट बैठक चुनाव आयोग से अनुमति न मिलने के कारण स्थगित कर दी गई। चुनाव आयोग के प्रधान सचिव अविनाश कुमार ने तेलंगाना के मुख्य चुनाव अधिकारी विकास राज को लिखे एक पत्र में बताया कि केवल वे मामले जो आपातकालीन प्रकृति के हैं और जिन्हें समयबद्ध कार्यक्रम में क्रियान्वित किया जाना है, उन्हें कैबिनेट बैठक के दौरान लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कैबिनेट बैठक में केवल ऐसे मामले लिए जा सकते हैं जो आकस्मिक और जरूरी हैं और 4 जून, 2024 तक इंतजार नहीं किया जा सकता है। तदनुसार, हैदराबाद की साझा राजधानी और फसल ऋण माफी के मुद्दे से संबंधित एजेंडा आइटम तेलंगाना राज्य में लोकसभा चुनाव, 2024 के पूरा होने तक स्थगित कर दिए जाएंगे। इसके अलावा, चुनाव के संचालन में शामिल किसी भी राज्य सरकार के अधिकारी को बैठक में भाग लेने के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए।

आज कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता सीएम रेवंत करेंगे

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा कैबिनेट बैठक आयोजित करने की सशर्त अनुमति दिए जाने के बाद, राज्य सरकार ने सोमवार को सचिवालय में दोपहर 3 बजे बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। शनिवार को होने वाली कैबिनेट बैठक चुनाव आयोग द्वारा अनुमति न दिए जाने के कारण स्थगित कर दी गई। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे और विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे।

बीसी गुरुकुल जूनियर कॉलेज प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना महात्मा ज्योतिबा फुले बीसी वेलफेयर गुरुकुल सोसाइटी के सचिव बडुगु सैदुलु ने आज कहा कि बीसी गुरुकुल जूनियर कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि परिणाम उनकी वेबसाइट https://mj-pabcwreis.cgg.gov.in/ पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए, जिन छात्रों ने प्रवेश के लिए राज्य भर में 208 केंद्रों पर 28 अप्रैल को आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है, उन्हें 20 मई से 30 मई के बीच उन्हें आवंटित कॉलेजों में रिपोर्ट करना होगा।

बीसी गुरुकुल जूनियर कॉलेजों में एमपीसी में 8624 सीटें, बीपीसी में 6463, एमईसी में 484, सीईसी में 2676 और एचईसी धाराओं में 229 सीटें उपलब्ध हैं। इसमें लड़कियों के लिए 9841 सीटें, लड़कों के लिए 8635 सीटें शामिल हैं। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 19 सीटें उपलब्ध हैं- कृषि और फसल उत्पादन (एसीपी) वाणिज्यिक परिधान प्रौद्योगिकी (सीजीटी) में 11 सीटें, कंप्यूटर ग्राफिक्स और एनीमेशन (सीजीए) में 35 सीटें, मेडिकल लैब तकनीशियन (एमएलटी) में 76 सीटें, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीएचडब्ल्यू) में 92 सीटें और बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीएचडब्ल्यू) में 92 सीटें। पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन (टी एंड एच) में 19 सीटों सहित कुल 273 सीटें हमारे द्वारा भरी जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी छात्र जिन्होंने बीसी गुरुकुल जूनियर कॉलेज प्रवेश परीक्षा लिखी है, उन्हें वेबसाइट पर अपने परिणाम की जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार बीसी छात्रों को मुफ्त में उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से काम कर रही है।

जांच के दायरे में अवैध क्लीनिक, निजी अस्पताल

टीम ने किया औचक निरीक्षण

निर्मल, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल और निर्मल जिलों में अनधिकृत क्लीनिक और निजी अस्पताल राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की जांच के दायरे में आ गए हैं। एनएमसी अधिकारियों ने तेलंगाना स्टेट मेडिकल काउंसिल (टीएसएमसी), इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और तेलंगाना हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन (थाना) के सदस्यों के साथ मिलकर ग्रामीण चिकित्सा चिकित्सकों (आरएमपी) और निजी चिकित्सा चिकित्सकों द्वारा संचालित अनधिकृत क्लीनिकों और अस्पतालों में औचक निरीक्षण किया।

टीम ने स्थानीय पुलिस से जनता को धोखा देने के लिए मंचेरियल में 20 और निर्मल शहर में 12 झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज करने को कहा है। एक अधिकारी ने बताया कि छापे के दौरान, यह पाया गया कि आरएमपी और पीएमपी, जिन्हें प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने तक ही सीमित माना जाता था, उच्च खुराक एंटीबायोटिक दवाओं, स्टेरॉयड और अन्य दवाओं, सेलाइन के जलसेक और यहां तक कि प्रशासन सहित चिकित्सा सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश कर रहे थे। वे लाइसेंस प्राप्त अस्पतालों के बराबर बिस्तर बनाकर सेवाएं प्रदान कर रहे थे। उनमें से कुछ शिशुओं और बच्चों का भी इलाज कर रहे थे।

रामकृष्णपुर की एक आठ वर्षीय लड़की की तीन महीने पहले सरकारी सामान्य अस्पताल में इलाज के दौरान हृदय गति रुकने से मौत हो गई थी। एक स्थानीय आरएमपी ने कथित तौर पर उच्च खुराक वाली एंटीबायोटिक्स और अन्य अनावश्यक इंजेक्शन दिए थे जिसके परिणामस्वरूप उसकी मृत्यु हो गई। हालाँकि, वह बच्चे के माता-पिता को 1 लाख रुपये की पेशकश करके अपने कृत्य को छिपाने में कामयाब रहा।

निरीक्षण से यह भी पता चला कि कुछ झोलाछाप डॉक्टर डायग्नोस्टिक सेंटर और मेडिकल स्टोर चला रहे थे। अधिकारी यह जानकर हैरान रह गए कि झोलाछाप डॉक्टर मोटी फीस लेकर मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमपीटी) किट का उपयोग करके नाबालिग लड़कियों और अविवाहित महिलाओं के गर्भधारण का गर्भपात कर रहे थे।

अधिकारियों के अनुसार लगभग 1,000 आरएमपी और पीएमपी पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में क्लीनिक संचालित करते हैं। उनमें से एक बड़ा हिस्सा अयोग्य है और इलाज की लागत पर 20 से 40 प्रतिशत कमीशन स्वीकार करके मरीजों को कस्बों और जिला केंद्रों के अस्पतालों में भेजकर पैसा भी कमाते हैं।

जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता ने कहा कि अनैतिक प्रथाओं के परिणामों पर आरएमपी और पीएमपी के बीच जागरूकता पैदा की जा रही है। उन्हें दवाएं न लिखने और प्राथमिक चिकित्सा के अलावा चिकित्सा सेवाएं प्रदान न करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी से परेशान प्रोफेसर ने पुलिस से सुरक्षा मांगी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक पति, जिसे उसकी पत्नी द्वारा कथित रूप से परेशान किया गया है। उसने आज पुलिस से उसकी पत्नी से सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई क्योंकि उसकी और उसके माता-पिता की जान को उससे खतरा है। पीड़ित, तेमुजियन ने कहा कि शादी के बाद से ही उसकी पत्नी उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी। हैदराबाद के हैदरगुडा में एनएसएस में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने अपनी पत्नी द्वारा शरीर पर दिए गए जख्मों को दिखाया। आंध्र प्रदेश के राजोलू के रहने वाले तेमुजियन की शादी सात साल पहले अमलापुरम की लक्ष्मी गौतमी से हुई थी। उन्होंने कहा कि वह शहर स्थित एक कॉलेज में अंग्रेजी के प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं और अपनी पत्नी के साथ अलवाल में रहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका पांच साल का बेटा है। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्होंने परिवार के बुजुर्गों की मौजूदगी में अपनी पत्नी को समझाया, लेकिन उनकी पत्नी नहीं बदली और उन्हें प्रताड़ित करना जारी रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी ने उन्हें जान से मारने की कोशिश में चाकू से हमला किया। मैंने इस संबंध में अपनी पत्नी के खिलाफ स्थानीय अलवाल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज करने में लापरवाही बरती। उन्होंने कहा कि वह शनिवार से घर नहीं गए हैं और उन्हें चिंता है कि अगर वह अपने घर गए तो उनकी पत्नी फिर से उन पर हमला करेगी। उन्होंने पुलिस से अपनी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज करने और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई।

टीईटी की परीक्षा आज से

पहली बार कंप्यूटर आधारित मोड में परीक्षा

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार से शुरू हो रहे तेलंगाना राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीएस टीईटी) 2024 के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी हैं। पहली बार टीईटी कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित की जा रही है। इससे पहले, परीक्षा ओएमआर-आधारित ऑफ़लाइन मोड में आयोजित की गई थी। परीक्षा राज्य भर के 16 जिलों में स्थापित 80 परीक्षा केंद्रों पर दो सत्रों में सुबह 9 बजे से 11.30 बजे और दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

उम्मीदवारों को सुबह के सत्र के लिए सुबह 7.30 बजे से और दोपहर के सत्र के लिए दोपहर 12.30 बजे से केंद्रों में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

सुबह के सत्र के लिए सुबह 8.45 बजे और दोपहर के सत्र के लिए दोपहर 1.45 बजे गेट बंद होने के बाद उम्मीदवारों को अनुमति नहीं दी जाएगी। अंग्रेजी/तेलुगु माध्यम में पेपर-द्वितीय गणित और विज्ञान की परीक्षा 20 से 22 मई तक आयोजित की जाएगी, जबकि लघु माध्यम में समान विषयों की परीक्षा 1 जून को निर्धारित है।

इसी तरह अंग्रेजी माध्यम में सामाजिक अध्ययन पेपर-2 की परीक्षा 24, 28 और 29 मई को है। पेपर-प्रथम की परीक्षा 30, 31 मई, 1 और 2 जून को होगी। टीईटी के लिए कुल 2,86,386 आवेदन प्राप्त हुए थे। कुल में से, 99,958 पंजीकरण पेपर-प्रथम के लिए थे, जो कक्षा प्रथम से पंचम के लिए शिक्षण पात्रता चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया गया था और शेष 1,86,428 आवेदन पेपर - द्वितीय के लिए थे, जो कक्षा पांच से आठ के शिक्षक उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया गया था। एडमिट कार्ड के साथ, एक वैध मूल फोटो पहचान पत्र जैसे आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पैन या वोटर कार्ड भी केंद्रों पर ले जाना होगा।

व्हाट्सएप के जरिए पत्नी को दिया तलाक

आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आदिलाबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद पुलिस ने व्हाट्सएप वॉयस मैसेज के जरिए अपनी पहली पत्नी को 'तीन तलाक' कहने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मामला आदिलाबाद शहर के केआरके कॉलोनी का है। यहां के निवासी 32 वर्षीय अब्दुल अतीक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जो ट्रांसपोर्टर का काम करता है। आदिलाबाद पुलिस के सब-इंस्पेक्टर जी श्रीनिवास के मुताबिक, अतीक ने 2017 में जैस्मीन से शादी की थी। दंपति को दो बेटियां हैं। अक्सर दम्पति में झगड़ा होता है। पिछले दो सालों से यह जोड़ा अलग-अलग रह रहा है, जिसमें जैस्मीन अपनी बेटियों के साथ अपनी मां के साथ रहती है। इसी बीच अतीक ने दूसरी शादी कर ली।

2023 में जैस्मिन ने अतीक के खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया था। इसके अतिरिक्त उसने अदालत में भरण-पोषण के लिए याचिका दायर की, जिसके परिणामस्वरूप अदालत ने अतीक को अपनी बेटियों के भरण-पोषण के लिए प्रति माह 7,200 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। अतीक इस आदेश का पालन करने में विफल रहा, जिसके कारण जैस्मीन को फिर से अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। इसके बाद कोर्ट ने अतीक को पेश होने के लिए समन जारी किया। इस घटनाक्रम से गुस्साए अतीक ने जैस्मीन को व्हाट्सएप पर एक वॉयस मैसेज भेजा, जिसमें 'तीन तलाक' की घोषणा की गई। जैस्मीन ने यह संदेश दोनों परिवारों के रिश्तेदारों के साथ साझा किया, जिन्होंने उसे कानूनी शिकायत दर्ज करने की सलाह दी।

जैस्मीन ने आदिलाबाद पुलिस से संपर्क किया, जिसने मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम की धारा 3 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया। यह अधिनियम 'तीन तलाक' के माध्यम से तत्काल तलाक की प्रथा को अपराध घोषित करता है। एसआई श्रीनिवास ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। यह आदिलाबाद में पहला मामला है जहां हमने अकेले इस धारा को लागू किया है। पहले, हमने दो मामले दर्ज किए हैं जहां इस धारा को उत्पीड़न के आरोपों के साथ जोड़ा गया था।

लिबर्टी रोड पर लगाई गईं छायादार जालियां

मोटर चालकों को गर्मी से बचाने का उपाय

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मोटर चालकों को गर्मी से बचाने के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर हिमायत नगर में लिबर्टी रोड पर हरे रंग की जाली लगाई है। शहर के प्रमुख जंक्शनों पर, विशेष रूप से ट्रैफिक सिग्नलों पर लंबे समय तक रुकने वाले जंक्शनों पर इसी तरह की शेड वाली छतरियां लगाए जाने की उम्मीद है।

यातायात पुलिस के अनुसार राहगीरों को गर्मी के दौरान राहत प्रदान करने के लिए जीएचएमसी कर्मचारियों द्वारा शनिवार को जाल लगाया गया था।

सिग्नल पर इंतजार करने वालों की मदद करने के साथ-साथ, शहर में शॉपिंग केंद्रों में से एक होने के कारण, यह लेन बड़ी संख्या में पैदल यात्रियों को भी आकर्षित करती है। हैदराबाद सबसे गर्म गर्मियों में से एक का अनुभव कर रहा है, जिसने नागरिकों को विशेष रूप से दोपहर में सड़कों पर निकलने से हतोत्साहित किया है।

यह देखा गया कि सीधी धूप का सामना करने से बचने के लिए कई लोग सिग्नल जंप करते हैं या वाहनों को स्टॉप लाइन से कुछ मीटर दूर छाया में रोकते हैं।

ये शेड नेट वाहन चालकों को सिग्नल पर आरामदायक रखेंगे और उन्हें यातायात नियमों का पालन करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण शहर में घटते तापमान के साथ, नागरिक प्रशासन का विचारशील कदम विलंबित प्रयास हो सकता है।

गोदावरीखानी अस्पताल में ट्रांसजेंडर के लिए विशेष क्लिनिक

पेद्दापल्ली, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रांसजेंडर समुदाय की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए गोदावरीखानी सरकारी अस्पताल में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक विशेष क्लिनिक खोला गया है। ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिनियम 2019 के हिस्से के रूप में राज्य सरकार सभी शिक्षण अस्पतालों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अलग क्लिनिक स्थापित कर रही है। रामागुंडम विधायक ने गोदावरीखानी अस्पताल के 50 बिस्तरों वाले विस्तार ब्लॉक का उद्घाटन किया। गोदावरीखानी अस्पताल में विशेष क्लिनिक खोला गया, जो सिंगरेनी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रामागुंडम के लिए एक शिक्षण अस्पताल है।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उपचार प्रदान करने के लिए क्लिनिक में एक प्रभारी डॉक्टर के अलावा, एक हाउस सर्जन और अन्य कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जब वे अस्पताल के रिसेप्शन पर परामर्श के लिए अपना नाम पंजीकृत करते हैं तो उनके लिए अलग ओपी (आउटपेशेंट) परामर्श पर्चियां भी तैयार की जा रही हैं। यदि परस्पर परामर्श की आवश्यकता होती है, तो उन्हें स्त्री रोग विशेषज्ञ, मूत्र रोग विशेषज्ञ, त्वचा विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक और अन्य जैसे विशेष डॉक्टरों के पास ले जाया जाएगा। यह प्रदेश का तीसरा ट्रांसजेंडर क्लिनिक है। एक क्लिनिक उस्मानिया जनरल अस्पताल, हैदराबाद में संचालित किया जा रहा है, जबकि एक एमजीएम अस्पताल, वारंगल में संचालित किया जा रहा है।

गोदावरीखानी की एक ट्रांसजेंडर महिला रोशनी ने कहा कि क्लिनिक उनके लिए अधिक उपयोगी होगा। चूंकि यह केवल उनके लिए था, इसलिए अधिक संख्या में ट्रांसजेंडर लोग बेझिझक अस्पताल जा सकेंगे और बिना किसी हिचकिचाहट के डॉक्टरों को अपनी स्वास्थ्य समस्याएं बता सकेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों में मूत्र और त्वचा संक्रमण आम स्वास्थ्य समस्याएं हैं। क्लिनिक खोलने से पहले, चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से जानकारी ली और उनके सामने आने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा दिए गए इनपुट के आधार पर क्लिनिक में सुविधाएं बनाई गईं। मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल हिमाबिन्दु ने कहा कि उच्च अधिकारियों के निर्देशों के आधार पर, उनके पास अलग क्लिनिक है क्योंकि ट्रांसजेंडर समुदाय को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है।

मछली पकड़ने के दौरान एक व्यक्ति टैंक में डूबा

निर्मल, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को पेम्बी मंडल के इतिक्याल गांव में मछली पकड़ने के दौरान एक 45 वर्षीय व्यक्ति दुर्घटनावश सिंचाई टैंक में डूब गया। घटना का खुलासा रविवार को हुआ। पेम्बी के सब-इंस्पेक्टर आर शंकर ने कहा कि गांव के आदिवासी चुंचु लक्ष्मणना का शव उसके बेटे को टैंक में मिला था। अवैध क्लीनिक, झोलाछाप डॉक्टर एनएमसी की जांच के दायरे में आते हैं। लक्ष्मणना शनिवार को मछली पकड़ने के लिए घर से निकला था और सुबह तक वापस नहीं लौटा। जब उसका बेटा गांव के किनारे घूम रहा था तो उसने शव देखा। उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। लक्ष्मणना के परिवार में उनकी पत्नी और बेटा है।

जनता की प्रमुख चुनौतियों का होगा समाधान

बोथ विधायक ने दिया आश्वासन

आदिलाबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ विधायक अनिल जाधव ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लागू आदर्श आचार संहिता हटने के बाद जनता की प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने रविवार को नेराडीगोंडा मंडल के इसपुर गांव में सुबह की सैर के दौरान निवासियों से बातचीत की और उनकी समस्याएं जानीं। अपनी 3 किलोमीटर की सुबह की सैर के दौरान अनिल ने स्थानीय लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को जानने की कोशिश की। उन्होंने क्षेत्रवासियों से समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों से छोटी चुनौतियों से निपटने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने एमसीसी हटने के बाद प्रमुख समस्याओं का समाधान करने का वादा किया। उन्होंने जुलाई और अगस्त में भारी बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों का निरीक्षण किया। गांव का दौरा करने पर स्थानीय लोगों ने उनका अभिनंदन किया।

विधायक ने बजरहथनूर मंडल के कोल्हारी गांव में एक धारा पर बन रहे पुल के काम का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने एजेंसी से जनता को असुविधा से बचाने के लिए मानसून की शुरुआत तक सुविधा को जनता के लिए खोलने के लिए कहा।

नेत्र कैंसर जागरूकता के लिए 'व्हिटाथॉन' रन

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट (एलवीपीईआई) ने बच्चों में रेटिनोब्लास्टोमा (नेत्र कैंसर) का शीघ्र पता लगाने और इसके उपचार के लिए धन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'व्हिटाथॉन' रन के छठे संस्करण का आयोजन किया। यह आयोजन विश्व रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह की याद दिलाता है, जो हर साल मई के दूसरे रविवार से शुरू होकर 7 दिनों तक मनाया जाता है। रविवार सुबह दौड़ को हैदराबाद विश्वविद्यालय, गाचीबोवली में माधापुर जोन के पुलिस उपायुक्त डॉ. विनीत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। व्हिटाथॉन रन से जुटाई गई धनराशि का उपयोग रेटिनोब्लास्टोमा से पीड़ित वंचित बच्चों के इलाज के लिए और भविष्य के अनुसंधान का समर्थन करने के लिए किया जाता है।

ऑपरेशन आईसाइट यूनिवर्सल इंस्टीट्यूट फॉर आई कैंसर, एलवीपीईआई की प्रमुख डॉ. स्वाति कालिकी ने कहा कि बच्चों की आंखों में दिखाई देने वाला सफेद रिफ्लेक्स नेत्र कैंसर का संकेत हो सकता है और ऐसे रिफ्लेक्स वाले किसी भी बच्चे को तुरंत आंखों की जांच के लिए ले जाना चाहिए। अपोलो कैंसर अस्पताल के निदेशक डॉ. विजय आनंद रेड्डी ने कहा कि आंख का कैंसर या रेटिनोब्लास्टोमा एक ऐसी घटना है जो सिर्फ 6 साल के बच्चों में देखी जाती है। इसका शीघ्र पता लगाना और तत्काल उपचार लेना आवश्यक है, क्योंकि इस बीमारी से पीड़ित 90 प्रतिशत से अधिक मरीज ठीक हो सकते हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 707633H Nb Sub Sagar Dahal want to change my Son's DOB SOHAN DAHAL 11-11-2014 instead of SOHAN DAHAL 11-04-2016 mentioned in my Army Service Record..

I,JC 707633H Nb Sub Sagar Dahal want to change my Daughter's name as SUPRIYA DAHAL instead of SUPRIYA DEVI mentioned in my Army Service Record.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बेड-गद्दों में छिपाए थे 60 करोड़ के नोट

आगरा में जूता कारोबारी के यहां इनकम टैक्स का छापा; रातभर 10 मशीनों से नोट गिने

आगरा, 19 मई (एजेंसियां)। आगरा में 3 जूता कारोबारियों के यहां इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा। एक कारोबारी के घर से 60 करोड़ रुपए के नोट बरामद हुए हैं। यह नोट बेड, गद्दों और आलमारी में छिपाकर रखे थे। नोटों की तस्वीर सामने आई है। इसमें दिख रहा है कि बेड पर नोटों की गड्डियां रखी हैं। जमीन पर रखे बैग भी नोटों से भरे हैं। इनकम टैक्स टीम हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के घर और ऑफिस पहुंचीं। सर्च किया तो उनके घर पर बेड और गद्दों में नोट के बंडल मिले।

भारी भरकम कैश देखकर अफसरों ने नोट गिनने के लिए बैंक से करीब 10 मशीन मंगाई। पूरी रात कार्रवाई चली है। रविवार सुबह तक टीम डंग के आवास पर है। ऐसे में आंशका है कि कैश का आंकड़ा और बढ़ सकता है। दरअसल, टैक्स चोरी के इनपुट के बाद आयकर टीम ने आगरा में 3 कारोबारियों के घर और ऑफिस यानी 6 ठिकानों पर छापेमारी की। टीम एमजी रोड के बीके शूज, धाकरान के मंशु फुटवियर और हींग की मंडी के हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक के दफ्तर और आवास पर एक साथ छापा मारने पहुंची।

जमीनों में भारी निवेश, सोने की खरीद का इनपुट

आयकर टीम को बीके शूज और मंशु फुटवियर के यहां कितना कैश मिला इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। मंशु फुटवियर और बीके शूज के मालिक रिश्तेदार हैं। कुछ सालों में ही ये बाजार में बड़ा नाम बन गए। कारोबारियों के पास से जमीन में भारी निवेश, सोने की खरीद की जानकारी भी मिली है। आगरा में इनर रिंग रोड के पास कारोबारियों ने बड़ा निवेश किया है। अफसरों ने तीनों जूता कारोबारियों के प्रतिष्ठानों से लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल जब्त कर लिए हैं। उनसे डेटा लिया गया।रसीदें और बिल के साथ स्टॉक रजिस्टर की जांच में कई हैरान करने वाली जानकारियां मिली हैं। एक प्रतिष्ठान के संचालक ने अपने आईफोन का लॉक नहीं खोला। आईटी टीम ने लॉक तोड़ने के लिए एक्सपर्ट से संपर्क किया है।

रात भर नोट गिनते थक गए अधिकारी

हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग का घर प्रभुनगर इलाके के जयपुर हाउस में है। वो आर्टिफिशियल लेदर का कारोबार करते हैं। सूत्रों के मुताबिक, उनके घर से नोटों की बड़ी खेप मिली है। 500-500 के नोटों की गड्डियां अलमारी, बेड और गद्दों में भरी थीं। नोटों को गिनते-गिनते अधिकारी थक गए। रात में टीम ने आराम करने के लिए बाहर से गद्दे मंगाए।

आगरा, कानपुर, लखनऊ के 30 से ज्यादा अफसर

तीनों कारोबारियों के 6 ठिकानों पर आयकर विभाग के 30 से ज्यादा अफसर और कर्मचारी जांच कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आयकर टीम में आगरा के अलावा, कानपुर और लखनऊ के अफसर भी शामिल किए गए हैं। तीनों कारोबारियों ने बहुत तेजी से मार्केट में अपना बिजनेस बढ़ाया। आयकर विभाग को इनके यहां टैक्स चोरी के इनपुट लगातार मिल रहे थे। टीम ने जांच शुरू की। शुरुआती जांच में इनपुट सही पाए गए। इसके बाद रेड डाली गई।

डूबती नाव की सवारी न करें अल्पसंख्यक, शाहनवाज हुसैन ने लालू के दांव की निकाली काट

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में संविधान और आरक्षण जैसे मुद्दों पर जमकर चर्चा हुई। एनडीए और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने एक दूसरे पर संविधान और आरक्षण खत्म करने के आरोप लगाए। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मुसलमानों को आरक्षण दिए जाने की वाकलत करके चुनावी माहौल में सियासी तड़का लगा दिया। बीजेपी ने इसे हाथो हाथ लेते हुए आरजेडी को ओबीसी और दलित विरोधी व मुस्लिम परस्त साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने लालू के दांव की काट निकाली है। उन्होंने पीएम मोदी ही मुसलमानों के सच्चे हितैषी है। उन्होंने दावा किया है कि 2024 में देश में फिर से नरेन्द्र मोदी का पीएम बनना तय है। पूरे देश में मोदी की लहर नहीं बल्कि सुनामी चल रही है। बिहार और केंद्र सरकारों में मंत्री रहे शाहनवाज हुसैन ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज को नरेन्द्र मोदी को वोट देकर पीएम बनाने के मिशन पर काम करना चाहिए।

ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी केस की अगली सुनवाई 29 मई को

हिंदू पक्ष ने की बंद तहखानों के एएसआई सर्वे की मांग

वाराणसी, 19 मई (एजेंसियां)। जिला जज संजीव पांडेय की अदालत में ज्ञानवापी से जुड़े मां श्रृंगार गौरी समेत कई वादों की सुनवाई हुई। मां श्रृंगार गौरी वाद की वादिनी राखी सिंह की तरफ से अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने ज्ञानवापी में बंद पड़े तहखानों की एएसआई से सर्वे कराने की मांग की। इस पर मां श्रृंगार गौरी वाद की चार अन्य वादिनी के अधिवक्ताओं सुधीर त्रिपाठी और सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने इस आवेदन की प्रति मांगी। इस पर उन्हें प्रति उपलब्ध कराई गई। अधिवक्ता मानबहादुर सिंह, शिवम गौड़ और डीके द्विवेदी ने आदि विश्वेश्वर विराजमान वाद को सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट से स्थानांतरित कर जिला जज की कोर्ट में सभी वादों के साथ सुनवाई किए जाने के आदेश का विरोध किया। आदेश को विधि विरुद्ध बताते हुए उसे रिकॉल करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा कि हर वाद में अलग-अलग अनुतोष मांगा गया है। ऐसे में एक साथ सुनवाई नहीं की जा सकती।

सिविल जज सीनियर डिवीजन / फास्ट ट्रैक कोर्ट में लंबित साल 1991 के प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के बाद को जिला जज की अदालत में स्थानांतरित कर लीडिंग केस मानकर ज्ञानवापी से जुड़े सभी वादों की सुनवाई की मांग अनुष्का तिवारी और इंदु तिवारी के अधिवक्ता हिमांशु शेखर तिवारी ने की। इस पर लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के बाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी से आपत्ति मांगी गई है। अदालत ने इन सभी आवेदनों और वादों में क्रमवार सुनवाई के लिए 29 मई की तिथि नियत कर दी।

क्यों कम हुआ कांग्रेस का दबदबा?

इस कद्दावर नेता ने बताई असली बात चुनाव के बीच कर दी ये भविष्यवाणी

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में सियासी पारा हाई है। पक्ष और विपक्ष के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा के एक कद्दावर नेता ने बताया है कि कांग्रेस को दो राज्यों में हार में सामना क्यों करना पड़ा है?

स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने सनातन के विरोध व टुकड़े-टुकड़े गिरोह के समर्थन के लिए कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पतन का कारण सनातन का विरोध है। जो सनातन धर्म का नहीं, वह भारत का भी नहीं हो सकता है।

केंद्र में तीसरी बार जनता नरेन्द्र मोदी को सत्ता सौपेगी- मंगल पांडेय

उन्होंने कहा कि सनातन विरोध के कारण ही जनता ने कांग्रेस से पिछले विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ और राजस्थान की सत्ता छीन ली थी। अब पुनः केंद्र में तीसरी बार जनता नरेन्द्र मोदी को सत्ता सौपेगी, ताकि जनहित कार्य जारी रहे। मंगल पांडेय ने कहा कि कांग्रेसी राम विरोधी, गरीब विरोधी, विकास विरोधी, महिला सम्मान विरोधी, युवा विरोधी, सेना विरोधी एवं रोजगार विरोधी हैं। ये कभी सेना का अपमान करते हैं तो कभी महिलाओं का। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली आईएनडीआईए टुकड़े-टुकड़े गिरोह का समर्थन कर रही है। जो देश के विभाजन का ख्वाब पाले हुए हैं। सनातन विरोध का पाप और जातिवाद की राजनीति कांग्रेस को इस चुनाव में भी ले डूबेगी।

अनजाने में जातिसूचक शब्द के प्रयोग से नहीं चल सकता एससी-एसटी एक्ट का केस

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुनाया यह फैसला

प्रयागराज, 19 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि अनुसूचित जाति के व्यक्ति के विरुद्ध अनजाने में की गई जातिसूचक टिप्पणी पर एससी- एसटी एक्ट की धारा 3(2)(वी) का अपराध नहीं बनता। ऐसा अपराध तभी माना जाएगा जब टिप्पणी करने वाला जानता हो कि जिसके खिलाफ जातिसूचक अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहा है वह अनुसूचित जाति व्यक्ति का है। कोर्ट ने अनजाने में की गई जातिसूचक टिप्पणी पर एससी-एसटी एक्ट के तहत चल रहे केस कार्यवाही को रद कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने देहरादून निवासी अलका सेठी की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता अवनीश त्रिपाठी ने बहस की। एससी- एसटी एक्ट के मामले में धारा-482 के तहत याचिका की पोषणीयता मामले में विपक्षी अधिवक्ता द्वारा कोई आपत्ति न करने के कारण कोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भजनलाल केस में धारा-482 की अंतर्निहित शक्ति के इस्तेमाल करने की गाइडलाइंस जारी की है। उसके अनुसार यदि प्रथम दृष्टया अपराध नहीं बनता तो कोर्ट केस कार्यवाही में हस्तक्षेप कर सकती है। याची का आरोप है कि भू-माफिया व राजस्व अधिकारियों व तत्कालीन एसएचओ की मिलीभगत से बैनामे से खरीदी उसकी जमीन की पैमाइश कराने के लिए उसे आफिस के चक्कर लगाने को मजबूर किया। एसडीएम के दोनों पक्षों की मौजूदगी में पैमाइश करने के आदेश के विपरीत लेखपाल की मनमानी पैमाइश का विरोध करने पर झूठे केस में फंसाया गया है। थानेदार ने उसकी शिकायत नहीं सुनी। एक दिन बाद लेखपाल की झूठी एफआइआर दर्ज कर ली गई। इस पर कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया है कि आइजीआरएस व डैशबोर्ड पर की गई याची की शिकायतों की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से जांच कराएं। जांच चार माह में पूरी की जाय। कोर्ट ने सहारनपुर के थाना बिहारीगढ़ में दर्ज एससी-एसटी के मामले को निरस्त कर दिया है।

कोर्ट ने कहा चार्जशीट बहुत तकनीकी तरीके से दाखिल की गई है। ट्रायल कोर्ट ने संज्ञान लेकर समन भी जारी कर दिया। कोर्ट ने दर्ज एफआइआर को याची के साथ हुई हाथापाई से बचने के लिए जवाबी हमला माना। साथ ही आश्चर्य व्यक्त किया कि राजस्व अधिकारियों को बांधकर रखा और वरिष्ठ अधिकारियों के मौके पर आने पर छोड़ा। यह अविश्वसनीय है कि कैसे एक पुरुष और एक महिला इतने सारे लोगों को काबू में करके बांध सकते हैं? और वरिष्ठ अधिकारियों के आने पर छोड़ते है। निःसंदेह यह कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

यह है मामला

18 अगस्त 2023 की दोपहर 1.40 बजे सतपुरा गांव में लेखपाल निरीक्षण कर रहे थे। उसी समय विवाद हुआ। याची देहरादून की निवासी हैं। उसने लोकेश मित्तल से सहारनपुर में जमीन का बैनामा कराया। दाखिल खारिज कराने के बाद सीमांकन की मांग की। इसमें देरी की जा रही थी। भू-माफिया कब्जा करने की फिराक में थे। जिसकी प्राथमिकी भी दर्ज है। एसडीएम बेहट ने दोनों पक्षों की मौजूदगी में सीमांकन का आदेश दिया था, लेकिन लेखपाल बिना बताए अकेले सीमांकन कर रहा था। इस पर विवाद हुआ तो लेखपाल ने याची के खिलाफ एसटी-एसटी एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज करवा दिया। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि एससी-एसटी कानून कमजोर को अत्याचार से संरक्षण देने के लिए बनाया गया है, लेकिन व्यक्तिगत प्रतिशोध या हित या खुद को बचाने के लिए इसका बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है।

मेरठ में महिला की मौत पर आप का जोरदार प्रदर्शन, मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर मुकदमा दर्ज करने की मांग

मेरठ, 19 मई (एजेंसियां)। मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म होने से हुई महिला इंदिरा देवी की मौत का मामला अब सियासी रंग लेता नजर आ रहा है। इस मामले में मेडिकल कॉलेज स्टाफ की लापरवाही के खिलाफ आम आदमी पार्टी सड़कों पर उतर आई है। आम आदमी पार्टी ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। मेरठ मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन के अभाव में महिला इंदिरा देवी की तड़प-तड़प कर मौत हो गई। इससे गुस्साए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और खूब प्रदर्शन किया।

आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने हाथ में तख्तियां ले रखी थी जिन पर इंदिरा देवी को इंसाफ दिलाने सहित कई स्लोगन लिखे थे। आप कार्यकर्ताओं ने पहले कमिश्नरी चौराहे पर प्रदर्शन किया और उसके बाद कमिश्नरी चौराहे से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला। इसके बाद कलेक्ट्रेट में डीएम के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें सख्त कार्रवाई की मांग की गई। आप ने मेडिकल कॉलेज की इसे बड़ी लापरवाही करार दिया है।

अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव बोलीं

'हमें खुशी इस बात की है कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है।'

गोंडा, 19 मई (एजेंसियां)। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने गोंडा सीट से पार्टी प्रत्याशी श्रेया वर्मा के समर्थन में रोड शो कर जनता को संबोधित किया और श्रेया वर्मा के समर्थन में वोट करने की अपील जनता से की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को यहां का सांसद बनाएं ऐसे सांसद को ना बनाएं जो जनता के बीच न जाते हैं। साथ ही विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनके पास परिवार नहीं है उनको नहीं पता कि परिवार कैसे चलता है। 10 साल से केंद्र में झूठ की सरकार है और जो अभी तक चुनाव हुए हैं उसमें केंद्र की सरकार बदलने के संकेत मिल रहे हैं। डिंपल यादव ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि हमें खुशी इस बात की है कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। आप सभी के समर्थन से समाजवादी पार्टी पूरे प्रदेश में बहुत ऐतिहासिक जीत की तरफ आगे बढ़ रही है और कहीं ना

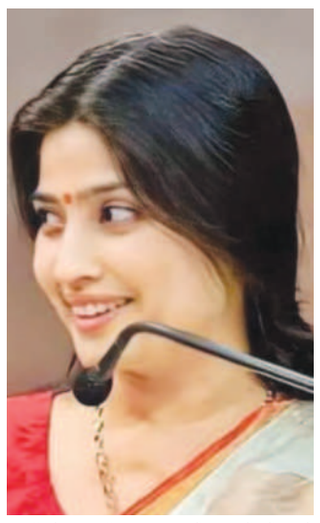

कहीं केंद्र की सरकार के जाने के पूरे संकेत भी मिल रहे हैं। अगर केंद्र की सरकार जाती है तो कहीं ना कहीं उत्तर प्रदेश की सरकार भी जाने वाली है। यह लड़ाई परिवर्तन की है, बदलाव की लड़ाई है। हमारे लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है।

पीएम मोदी और सीएम योगी पर साधा निशाना

डिंपल यादव ने मौजूदा सांसद कीर्ति वर्धन सिंह पर निशाना चाहते हुए कहा कि आपको कैसा सांसद चाहिए कि जो आपके बीच में रहे या ना कि वह जो अपने क्षेत्र में कभी ना आए। मुझे पूरा भरोसा है कि इस लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई में एक संविधान को बचाने की लड़ाई में आप सब लोग अपनी अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। गोंडा में 20 मई को वोट पड़ेगा हम समझते हैं कि बदलाव और परिवर्तन का और पड़ने जा रहा है।

बिजनौर में बड़ा हादसा: जोरदार धमाके के साथ पटाखा फैक्टरी में लगी आग, एक की मौत, छह से ज्यादा श्रमिक घायल

बिजनौर, 19 मई (एजेंसियां)। बिजनौर जनपद के झालू में गांव गंगोड़ा के जंगल में स्थित एक पटाखा फैक्टरी में तेज धमाके के साथ आग लग गई। आग लगने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो और करीब छह से सात श्रमिक बुरी तरह झुलस गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया और घायलों को उपचार के लिए भेजा। वहीं फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। राहत बचाव कार्य जारी है। बताया गया कि गांव गंगोड़ा के जंगल में एक तिल्ली बम बनाने वाली फैक्टरी स्थित है। ग्रामीणों के अनुसार इस पटाखा फैक्टरी में रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे गांव चिंटू व तेंगे निवासी रसूलाबाद और कुछ श्रमिक पटाखों की पैकिंग करने में लगे हुए थे।

बिना अनुमति विज्ञापन में तस्वीर देख भड़के शिवदीप लांडे, 4 लोगों पर दर्ज कराई एफआईआर

मुजफ्फरपुर, 19 मई (एजेंसियां)। तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे एक विज्ञापन में अपनी तस्वीर देखकर भड़क गये हैं। बिना उनकी अनुमति के उनकी तस्वीर को अखबार के विज्ञापन में दिखाया गया है। इस मामले में उन्होंने मुजफ्फरपुर के नगर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसकी पुष्टि टाउन एसएचओ विजय कुमार सिंह ने कर दी है। शहर में हो रहे एक टैलेंट हंट शो से जुड़े विज्ञापन में तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे की तस्वीर का उपयोग किया गया है। इस मामले में नगर थाने में टैलेंट हंट शो से जुड़े चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

प्राथमिकी में लगाई गयी कुल आठ धाराएं

नगर थाने के एसएचओ विजय कुमार सिंह ने स्थानीय मीडिया को बताया कि तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे की एक तस्वीर का इस्तेमाल विज्ञापन में हुआ है। अपने निजी व्यवसाय को समृद्ध करने के लिए दिये गये विज्ञापन में उनकी तस्वीर का इस्तेमाल किया गया है, जो कि फ्रॉड करने और नाम का गलत इस्तेमाल करने की श्रेणी में आता है। इसको लेकर शनिवार की शाम नगर थाने में टैलेंट हंट शो से जुड़े सभी 4 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इन लोगों पर आईपीसी की धारा 419, 420, 468, 479, 500, 502,120 और 34 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब कार्रवाई की जाएगी।

चार के खिलाफ कार्रवाई एफआईआर दर्ज

जानकारी के अनुसार एक टैलेंट हंट शो के एक आयोजन को लेकर एक चर्चित अखबार में शिवदीप लांडे की तस्वीर बतौर विज्ञापन के लिए छापी गई। इसके बाद आईजी शिवदीप लांडे ने संज्ञान लेते हुए इस मामले को गंभीर बताया और उक्त विज्ञापन जारी करने वाली संस्था सहित 4 के खिलाफ कार्रवाई के लिए एफआईआर दर्ज कराई। बिहार कैडर के तेज तर्रार आईपीएस अफसर शिवदीप लांडे बीते जनवरी महीने में ही तिरहुत रेंज के आइजी बने है। मुजफ्फरपुर में पदभार ग्रहण करने के बाद से ही वो एक्शन में हैं। वो अपने कड़क अंदाज के लिए जाने जाते हैं। लोगों के बीच उनकी काफी लोकप्रियता है।

बेटे के खिलाफ भरा था नामांकन

अब पवन सिंह की मां प्रतिमा देवी ने इस वजह से वापिस लिया नाम

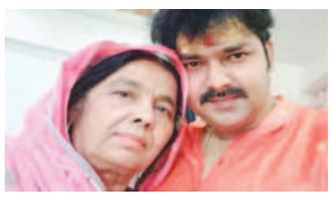

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। बिहार के काराकाट लोकसभा सीट पर मतदान के दिन करीब आते ही मुकाबल दिलचस्प होने की उम्मीद है। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह ने इस सीट से निर्दलीय चुनावी ताल ठोक कर एनडीए गठबंधन प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के लिए चुनौती बने हुए हैं। महागठबंधन की तरफ़ से राजा राम मैदान चुनावी ताल ठोक चुके हैं। वहीं ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने काराकाट लोकसभा सीट से प्रियंका चौधरी को टिकट दिया है। वहीं भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की मां प्रतिमा देवी ने भी काराकाट से चुनावी मैदान में उतरने के लिए नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अब नाम वापिल ले लिया है। सियासी गलियारों में बेटे के सामने मां के नामांकन पर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही थीं। आखिर ऐसी क्या मजबूरी हो गई कि मां ने बेटे के सामने ही चुनावी ताल ठोकी दी। क्या बेटे के लिए मां ही चुनौती बनेंगी। बहरहाल नाम वापिस लेते ही सारी अटकलों पर विराम लग गया है। पवन सिंह की मां प्रतिमा देवी ने नामांकन किसी और वजह से दाखिल किया था। दरअसल उन्हें (प्रतिमा देवी) को यह डर सताने लगा था कि कहीं उनके बेटे (भोजपुरी अभिनेता, पवन सिंह) का नामांकन रद्द ना हो जाए। इसलिए बैकअप प्लान के तौर पर मां ने निर्दलीय पर्चा दाखिल कर दिया।

दोस्ती, ब्लैकमेल और रेप, हरियाणा की युवती से मुजफ्फरनगर में लव जिहाद

मुजफ्फरनगर, 19 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में लव जिहाद का मामला सामने आया है। पीड़िता हरियाणा के जींद की रहने है, जिसकी मुलाकात इंस्टाग्राम के जरिए एक युवक से हुई जिसने अपना नाम कमल बताया था। पीड़िता ने इस पूरे मामले में एसएसपी अभिषेक सिंह से मिलकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने इंसाफ की गुहार लगाते हुए बताया कि आरोपी युवक ने पहले उससे दोस्ती की और फिर अपने प्रेम जाल में फंसाया। इसके बाद उसने पीड़िता को शादी का झांसा देकर करीब एक साल तक शारीरिक शोषण किया।

पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने धोखे से उसके कुछ अश्लील फोटो भी बनाई और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसका यौन शोषण करता रहा। पीड़िता की मानें तो आरोपी ने उसका अश्लील विडीयो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देते हुए ब्लैकमेल कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा, जिससे वह गर्भवती हो गई। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने दो बार उसका गर्भपात भी कराया। पीड़िता को जब पता चला कि कमल का असली नाम कामिल है और वह हिन्दू नहीं, मुस्लिम है, तब भी उसने कामिल पर शादी करने का दबाव बनाया तो उसने कहा कि इस्लाम कबूल कर लो, तब मैं तुझसे शादी करूंगा। कामिल के इस फैसले का जब पीड़िता ने विरोध किया तो कामिल ने उसके साथ मारपीट की। कामिल की मां, भाई और दो भाभियों ने भी कामिल के साथ मिलकर मारपीट की और उसके 80 हजार रुपये और कीमती जेवरात हड़प लिए। आपको बताते चलें, पीड़िता करीब एक साल पहले आरोपी कमल के कहने पर अपने घर से 80 हजार रुपये और कीमती जेवरात लेकर ग्राम संधावली आ गई थी। संधावली में आरोपी कमल ने पीड़िता का परिचय अपनी मां, एक भाई और दो भाभियों से कराया।

'अपने ही लोगों को ठग रहे अखिलेश यादव, सपा के झंडे के साथ बैठा गुंडा'- केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। पांचवें चरण के चुनाव में प्रचार के अंतिम दिन महोबा के चरखारी कस्बे में केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। इंडिया गठबंधन ऐसा है। अखिलेश यादव पर उन्होंने अपने ही लोगों को ठगने का आरोप लगाया है। जबसे मोदी सरकार आई है, तब से गुंडे माफियाओं का सफाया हो गया है। कांग्रेस सरकार में फैला भ्रष्टाचार का राज भी खत्म हुआ है।

जो काम 60 वर्षों में कांग्रेस नहीं कर पाई वो 10 वर्षों में बीजेपी ने कर गरीबों, वंचितों के लिए काम किया है। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के प्रचार के अंतिम दिन केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने बीजेपी के प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन में चरखारी कस्बे के ओल्ड पैलेस में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर मंच से इंडिया गठबंधन पर जमकर निशान साधा है। उन्होंने कहा कि जबसे मोदी सरकार आई है तब से गुंडे माफियाओं का देश से सफाया हो गया है। जिस गाड़ी में लगा सपा का झंडा उसमें बैठा होगा गुंडा, कांग्रेस व सपा सरकार में चारो ओर भ्रष्टाचारियों का राज फैला हुआ था। जबसे मोदी सरकार बनी तो उन्होंने इनको उखाड़ कर फेंक दिया।

चुनाव में कैश के दुरुपयोग की जब्ती में गुजरात अव्वल

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से दो महीनों में प्रवर्तन एजेंसियों ने देश भर से लगभग 9,000 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुएं और 'मुफ्त उपहार' जब्त किए हैं। यह राशि पूरे 2019 के आम चुनाव की अवधि के दौरान की गई कुल बरामदगी से ढाई गुना से अधिक है। अगले दो हफ्तों में मतदान के तीन और दौर होने के कारण, इस आम चुनाव के दौरान बरामदगी की कुल संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

किस समान की कितनी जब्ती

शनिवार को जारी चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कुल 8,889 करोड़ रुपये की बरामदगी में से, ड्रग्स और नशीले पदार्थों की संख्या लगभग 45% थी, इसके बाद 23% पर 'मुफ्त उपहार' और 14% पर कीमती धातुएं थीं। एजेंसियों ने 849 करोड़ रुपये नकद और 815 करोड़ रुपये की लगभग 5.4 करोड़ लीटर शराब भी जब्त की है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, गुजरात में मूल्य के संदर्भ में जब्ती अधिकतम लगभग 1,462 करोड़ रुपये थी, मुख्य रूप से गुजरात एटीएस, नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और भारतीय तटरक्षक बल द्वारा हाल ही में किए गए संयुक्त अभियान के कारण, जिसके कारण 892 करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स की तीन उच्च मूल्य की बरामदगी हुई। राजस्थान उस सूची में दूसरे स्थान पर है जहां प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा लगभग 757 करोड़ रुपये के अधिकतम 'मुफ्त उपहार' जब्त किए गए थे।

2019 के आंकड़े से भी ज्यादा

चुनाव आयोग ने कहा कि इन चुनावों में मादक पदार्थों के खिलाफ ऐक्शन भी हुए हैं। गुजरात के अलावा, महाराष्ट्र और दिल्ली में भी ड्रग्स की जब्ती की सूचना मिली है। 17 अप्रैल को पुलिस ने ग्रेटर नोएडा में एक ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था, जहां से 150 करोड़ रुपये मूल्य का 26.7 किलोग्राम एमडीएमए जब्त किया गया था और दो विदेशियों को गिरफ्तार किया गया था। चुनाव आयोग ने बताया कि अन्य समूहों में बरामदगी समान रूप से प्रभावशाली रही है और 2019 के संसदीय चुनावों की कुल जब्ती के बड़े अंतर को भी पार कर गई है। ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों सहित प्रलोभन के खिलाफ बढ़ी हुई सतर्कता के परिणामस्वरूप बड़ी बरामदगी की कार्रवाई और निरंतर वृद्धि हुई है। चुनाव आयोग ने कहा कि नशीली दवाओं की बरामदगी सबसे अधिक रही है। चुनाव आयोग के अनुसार, आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जो राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ट्रांजिट जोन हुआ करते थे, अब वे तेजी से 'उपभोग क्षेत्र' बन रहे हैं।

शराब की जब्ती के मामले में ये राज्य नंबर 1

शराब की अवैध आवाजाही के मामले में, कर्नाटक लगभग 1.5 करोड़ लीटर शराब जब्त करने के साथ सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद महाराष्ट्र है। यहां करीब 62 लाख लीटर शराब जब्त की गई। नकदी की जब्ती के मामले में तेलंगाना 114 करोड़ रुपये के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे आगे है।

वकील को मिले आम की चोरी से जुड़े एक केस के 100 साल पुराने दस्तावेज

ठाणे , 19 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत के 100 साल पुराने एक चोरी के मामले के आदेश की कॉपी मिली है। जो कि आम की चोरी की है। जिससे उस समय की कानूनी कार्रवाई के बारे में जानकारी मिलती है। हम अक्सर पुराने समय की फिल्म या कोई फोटो वीडियो देखकर यह सोचने लगते हैं, कि पुराने जमाने में लोग क्या करते होंगे? कैसे रहते होंगे? क्या सोचते होंगे? अब हाल ही में ठाणे अदालत के एक फैसले से 100 साल पुराने लोगों की सोच का पता चलता है। यह मामला आम की चोरी का है।

महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत में एक वकील को 5 जुलाई 1924 के आदेश की प्रति मिली है। इस मामले का शीर्षक था क्राउन बनाम अंजेला अल्वेरेस और 3 अन्य। जिसमें 185 हरे आम की चोरी हुई थी। इसके लिए आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 379/109 के तहत आरोप लगा था। वकील पूनित महिमकर का कहना है कि ठाणे शहर में अपने पिछले घर से शिफ्ट होने के दौरान उन्हें मेजेनाइन में वर्षों से लावारिस पड़ा एक बैग मिला। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि पहले वाले घर में रहने वालों ने इस बैग को छोड़ा हो। जब उन्होंने बैग खोला तो उसमें कुछ पुराने संपत्ति के कागजात और मजिस्ट्रेट के आदेश की एक प्रति मिली। जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपियों को बोस्तियाव एलिस एंड्राडेन के खेत से आम तोड़ते समय रंगे हाथों पकड़ा गया था।

केंद्रीय मंत्री का सीएम ममता बनर्जी पर बड़ा आरोप

निवेशक पश्चिम बंगाल आने से डरते हैं

बांकुड़ा, 19 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथ लिया। उन्होंने दावा किया कि निवेशक पश्चिम बंगाल आने से डरते हैं। जब तक बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार सत्ता में है, तब तक व्यवसाय राज्य से दूर रहेंगे।

खराब स्थिति के लिए जिम्मेदार भूमि अधिग्रहण नीति

केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री ने एक न्यूज एजेंसी को इंटरव्यू दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की भूमि अधिग्रहण नीति और भ्रष्टाचार के आरोप रोजगार की खराब स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। मंत्री ने आगे कहा कि उद्योगपति पश्चिम बंगाल आने से कतराते हैं। राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए इस सरकार को बदलने की सख्त जरूरत है।

यह दावा करके सत्ता में आई थी टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस 2011 में अपनी जबरन जमीन हड़पने की नीति और नंदीग्राम तथा सिंगूर में पूर्ववर्ती वाम मोर्चा सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर आंदोलन के कारण सत्ता में आई थी। वामपंथियों ने बार-बार दावा किया है कि अधिग्रहण राज्य के पुनः औद्योगिकीकरण और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए थे।

कृषि उपज क्षेत्रों को भी मजबूत करना होगा

सरकार ने कहा कि बेरोजगारी और बंगाल से अन्य राज्यों में श्रमिकों के पलायन की समस्या तभी हल होगी जब उद्योग आएंगे। उन्होंने कहा कि इस बीच युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाएंगे। निवर्तमान 17वीं लोकसभा में बांकुड़ा के सांसद रहे सुभाष ने कहा कि अगले पांच साल में हमारे पास बड़ी संख्या में युवाओं को कौशल प्रदान करने की योजना है। उसी समय संबंधित उद्योगों के साथ बेहतर संपर्क के लिए सहकारी और कृषि उपज क्षेत्रों को भी मजबूत करना होगा। बांकुड़ा लोकसभा सीट से भाजपा द्वारा फिर से नामांकित किए जाने पर सरकार ने 2019 के चुनावों में अपने प्रतिद्वंद्वी तृणमूल कांग्रेस से 1.74 लाख वोटों से अधिक अंतर से सीट जीतने का विश्वास व्यक्त किया।

पंजाब में अब तक 734.54 करोड़ की नकदी

शराब और ड्रग्स जब्त; 1 जून को मतदान होगा

चंडीगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। पंजाब में 1 जून को मतदान होगा। मतदान के लिए कुल 24,451 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। इनमें 16,517 गांवों और 7,934 शहरों में हैं। चुनाव के मद्देनजर पहले से सख्ती बढ़ा दी गई है। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि प्रदेश भर में केंद्रीय बलों की 250 कंपनियां तैनात की गई हैं, जोकि दिनरात आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई कर रही हैं। प्रदेश में अब तक 734.54 करोड़ रुपये की नकदी, शराब और ड्रग्स पकड़ी गई है। अकेले आयोग की फ्लाइंग स्क्वॉयड ने 33,70,446 लीटर शराब तस्करी होते हुए पकड़ी है।

मतदान वाले दिन सभी राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को यह ध्यान देना होगा कि वे अपने टेंट या डेस्क पोलिंग बूथ से 100 मीटर की दूरी पर लगाएं। यहां तक कि कोई भी दल या लोग किसी निजी रिहायशों के बाहर धरना-प्रदर्शन या राजनीतिक दल की बैठक या सभा में विघ्न डालते हैं, तो उन्हें छह महीने की कैद और दो हजार रुपये जुर्माना या दोनों हो सकते है।

1 मार्च से अब तक की कुल जब्ती

1 मार्च से पंजाब में अलग-अलग टीमों ने 15.45 करोड़ रुपये नकदी, 22.62 करोड़ की शराब, 665.67 करोड़ की ड्रग्स, 23.75 करोड़ के प्रतिबंधित पदार्थ और 7.04 करोड़ की अन्य जब्ती की गई है। आयोग ने 734.54 करोड़ रुपये का प्रतिबंधित सामान जब्त किया है। सीईओ ने बताया कि लोगों को नकदी को लेकर कई बार दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं कि आचार संहिता लागू होने तक कोई भी 50 हजार रुपये से अधिक की नकदी साथ लेकर न चले। 50 हजार रुपये से अधिक की नकदी साथ लेकर चलने पर उसके पुख्ता दस्तावेज, पर्ची या रिकॉर्ड होना अनिवार्य है। अगर ऐसा नहीं होता है तो नकदी जब्त की जाएगी। सी-विजिल एप के जरिए मुख्य निर्वाचन कार्यालय के पास 3,765 शिकायतें आ चुकी हैं। इनमें से 2,853 शिकायतें सहीं पाई गईं। 3,755 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। आयोग के पास केवल 10 शिकायतें लंबित हैं। अधिकारियों के मुताबिक कांग्रेस के पूर्व सीएम चन्नी और शिअद की वरिष्ठ नेता बीबी जागीर कौर के मामले में शिकायत भारतीय निर्वाचन आयोग के पास लंबित पड़ी हैं।इस शिकायत पर आयोग के आदेशों का इंतजार है। सी-विजिल एप के अलावा लोग सीधा भी अपने जिला के डीस एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को दे सकते हैं, जिस पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रॉडक्ट की क्वॉलिटी जानना मौलिक अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ाया राइट टू हेल्थ का दायरा

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राइट टु हेल्थ में कंस्यूमर को प्रॉडक्ट की क्वॉलिटी के बारे में भी जानने का हक है। इस तरह कोर्ट ने राइट टु हेल्थ का दायरा बढ़ा दिया है। कोर्ट ने कहा, प्रॉडक्ट की क्वॉलिटी के बारे में जानकारी देना ना सिर्फ निर्माता, सेवा प्रदाता की जिम्मेदारी है, बल्कि प्रॉडक्ट का प्रचार प्रसार करने वाले माध्यम, सिलेब्रिटी और एनफ्लूएंसर की भी ज़िम्मेदारी बनती है। एडवरटाइजर और एडवरटाइजिंग एजेंसी और उस प्रॉडक्ट को प्रमोट करने वाले जिम्मेदारी से काम करें। उन्हें भी गाइडलाइंस के तहत जिम्मेदारी लेनी होगी, ताकि कंस्यूमर का जो भरोसा है वह न तोड़ा जाए। उनका शोषण ना हो।

विज्ञापन कंपनी को भी दिए निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गुमराह करने वाले विज्ञापन के मामले में कोई ठोस मेकेनिजम नहीं है, जहां कंस्यूमर अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। कोर्ट ने राइट टु हेल्थ के दायरे में कंस्यूमर के अधिकार को प्रोटेक्ट करने के लिए निर्देश दिया कि विज्ञापन को जारी करने से पहले एडवरटाइजर और एडवरटाइजिंग एजेंसी केबल टेलिविजन नेटवर्क रूल्स का पालन करें। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस हीमा कोहली की अगुवाई वाली बेंच ने पतंजलि केस में दिए गए ऑर्डर में कंज्यूमर राइट्स के बारे में व्यवस्था दी है। इस मामले में आईएमए की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया था कि गुमराह करने वाले विज्ञापन पर रोक लगाई जाए और रेगुलेशन किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में पतंजलि और अन्य के खिलाफ कंटेप्ट नोटिस जारी किया था और मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

राइट टु हेल्थ : लोगों को जागरूक होने की ज़रूरत

समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट राइट टु हेल्थ को लेकर कई फैसले दिए हैं। व्यापक तौर पर परिभाषित किया है। कोविड के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने 18 दिसंबर 2020 को अहम फैसले में कहा है कि राइट टु हेल्थ मौलिक अधिकार है। राइट टु हेल्थ में इलाज आम लोगों की जेब के दायरे में होना चाहिए।

पूर्व पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने किया कांग्रेस का साथ देने का एलान

इशारा करते हुए रणनीति समझाई

फतेहाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। फतेहाबाद में पूर्व पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली और उनके समर्थकों ने कांग्रेस पार्टी के समर्थन का एलान कर दिया है। रविवार को टोहाना में हुए कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन के दौरान पहले देवेंद्र सिंह बबली ने हाथ से कार्यकर्ताओं को इशारा करते हुए अपनी रणनीति समझाई। बबली ने कहा कि वह एक पार्टी के विधायक हैं इसलिए स्पष्ट तौर पर नहीं कह सकते।

रायशुमारी के दौरान कार्यकर्ताओं ने आगामी फैसला लेने का मुझे अधिकार दिया था। लेकिन मैंने प्रमुख साथियों की कमेटी को यह फैसला लेने का अधिकार दिया है। इसके बाद कमेटी के सदस्य और देवेंद्र बबली के खासमखास मोंटू अरोड़ा ने ऐलान किया कि हम सभी हाथ के साथ है। इसी के साथ कार्यकर्ताओं ने खड़े होकर जबरदस्त नारेबाजी करते हुए हाथ के साथ को अपना समर्थन दे दिया। इससे पहले बबली ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मैं बड़ी दुविधा में था, मेरे पास बार-बार कार्यकर्ता साथियों के फोन आ रहे थे।

वह चाह रहे थे कि राजनीतिक फैसला जल्द लिया जाए। कार्यकर्ता साथियों ने फैसला लेने का अधिकार मुझे दिया इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।

पंजाब-हरियाणा समेत 4 राज्यों में हीटवेव का रेड अलर्ट

> दिल्ली-राजस्थान में तापमान 46 डिग्री के पार > कर्नाटक-केरल में तेज बारिश होगी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। देश के कई राज्य इस वक्त तेज गर्मी की चपेट में हैं।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में आज हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश और बिहार में आज हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा उत्तराखंड, गुजरात, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी आज लू चलने की संभावना है।

आईएमडी के मुताबिक, इन राज्यों में 5 दिनों तक तेज गर्मी पड़ेगी। वहीं, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान में हीटवेव का असर 23 मई तक रहेगा। आईएमडी ने कहा कि अगले दो से तीन दिनों में उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में दिन के साथ रात भी गर्म होगी। रात का गर्म तापमान सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है, क्योंकि इससे शरीर को ठंडा होने का मौका नहीं मिलता है। शनिवार को दिल्ली और राजस्थान में तापमान 46 डिग्री पहुंचा। दिल्ली के मुंगेशपुर में अधिकतम तापमान 46.8, नजफगढ़ में 46.7, पीतमपुरा में 46.1 और पूसा में 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजस्थान के जैसलमेर में तापमान 46.2, बाड़मेर में 46.9, गंगानगर में 46.3 और पिलानी में 46.3 रहा। आने वाले दिनों में यहां तापमान में गिरावट की कोई संभावना नहीं है। उधर, दक्षिण भारत के राज्यों में तेज गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु में शनिवार को ही कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात देखने को मिले थे।

मौसम विभाग ने कमजोर लोगों को चिंता जताई

मौसम विभाग ने बच्चे, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से जूझ रहे लोगों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई है। साथ ही कहा है कि लंबे समय तक धूप में रहने वाले या काम करने वाले लोगों के बीमार पड़ने की संभावना है। हीटवेव के दौरान लगातार धूप में काम करना कमजोर लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। गर्मी से बचने के लिए लोग पहाड़ों को रुख कर रहे हैं। हालांकि, वहां भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। जम्मू में शनिवार को अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में जम्मू-कश्मीर में छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की है। हिमाचल प्रदेश में भी लोग चिलचिलाती गर्मी से जूझ रहे हैं। रविवार (19 मई) को राज्य के सात जिलों में लू चलने की चेतावनी दी गई है। शनिवार (18 मई) को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों का अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 6.4 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा। धर्मशाला में तापमान 36.1 डिग्री और शिमला में 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

केरल में 20 मई तक भारी बारिश का अलर्ट

देश के बाकी हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच दक्षिणी राज्यों में बारिश हो रही है। केरल में 20 मई तक भारी बारिश का अलर्ट है। 19 और 20 मई के लिए राज्य के पथानामथिट्टा, कोट्टायम और इडुक्की जिलों में बारिश की संभावना है। 21 मई को नौ जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

बारिश के दौरान बाढ़ और लैंडस्लाइड की आशंका है। 19 से 22 मई के बीच केरल में तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है। सीएम पिनाराई विजयन ने पहाड़ी और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी है। आईएमडी के अनुसार, साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते अगले 7 दिनों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, कर्नाटक और लक्षद्वीप में गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और रायलसीमा में गरज और बिजली के साथ छिटपुट वर्षा होगी। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी।

राम रहीम ने हाईकोर्ट से लगाई गुहार

कहा- 41 दिन की पैरोल-फरलो बची हुई, 29 फरवरी के आदेशों पर रोक हटाने की मांग

चंडीगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह फिर से जेल से बाहर आना चाहते है, इसी उम्मीद से उसने किसी भी तरह की पैरोल या फरलो देने पर रोक के आदेश को हटाने के लिए हाई कोर्ट के समक्ष गुहार लगाई है।

डेरा प्रमुख के अनुसार, इस साल उसके पास अभी भी 41 दिन की पैरोल/फरलो बची हुई है और वे इसका लाभ उठाना चाहते हैं। गुरमीत सिंह दुष्कर्म और हत्या के मामलों में दोषी है और वर्तमान में रोहतक जेल में सजा काट रहा है। वह पैरोल या फरलो पर रिहाई के लिए आवेदन करना चाहता है। उसने दावा किया है कि वह इस साल 20 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो सहित कुल 41 दिनों की अवधि के लिए रिहाई के लिए पात्र है। 29 फरवरी को, हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने राज्य को निर्देश दिया था कि भविष्य में अदालत की अनुमति के बिना डेरा प्रमुख के पैरोल के आवेदन पर विचार न किया जाए।

आतंकियों ने भाजपा के पूर्व सरपंच पर की अंधाधुंध फायरिंग

जम्मू, 19 मई (एजेंसियां)। अनंतनाग सीट पर चुनाव से एक सप्ताह पहले आतंकियों ने दक्षिण कश्मीर में शनिवार देर रात एक घंटे के भीतर दो स्थानों पर हमले किए। इसमें शोपियां में भाजपा के एक पूर्व सरपंच की घर में घुसकर हत्या कर दी तो पहलगाम घूमने आए राजस्थान के एक पर्यटक दंपती को घायल कर दिया।

घटना के बाद दोनों इलाकों में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया। कई स्थानों पर रात में सुरक्षा बलों ने दबिश भी दी। ज्ञात हो कि यह हमला बारामुला सीट पर चुनाव से दो दिन पहले हुआ है। बारामुला में 20 और अनंतनाग में 25 मई को मतदान होना है। अनंतनाग में पहले सात मई को चुनाव होना था। पुलिस के अनुसार शोपियां जिले के हीरपोरा गांव में रात लगभग साढ़े 10 बजे आतंकी पहुंचे। वह भाजपा के पूर्व सरपंच एजाज अहमद शेख के घर में जबरन घुस गए। उन्होंने एजाज को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग की। बताते हैं कि एके 47 राइफल की उन्हें सात से आठ गोलियां लगी थीं।

फायरिंग करने के बाद आतंकी मौके से भाग निकले। इसके बाद परिवार वालों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इससे पहले रात लगभग साढ़े नौ बजे दहशतगर्दों ने पहलगाम के पास यन्नर में दरिया किनारे बने कैंपिंग साइट के बाहर बैठे राजस्थान के जयपुर की दंपती फरहा और तबरेज पर हमला किया। दोनों को पास से गोली मारने के बाद आतंकी मौके से भाग निकले। दंपती को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जाती है। फायरिंग होते ही अन्य पर्यटक भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तथा सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके को घेर लिया। दोनों स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस लोगों से पूछताछ के आधार पर आतंकियों का सुराग लगाने की कोशिश कर रही है।

कैंपिंग साइट पर हमला होते ही गोलियों की आवाज से वहां हड़कंप मच गया। वहां मौजूद अन्य पर्यटक अपनी जान बचाने के लिए अपने अपने तंबुओं में घुस गए। पर्यटकों में काफी खौफ रहा। सुरक्षा की दृष्टि से वहां सुरक्षा बलों को तैनात कर दिया गया है।

चुनाव से पहले दहशत फैलाने की साजिश

हालांकि, हमले की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है, लेकिन माना जा रहा है कि यह लश्कर-ए-ताइबा के टीआरएफ की साजिश हो सकती है।

हमले को चुनाव से पहले दहशत फैलाने की साजिश के रूप में देखा जा रहा है ताकि स्थानीय लोगों में डर का माहौल बने और वह चुनावी प्रक्रिया से दूर रह सकें। इसके साथ ही पर्यटकों में भी खौफ पैदा करने की साजिश के हिस्से के रूप में इसे देखा जा रहा है।

अमित शाह ने बताया चार चरणों का परिणाम

कहा-लालू को चार और राहुल बाबा को 40 सीटें भी नहीं मिल रही

बेतिया, 19 मई (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह चुनावी सभा को संबोधित करते पश्चिम चंपारण के बेतिया पहुंचे। उन्होंने एनडीए प्रत्याशी डॉ. संजय जायसवाल और सुनील कुमार के लिए वोट मांगा। उन्होंने कहा कि मैं चंपारण की धरती को प्रणाम करता हूं। अमित शाह ने कहा कि चार चरण के चुनाव खत्म हो चुके है, कल पांचवें चरण का चुनाव है। मेरी बात डायरी में लिख लीजिए, चारों चरण में मोदी जी कुल 270 का आंकड़ा पार कर चुके हैं। लालू जी की पार्टी को चार सीटें भी नहीं मिल रही। और, राहुल बाबा को 40 सीटें भी नहीं मिल रही है।

इंडी गठबंधन का सूफड़ा साफ होने वाला

गृह मंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन का सूफड़ा साफ होने वाला है। इंडी गठबंधन के लोग झूठ का व्यापार करने वाले लोग हैं। झूठ बोलकर विजय प्राप्त करना चाहते हैं। यह लोग कहते हैं कि मोदी जी 400 पार करेंगे तो आरक्षण हटा देंगे। इससे बड़ा झूठ और कुछ हो ही नहीं सकता है। आप बताइए मोदी जी 10 साल से आपकी सेवा कर रहे हैं? क्या अब तक आरक्षण को हाथ भी लगाया है? मैं आप आपके बीच में कहकर जाता हूं कि जब तक संसद में

भाजपा का एक भी सांसद है एससी-एसटी और ओबीसी के आरक्षण को कोई भी हाथ नहीं लगा सकता है। गृह मंत्री ने कहा कि कर्नाटक और तेलंगाना में पांच व चार प्रतिशत मुस्लिमों को कांग्रेस ने आरक्षण दिया। यह संविधान के खिलाफ है।

कांग्रेस की गोद में जाकर बैठक गए लालू

गृह मंत्री ने कहा कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की इजाजत नहीं देता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि लालू यादव कहते हैं कि मुसलमानों को शत प्रतिशत आरक्षण देना चाहिए। लालू जी, किसका आरक्षण काट कर दोगे? दलितों का, आदिवासियों का या पिछड़ा समाज का आरक्षण काट कर दोगे, स्पष्ट करो। लालू प्रसाद वोट बैंक और बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस की गोद में जाकर बैठक गए हैं। कांग्रेस ने हमेशा पिछड़ा विरोधी राजनीति की है। हमारे पीएम मोदी ने पिछड़ों को संवैधानिक दर्जा देने का काम किया।

लोकसभा चुनाव जीत गए तो प्रधानमंत्री कौन होगा

गृह मंत्री ने पूछा कि कांग्रेस वाले अगर लोकसभा चुनाव जीत गए तो प्रधानमंत्री कौन होगा? ममता बनर्जी पीएम बनेंगी, अरविंद केजरीवाल को तो फिर से जेल जाना है। क्या राहुल गांधी पीएम बनेंगे? पाकिस्तान को गोली का जवाब गोली से कौन देगा। चंद्रमा पर चंद्रयान कौन भेजेगा। इनके पास कोई नेता नहीं है। अगर पीएम कोई बन सकता है तो वो नरेंद्र मोदी ही बन सकते है। अमित शाह ने कहा कि बेतिया का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान तक दे सकता है। मोदी जी ने धारा 370 को समाप्त कर दिया है। मैं लालू जी को पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस जब सत्ता में थी, उस दौरान कोई भी आकर बम धमाका करके चला जाता था और आप चुप बैठे थे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 20 मई - 2024

मालीवाल चुनावी मुद्दा

रविवार को स्वाति मालीवाल मामले में गिरफ्तार किए गए सीएम के पीए विभव कुमार को लेकर केजरीवाल सरकार आर-पार के मूड में दिखाई दे रही है। इसलिए उनकी आप पार्टी सामूहिक गिरफ्तारी की मांग करते हुए बीजेपी दफ्तर की ओर कूच कर दिए। वे बीजेपी दफ्तर पहुंचे भी नहीं थे कि दिल्ली पुलिस दोबारा अरविंद केजरीवाल के आवास पर धमक गई। पुलिस स्वाति मालीवाल केस में सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर तलाश करने के लिए पहुंची है। बता दें कि शनिवार को भी दिल्ली पुलिस सीएम आवास पहुंची थी जहां से केजरीवाल के पीए विभव कुमार को गिरफ्तार किया था। स्वाति मालीवाल भी सीसीटी फुटेज से छेड़छाड़ और उसे डिलीट करने की बात कह चुकी हैं। दिल्ली में 25 मई को चुनाव है। इसके पहले दोनों ही पार्टियां राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल का मुद्दा भुनाने पर अमादा हैं। स्वाति का आरोप है कि मुख्यमंत्री के पीए ने उनके साथ मारपीट की। जिस दिन मारपीट हुई उसी दिन वे रिपोर्ट लिखाने थाने भी पहुँचीं, लेकिन रिपोर्ट नहीं लिखाई।

शुरुआती दौर में आप नेता संजय सिंह ने स्वीकार किया कि स्वाति के साथ बदसलूकी हुई है और सीएम केजरीवाल दोषी के खिलाफ कार्रवाई ज़रूर करेंगे। लेकिन हुआ इसका उल्टा। इस घटना के बाद केजरीवाल के टूर पर बिभव कुमार उनके साथ नज़र आए। अन्य दलों ने इसकी निंदा की और कहा कि जब दोषी के खिलाफ कार्रवाई ही करनी होती तो उसे साथ लिए क्यों घूमते भला? इस बीच यह भी प्रचार किया जाने लगा कि स्वाति का राज्यसभा टिकट किसी और को दिया जा रहा है इसलिए इस तरह की साजिश का शिकार स्वाति को बनाया गया है। स्वाति ने इन सभी आरोपों का खंडन करते हुए गुरुवार को विभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी।

घटना के दिन से ही जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को उठा लिया तो आप पार्टी समझौते के मूड में आ गई थी। इसीलिए संजय सिंह ने एक सधा हुआ बयान दिया था लेकिन अब इस एफआईआर के बाद मामला आर- पार का हो चुका है। इससे यह भी साबित हो गया कि स्वाति और आप पार्टी में समझौते के सारे रास्ते बंद हो गए हैं। जाहिर है स्वाति को राजनीति में रहने के लिए भविष्य में किसी दूसरी पार्टी का दामन थामना पड़े। फ़िलहाल तो भाजपा के कार्यकर्ता इस विवाद को जिस तरह से हवा दे रहे हैं।

इस घटना के खिलाफ प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं, उससे लगता है कि अन्य नेताओं की तरह देर-सबेर वे भी पार्टी का हिस्सा हो सकती हैं। ताज्जुब है कि यह बात अभी तक उजागर नहीं हो सकी है कि सीएम के पीए ने उनके साथ इस बेरहमी से मारपीट क्यों की? बहरहाल, हक़ीक़त जो भी हो, आप पार्टी ने खुद ही चुनाव के ऐन पहले दूसरी राजनीतिक पार्टियों को एक बड़ा मुद्दा दे दिया है। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को इस मामले में कुछ भी बोलना भारी पड़ सकता है इसलिए वे भी सधे बयान जारी कर रहे हैं कि महिला का सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है और जो भी दोषी होगा, उसके ख़िलाफ़ मुख्यमंत्री कार्रवाई ज़रूर करेंगे। जिस तरह से मामला गरमाया है उससे लगता है मामला चुनाव के बाद भी ठंडा होने वाला नहीं है। इस तरह का विवाद क्यों हुआ? इसके पीछे आख़िर क्या छिपा हुआ है, कोई नहीं जानता। कोई नहीं बताता। फिर भी चुनाव तक तो इस मामले को गरमाए रखना दोनों पार्टियों ने जरूरी समझ रखा है।

ट्रक में लगी आग हादसा या आपराधिक षड्यंत्र ?

नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश सहित भारत के अन्य हिस्सों में आए दिन रुई की गठानों से भरी ट्रक में आग लगने की खबरें देखने पढ़ने को मिल रही है। इन खबरों में अमूमन एक जैसी कहानी सामने आती है, जिसमे ट्रक की किस्त भरने में नाकाम ट्रक मालिक संगठित आपराधिक गिरोह के चक्कर में फर्जी तरीके से बीमा प्राप्त करने की लालच में अपने ही स्वामित्व की ट्रक में आग लगाने की घटना को अंजाम देते है। आगजनी या आपराधिक षड्यंत्र की इन घटनाओं के वक्त इन ट्रकों में अधिकतर रुई की गठानें भरी होना पाया जाता है। संगठित गिरोह ट्रक में आग लगाने से पूर्व उच्च गुणवत्ता की रुई की गठानें ट्रांसपोर्ट के माध्यम से पहले तो ट्रक में लोड करतें है। आग लगाने के अपराध को करने से पूर्व ट्रक में भरी उच्च गुणवत्ता की रुई की गठानों को खाली कर उसके स्थान पर खराब या कम कीमत की रुई की गठानों को ट्रक में लोड किया जाता है। उच्च गुणवत्ता की रुई की गठानों को बेचकर भी अवैध रूप से लाभ अर्जित करने की मंशा होती है।

मध्यप्रदेश सहित भारत के विभिन्न प्रदेशों में अपराधियों का संगठित गिरोह योजनाबद्ध ढंग से रुई की गठानों से भरी ट्रकों में आग लगाने की घटना को अंजाम दे रहा है। पुलिस ने बहुत से मामलों में ट्रांसपोटरो एवं गठान मालिको की शिकायतों पर इस प्रकार के अपराधों का पर्दाफांस करते हुए अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भी भेजा है।ट्रक में आग के ऐसे भी मामले है, जिनकी जांच होना चाहिए जो महज आगजनी के रूप में दर्ज हुए जिसमें आपराधिक गिरोह को ट्रक का फर्जी बीमा भी मिल गया। जिसने इन गिरोह की आपराधिक मंशा को अधिक बड़ा दिया है।कुछेक मामलो में संगठित इन गिरोह की पुलिस से निकटता के प्रमाण भी मिले है। संगठित रूप से रुई की गठानों से भरी ट्रक में आग लगाने की यह घटनाएं हमारे समाज में अवैध रूप से लाभ कमाने की लालच में अपराधिक प्रवृत्ति में बढ़ोतरी का कारण बन रही है। पुलिस को चाहिए इस प्रकार के अपराधों से जुड़े गिरोह की मंशा को जगजाहिर करें। आगजनी की जांच कर उसमे आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी की परतों को तलाशे अपराधियों को बेनकाम करें। इस प्रकार का ताजा घटनाक्रम 9 मई 2024 को सिवनी जिले के कुरई थाने का है।

जिसकी रिपोर्ट काफी जद्दोजहद के बाद लिखी गई। गठान मालिक की दृढ़ता के बाद आगजनी एफआईआर में तब्दील हो सकी। चालक गोलू उर्फ त्रिलोक राजपूत उम्र 34 वर्ष निवासी बड़वाह ने पुलिस को आगजनी की सूचना देते हुए बताया मैं ट्रक का चालक हूं। ट्रक का मालिक टीपू भैय्या है, जो शहर तराना का रहने वाला है। दिनांक 5 मई 2024 को तेलंगाना के भैसा शहर से काटन फैक्ट्री से 150 नग रूई की गठानें भरकर 6 मई को सुबह 11 बजे मध्यप्रदेश के बुधनी के लिए निकला था। रास्ते में गाड़ी का ब्रेक फेल हो गया। गाड़ी का काम करवाकर खवासा से आगे गाड़ी रात में चल रही थी करीब 3 बजे रात में गाड़ी का तीसरी बार ब्रेक फेल हुआ गाड़ी कंडक्टर साइड डीवाईडर से टकराने से गाड़ी में शार्ट सर्किट से आग लग गई। ट्रक में रखी रुई की गठानें, मेरा मोबाइल सब ट्रक में जल गया है। कुरई थाना पुलिस ने आगजनी की चालक द्वारा दी गई सूचना पर जांच करने के उपरांत ट्रांसपोर्टर, माल मालिक एवं अन्य लोगो के बयान पर ट्रक चालक गोलू ,सहयोगी चैनसिंह, विजय परनाम, मनीष गुजर, प्रीतम प्रजापत आदि के खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र और अमानत में खयानत का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

नोटा को निर्णायक बनाने की जरूरत

रघु ठाकुर

पिछले लगभग एक दशक पूर्व देश में यह चर्चा शुरू हुई थी कि अगर दलों के प्रत्याशियों से मतदाता प्रसन्न नहीं हैं और उन्हें वह वोट नहीं देना चाहता तो इन मतदाताओं के लिये क्या विकल्प है और विशेषतरू तब, जब आम चर्चा होती है कि मतदान हमारा राष्ट्रीय दायित्व है जिसे हमें हर हालात में पूरा करना चाहिये। मतदाताओं के मतदान केंद्र तक जाने के लिये उन्हें प्रेरित करने के लिये, करोड़ों लाखों रुपया विज्ञापन में खर्च करता है। बड़े-बड़े नामधारी सेलिब्रिटी को पैसा देकर मतदान का प्रचार कराता है। जिला और राज्य स्तर पर भी प्रशासन जो निर्वाचन के काम को पूरा करने के लिए जिम्मेदार है, वह भी अपने-अपने राज्य या जिलों के स्तर पर मतदान को बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास करता है। जब कभी मतदान कम होता है तो देश की सरकार व राजनैतिक दलों तक, निर्वाचन आयोग से लेकर आम आदमी तक मत प्रतिशत कम होने से चिंतित हो जाता है।

इन चिंताओं पर देश में मीडिया जनता व शासन स्तर पर काफी चर्चा हुई और नोटा का एक विकल्प तैयार किया गया। नोटा याने कोई भी प्रत्याशी को पसंद न करने वाले मतदाताओं का खंड। नोटा के प्रति देश में कुछ चर्चा हुई, कुछ हलचल हुई, हालांकि इसका प्रयोग मतदाताओं ने अभी तक बड़े पैमाने पर नहीं किया है। चुनाव आयोग से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार 2014 के लोकसभा चुनाव में लगभग 60 लाख और 2019 के लोकसभा चुनाव में लगभग 65 लाख मतदाताओं ने नोटा के विकल्प का उपयोग समूचे देश में किया। और यह संख्या बमुश्किल 0.5 प्रतिशत के बराबर है याने कुल मतदाताओं के 1 प्रतिशत के बराबरी भी नहीं है। इस नोटा के प्रयोग में एक अच्छा खासा हिस्सा उन दलों के प्रभावी व्यक्तियों का होता है जो अपने दल से टिकिट न मिलने के कारण अपने दल के प्रत्याशी को योग्यता या विचार के कारण नहीं बल्कि व्यक्तिगत हानि व आक्रोश के आधार पर अपने विश्वस्त कार्यकर्ताओं को नोटा प्रयोग करने के लिये गुपचुप रूप से प्रेरित करते हैं। वे अपने दलों के नेतृत्व के सामने बोलने का साहस नहीं करते या वे जानते हैं कि दलीय नेतृत्व की जी हजूरी की जगह उन्हें नाराज करना उनके राजनैतिक भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगा सकता है। इसकी वजह है जहाँ एक तरफ दलों में आंतरिक लोकतंत्र समाप्त हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ ये जो सत्ता के सहारे बड़े नेता को सत्ता की वैशाखियों पर टिकते हैं, और उनका अपना कोई जनाधार नहीं होता। वे नोटा के रूप में कायर विरोध दर्ज कराते हैं। पर एक गुटीय समूह तो होता है जो मुख्यतरू जात, विरादरी, धर्म या उपद्धृत लोगों का छोटा सा हिस्सा होता है और इसलिये लिये वे न सच कह सकते हैं और न बगावत कर सकते हैं। इसलिये कायरों या चूहों के समान केवल खुशपुश होकर शांत हो जाते हैं।

एक ये भी वजह है कि अमूमन ये सत्ता में पहुंचने के बाद भ्रष्टाचार या अन्य विवादों में इतने लिप्त रहते हैं कि वे अपनी केंद्रीय सत्ता के सामने मुँह नहीं खोल सकते। अगर विरोधी सरकार कोई कार्यवाही करे तो कम से कम इतना तो बहाना रहता है कि राजनैतिक कारण या प्रतिशोध के कारण कार्यवाही की जा रही है। परंतु अगर अपने ही दल की केन्द्रीय सत्ता कार्यवाही करे, तो आम जनता में जाकर उसका विरोध करना या उसे लांछित करना संभव नहीं होता। इसके अनेकों उदाहरण भारतीय लोकतंत्र के 70 वर्षों में देखे जा सकते हैं और किस प्रकार केंद्र की सत्ताधारी दल के मुखियाओं या राज्य सरकार के मुखियाओं ने अपने ही दल के विरोधियों के मुख उन गोपनीय जांच फाइलों को दिखाकर बंद कर दिये, जिनमें उनके अपराध का खुला चिटठा था।

नोटा का विकल्प भी अधूरा विकल्प है, एक तो इसलिये कि नोटा केवल व्यक्तियों के प्रत्याशियों के आधार पर राय व्यक्त करने के लिये है। उसका अर्थ है श्नन ऑफ द ऐवव्य याने इनमें से कोई नहीं। मतलब प्रत्याशियों से असहमति व्यक्त होती है। परंतु इन दलों से असहमति की राय व्यक्त करने का कोई विकल्प नहीं है और इसकी अभी तक कोई चर्चा भी नहीं हुई। शायद मैं पहली बार इस मुद्दे को उठाना चाहता हूँ कि नोटा के भी दो विकल्प होना चाहिये-

1. प्रत्याशियों को लेकर
2. दलों को लेकर

प्रत्याशियों को लेकर कोई भी अनुकूल नहीं है यह व्यक्त करने के लिये कि नोटा हो पर कोई भी दल उपयुक्त नहीं है, यह भी बताने के लिये नोटा का दूसरा विकल्प तैयार किया जाये। याने ऑफ दीज पार्टीज जब नोटा को वोट देने वाला व्यक्ति इसलिये उस प्रत्याशी या अपने दल के प्रत्याशी के खिलाफ वोट देता है तो क्या वह राजनैतिक दल जिसने उसे टिकिट दिया है वह अपराधी नहीं है। वर्तमान नोटा की पद्धति से मात्र वैयक्तिक आक्रोश तो प्रकट होता है परंतु दलीय आक्रोश याने दल के विरुद्ध आक्रोश प्रकट करने का विकल्प नहीं मिलता।

दूसरा एक और महत्वपूर्ण पक्ष है कि अगर नोटा पर कितने ही वोट गिर जाएं तब भी जीते हुये प्रत्याशी के निर्वाचन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। याने अगर जीते हुए प्रत्याशी को एक विधानसभा में 50000 मत मिले व नोट पर 60000 निशान लगे तब भी 50000 वाला जीता माना जायेगा। इसलिये मतदाता सोचता है नोटा पर चिन्ह लगाने का औचित्य नहीं है और वह मतदान से भी निराश होकर दूरी बना लेता है। यही कारण है कि निर्वाचन आयोग के अनेकों प्रयोग करने के बाद भी मतदान का प्रतिशत क्रमशरू कम हो रहा है और मतदान बहुत सारे मतदाताओं को त्याज्य खाद्यान्न के समान हो जाता है। जब तक यह नियम नहीं बनेगा कि अगर कुल मतदाताओं का बड़ा हिस्सा जिसकी संख्या जीतने वाले से भी ज्यादा अगर होती है तो प्रत्याशियों में अधिक मत पाने वाले को विजयी न घोषित किया जाए और पुनरू चुनाव कराये जाये। तब तक नोटा का प्रयोग न व्यावहारिक है न तार्किक है और न प्रभावी है। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह ने नगर निगमों से लेकर ग्राम निर्वाचित ईकाई को लेकर एक अच्छा नियम बनाया था कि अगर किसी निर्वाचित अध्यक्ष या प्रतिनिधि के खिलाफ अविश्वास होता है, तो पहले खाली कुर्सी व भरी कुर्सी के बीच चुनाव कराया जायेगा और अगर खाली कुर्सी के पक्ष में अधिक मत आयेंगे तो निर्वाचित व्यक्ति के निर्वाचन को निरस्त मानकर दोबारा चुनाव होंगे। यह प्रयोग नोटा से बेहतर व लोकतांत्रिक प्रयोग था। हालांकि यह बात अलग है कि अन्य कारणों से श्री दिग्विजय सिंह जी की छवि ऐसी बन गई या बना दी गई कि उनके थोड़े बहुत अच्छे कामों में जिसमें एक यह था उसकी कोई चर्चा नहीं होती। हालांकि इसके लिये वे स्वतरू भी जिम्मेदार हैं।

अगर व्यक्तियों व दलों के लिये यह व्यवस्था शुरू हो सके तो भारतीय लोकतंत्र के लिये कुछ अच्छे निष्कर्ष निकल सकते हैं। दलीय तानाशाही पर भी कुछ अंकुश लग सकता है। दलों के लिये यह व्यवस्था या कानून भी बनाया जा सकता है कि जिन दलों को अस्वीकार करने वालों की संख्या देश के मतदान करने वाले कुल मतदाताओं की 25-30 प्रतिशत से ज्यादा हो उन दलों की मान्यता भी समाप्त हो।

मैं जानता हूं कि यह दोनों ही विकल्प यद्यपि आदर्श विकल्प हैं परंतु जो सत्ता या व्यवस्था अल्पमत में टिकी है या जो दलों के तानाशाही है वे इसे लागू नहीं करेंगे। यह तो उन्हें अपने आप में आत्मघाती होगा और अंततरू यह निर्णय भी जनता को ही करना होगा।

2024 के लोकसभा चुनाव में एक और मतत्वपूर्ण घटना घटी है वह यह कि मप्र के इंदौर लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टी व मप्र के दूसरे नंबर की पार्टी के कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी ने नाम वापिसी के दिन अपना नाम वापिस ले लिया और वह भाजपा के साथ चले गये। हालांकि ऐसी दुर्घटनाओं का शिकार कांग्रेस पार्टी पूर्व में भी होती रही है और ऐसी दुर्घटनाओं को कांग्रेस पार्टी खुद भी करती रही है या कहा जाए कि उनकी शुरुआत करती कांग्रेस ने ही की थी। जब 1987-88 में स्व. श्री अर्जुन सिंह पंजाब के राज्यपाल के काम को पूरा करने के बाद वापिस मप्र आये तो उन्होंने खरसिया विधानसभा जो वर्तमान में छग में है, से उपचुनाव लड़ने का निर्णय किया था। और उन्होंने आज की जनता पार्टी के घोषित और नामांकन करने वाले प्रत्याशी को अपने पक्ष में कर लिया।

राहुल रायबरेली के हुए ! सोनिया गांधी ने बेटा सौंप दिया !

श्रवण गर्ग

बीस मई को होने जा रहे पाँचवे चरण के मतदान के पहले एक छोटा सा सवाल मन में उठ रहा था ! सवाल थोड़ा इमोशनल क़िस्म का था ! सवाल यह था कि राहुल गांधी जब रायबरेली से भी चुनाव जीत जाएँगे ,सुदूर केरल में स्थित वायनाड के उन लाखों मलयाली मतदाताओं को किस तरह के ख़याल आएँगे जिन्होंने अमेठी के मतदाताओं द्वारा 2019 में नकार दिए गए कांग्रेस के युवा नेता को अपने दिलों में जगह दी थी ?

राहुल गांधी द्वारा तीन मई को रायबरेली में नामांकन पत्र दाखिल करने के साथ ही वायनाड दो धड़ों में विभाजित हो गया था कि राहुल को कौन सी सीट रखना और कौन सी छोड़ देना चाहिए ? कई लोगों का कहना था उन्हें वायनाड सीट रखना चाहिये जबकि काफ़ी नागरिक ऐसे भी थे जिन्हें रायबरेली को लेकर भी कोई एतराज़ नहीं था।ऐसी ही कोई बहस रायबरेली में भी चली होगी कि 1952 से 'गांधी परिवार' की आत्मा में बसी फ़िरोज़ गांधी, इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी की सीट को राहुल अपने नाम पर क़ायम रखेंगे कि नहीं हक़ीक़त में तो राहुल गांधी के लिए अब सिद्ध करने के लिए ऐसा कुछ बचा ही नहीं था कि 2019 के बाद 2024 में भी उन्हें दो सीटों से चुनाव लड़ना पड़े ! उनकी दो अद्भुत भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान देश की जनता ने सड़कों पर जो मोहब्बत बाँटी ,सुख-दुख की जो कहानियाँ उनके साथ साझा कीं उसके बाद तो कांग्रेस के इस नेता को कोई चुनावी करिश्मा दिखाने की ज़रूरत ही नहीं थी !

दोनों यात्राओं और उसके कारण क़ायम हुई विपक्षी एकता ने देश के समूचे राजनीतिक परिदृश्य को आने वाले कई सालों के लिए बदल कर रख दिया है। यात्राओं के दौरान सड़कों से प्राप्त अनुभवों के आधार पर तैयार

किए गए घोषणापत्र को विकास का नया संविधान माना गया है। भाजपा को सत्ता से बेदख़ल करने का काम भी अब उसी जनता ने अपने कंधों पर ले लिया है जिसने बिना किसी ख़ौफ़ के राहुल का साथ दिया।

राहुल गांधी ने एक काम ज़रूर ठीक किया कि अमेठी से लड़ना तय नहीं किया। राहुल के अमेठी से लड़ने की इतनी ज़्यादा चर्चा हो चुकी थी कि नब्बे के दशक से वहाँ काम कर रहे किशोरी लाल शर्मा को भी अब लगने लगा होगा कि वे भी राहुल गांधी ही हैं। कहा नहीं जा सकता कि स्मृति ईरानी असली राहुल के स्थान पर उनके चुनावी 'प्रतिरूप' से भी उतना ही ख़ौफ़ खा रही हैं या नहीं ! शायद इसीलिए प्रियंका गांधी ने अपनी पूरी ताक़त अमेठी में झोंककर चुनाव को प्रतिष्ठा के युद्ध में बदल दिया।

यह केवल ऊपरी बात है कि अमेठी में लड़ाई राजनीति और टेलीविज़न की नेत्री-अभिनेत्री और गांधी परिवार के एक सहयोगी-कार्यकर्ता के बीच है। हक़ीक़त में अमेठी में प्रधानमंत्री मोदी, यूपी की पूरी हुकूमत और भाजपा की प्रतिष्ठा दाव पर लगी हुई है। अमेठी के परिणामों की कहानियाँ दशकों तक गिनाई जाने वाली हैं। यह भी कहा जा सकता है कि 2019 की पराजय का बदला लेने के लिए राहुल के पास बस यही 'गांधी मार्ग' बचा था कि अपने स्थान पर किसी अज्ञात उम्मीदवार की उपस्थिति का एंटी-क्लायमेक्स पैदा कर दें। स्मृति ईरानी भी यही जानते हुए चुनाव लड़ रही होंगी कि राहुल गांधी उन्हें भाजपा की भीड़ से अलग हारता हुआ देखना चाहते हैं।

शुक्रवार (17 मई) को जब सोनिया गांधी उस रायबरेली की चुनावी सभा में भाषण दे रहीं थीं ,जिसका उन्होंने बीस वर्षों तक संसद में प्रतिनिधित्व किया, राहुल और प्रियंका उनके नज़दीक खड़े भावुक हो रहे थे। रायबरेली के जीवन का यह बहुत ही अद्भुत क्षण था। अब तक के चार चरणों में सोनिया गांधी का यह पहला चुनावी संबोधन था। सभा में व्यक्त किए गए सोनिया गांधी के शब्दों से इस सवाल का जवाब भी मिल गया कि संसद में राहुल किस चुनाव क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं- वायनाड या रायबरेली का ? सोनिया गांधी ने रायबरेली की जनता से कहा :' मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूँ। जैसा आपने मुझे माना वैसे ही राहुल को अपना मानकर रखना। वो आपको निराश नहीं करेगा।' मान लिया जाना चाहिए कि सोनिया गांधी का रायबरेली में कहा गया शब्द वायनाड के साथ-साथ दिल्ली के कानों तक भी पहुँच गया होगा।

http://shravangarg1717.blogspot.com

चुनाव के बाद

डॉ टी महादेव राव

दोपहर की नींद में थे घर के बुजुर्ग और घर की महिलाएं मानसिक रोग और नकारात्मक बुद्धि बढ़ाते टी वी सीरियलों में व्यस्त थे। सरकार को टैक्स देने और महंगाई की मार झेलने घर के मर्द काम धाम और रोजगार में लगे बाहर गए हुए थे। अचानक एक स्कूटी घर के सामने रुकी जैसे सन्नाटे के बाद शोर छा जाता है। उस पर से सफेद कपड़ों में नेता लगते पुरुष और परेशान सी स्त्री शायद उनकी धर्मपत्नी थी, उतरे। घर का दरवाजा खटखटाया जैसे लॉटरी बेचने वाला कहता है लक्ष्मी जी आपके द्वार खटखटाएगी। काफी देर बाद झुंझलाते हुई एक महिला ने दरवाजा खोला "सीरियल भी देखने नहीं देते। वहां सुधीर स्वाति से तलाक लेके सुनीता से शादी कर रहा है, इस टेंशन में दरवाजा खटखटाया।"रुक कर बोली "क्या बात है?" बड़ी बेपरवाही से पूछा उस महिला ने।

"आप हमें पहचानते होंगे। पंद्रह दिन पहले हम कार से आए थे। ये मेरे पति हैं जो चुनाव लड़ रहे थे। आपके घर में आठ वोट हैं और आपने प्रति वोट दो हजार के हिसाब से सोलह हजार लिए।""तो?""आपने इन्हें वोट नहीं दिया। इसलिए आप वह पैसा वापस करिए।" "हमारे घर में से सारे वोट हमने इन्हें ही दिए थे। आपसे किसने कहा हमने इन्हें वोट नहीं दिए? यह देखिए मेरे बाएं हाथ की तर्जनी पर काली स्याही का निशान!" इससे यह तो पता चलता है कि आपने मतदान किया। लेकिन इनको वोट किया कहां पता चलता है?""हमें बूथ में सेलफोन के जाने नहीं दिया, वरना हम आपको प्रूफ दिखाते। आपकी कसम हमने इन्हें ही वोट दिया है!""मैं पक्के तौर पर कह सकती हूं कि आपने मेरे पति को वोट नहीं दिया।" "ऐसे कैसे कह सकते हैं? हमने इन्हें ही वोट दिया है। बस।"झुंझलाती हुई पत्नी बोली "साफ बात है। इनकी जमानत जब्त हो गई। इन्हें केवल दो ही वोट मिले हैं। इनका और मेरा। मतलब आप में से किसी ने इन्हें वोट नहीं दिया। हैं न? पैसे वापस कीजिए।"

महिला का दिमाग सन्नाया। अभी सोलह हजार कहां से लाए? सारे तो खर्च कर दिए। जो होगा देखा जाएगा सोचा उसने। हिम्मत से उसने पूछा। "आप कौन हैं। मैने तो कभी आपको नहीं देखा।"और धड़ाम से दरवाजा बंद कर दिया।"अपना मुंह लेकर नेता जी और उनकी पत्नी फिर स्कूटी पर सवार हो मुंह लटका के चल दिए। मतदाता भी अब चालाक हो गए हैं। दोनों के मुंह से एकसाथ निकले ये शब्द। वहां टीवी सीरियल में सुधीर अपनी तीसरी पत्नी से भी तलाक लेकर चौथी शादी के लिए आतुर तलाकशुदा सुनीता के घर जा रहा था।

डिब्बे से स्मार्ट तक

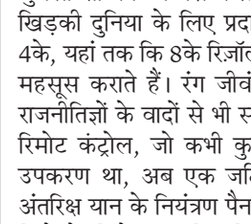

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आह, टेलीविज़न का सुनहरा युग। ज़रा सोचिए: एक परिवार एक बड़े बॉक्स के चारों ओर जमा है, उसका लकड़ी का फ्रेम लिविंग रूम में एक स्टेटमेंट पीस है। पुराना टीवी, जिसे प्यार से डिब्बे वाला टीवा, अरे वही सीआरटी (कैथोड रे ट्यूब) कहा जाता था, अपने समय का एक चमत्कार था। आज के समय में, हमारे पास पतले, कागज की तरह हल्के एलईडी टीवी हैं, जो दीवारों पर डिजिटल मास्टरपीस की तरह सजे हुए हैं। टेलीविज़न प्रौद्योगिकी का विकास केवल नवाचार की कहानी नहीं है, बल्कि यह धुंधली छवियों से लेकर उच्च-परिभाषा स्पष्टता तक की एक हास्यप्रद यात्रा है। वो दिन याद हैं जब टीवी केवल एक स्क्रीन नहीं था? यह फर्नीचर का एक टुकड़ा था, अक्सर इसके लिए एक विशेष स्टैंड की आवश्यकता होती थी या, अत्यधिक मामलों में, एक समर्पित कमरा। सीआरटी टीवी एक दैत्य था, जिसका वजन एक छोटी कार बैटरी जितना था और आपके रहने की जगह का एक चौथाई हिस्सा लेता था। इसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाना एक विशाल कार्य था, जिसमें कम से कम तीन लोगों और बहुत सारी कोशिशों की आवश्यकता होती थी।

सीआरटी की चित्र गुणवत्ता कुछ अद्भुत थी—अगर आप इसे स्थैतिक और बर्फ के बीच देख पाते। एंटेना को समायोजित (वही छत पर जाकर लंगूरों की तरह इधर-उधर) करना अपने आप में एक कला थी। एक गलत कदम और आपका पसंदीदा शो काले और सफेद बिंदुओं की बौछार में बदल सकता था। और उन नॉब कंट्रोल्स को भूलना नहीं चाहिए। हां, नॉब्स। चैनल बदलना एक कसरत था, जिसमें एक मजबूत मोड़ और सीमित चयन के माध्यम से धैर्यपूर्वक चक्रण करना शामिल था। आधुनिक युग में एलईडी टीवी के साथ प्रवेश करें। ये पतले, हल्के उपकरण इलेक्ट्रॉनिक्स सेट करने की बजाय एक पेंटिंग को लटकाने के समान हैं। भयानक कैबिनेट के दिन अब समाप्त हो गए हैं; अब, आपका टेलीविज़न एक फुसफुसाहट-पतला पैनल है जिसे आप आसानी से दीवार पर लगा सकते हैं। उठाने और स्थानांतरित करने की जद्दोजहद अब अतीत की बात हो गई है—अब आपकी सबसे बड़ी चुनौती सही कोण ढूंढना है ताकि चकाचौंध को कम किया जा सके।

चित्र गुणवत्ता में क्रांति आई है। जहां सीआरटी वास्तविकता का एक धुंधला सन्निकटन पेश करते थे, वहीं एलईडी एक क्रिस्टल-क्लियर खिड़की दुनिया के लिए प्रदान करते हैं। हाई डेफिनिशन (एचडी), 4के, यहां तक कि 8के रिज़ॉल्यूशन आपको स्क्रीन में प्रवेश करने जैसा महसूस कराते हैं। रंग जीवंत हैं, काले गहरे हैं, और रिफ्रेश रेट्स राजनीतिज्ञों के वादों से भी स्मूथ हैं।

रिमोट कंट्रोल, जो कभी कुछ बुनियादी बटनों वाला एक साधारण उपकरण था, अब एक जटिल डिवाइस में बदल गया है जो एक अंतरिक्ष यान के नियंत्रण पैनल को भी मात दे सकता है। सीआरटी के दिनों में, रिमोट एक विलासिता थी। अक्सर, सबसे छोटा परिवार का सदस्य रिमोट होता था, चैनल बदलने या वॉल्यूम समायोजित करने के लिए दौड़ता-भागता था।

आज के रिमोट तकनीकी चमत्कार हैं। इनमें कई बटन होते हैं, जिनमें से कुछ का आप कभी उपयोग नहीं करेंगे या समझेंगे नहीं। ये न केवल टीवी को नियंत्रित करते हैं, बल्कि आपके पूरे मनोरंजन पारिस्थितिकी तंत्र को भी—साउंडबार, गेमिंग कंसोल, स्ट्रीमिंग डिवाइस, और यहां तक कि स्मार्ट होम फीचर्स। वॉयस कंट्रोल एक मानक बन गया है, जिससे आप अपने सोफे की आरामदायक स्थिति से अपने आदेश चिल्ला सकते हैं।

अतीत में, टीवी देखना एक घटना थी। आप अपने जीवन को अपने पसंदीदा शो के इर्द-गिर्द शेड्यूल करते थे। एक एपिसोड मिस करना मतलब था कि आपको री-रन का इंतजार करना पड़ेगा, जो हफ्तों या महीनों तक भी हो सकता था। परिवार विशेष समय पर इकट्ठा होते थे, ग्लोइंग स्क्रीन के आसपास एक सामुदायिक अनुभव बनाते थे। शनिवार सुबह के कार्टून, रविवार रात की फिल्में, और प्राइम-टाइम ड्रामे पवित्र समय थे। आज, टेलीविज़न एक व्यक्तिगत अनुभव में बदल गया है। नेटफ्लिक्स, हुलु, और डिज़नी+ जैसी स्ट्रीमिंग सेवाओं के साथ, आप अब प्रसारण शेड्यूल के गुलाम नहीं हैं। बिंज-वॉचिंग एक सांस्कृतिक घटना बन गई है, जहां पूरे सीजन एक ही बैठक में देखे जाते हैं। सामुदायिक पहलू ऑनलाइन फोरम और सोशल मीडिया पर शिफ्ट हो गया है, जहां चर्चाएँ और स्पॉइलर धड़ल्ले से चलते हैं। पुराने टीवी को मैनुअल ट्यूनिंग और अच्छे चित्र के लिए एंटेना के साथ कुछ फुर्ती की जरूरत होती थी। आज के एलईडी टीवी पहले से कहीं ज्यादा स्मार्ट हैं, अक्सर बिल्ट-इन वाई-फाई और आपके सभी स्ट्रीमिंग जरूरतों के लिए ऐप्स के साथ आते हैं।

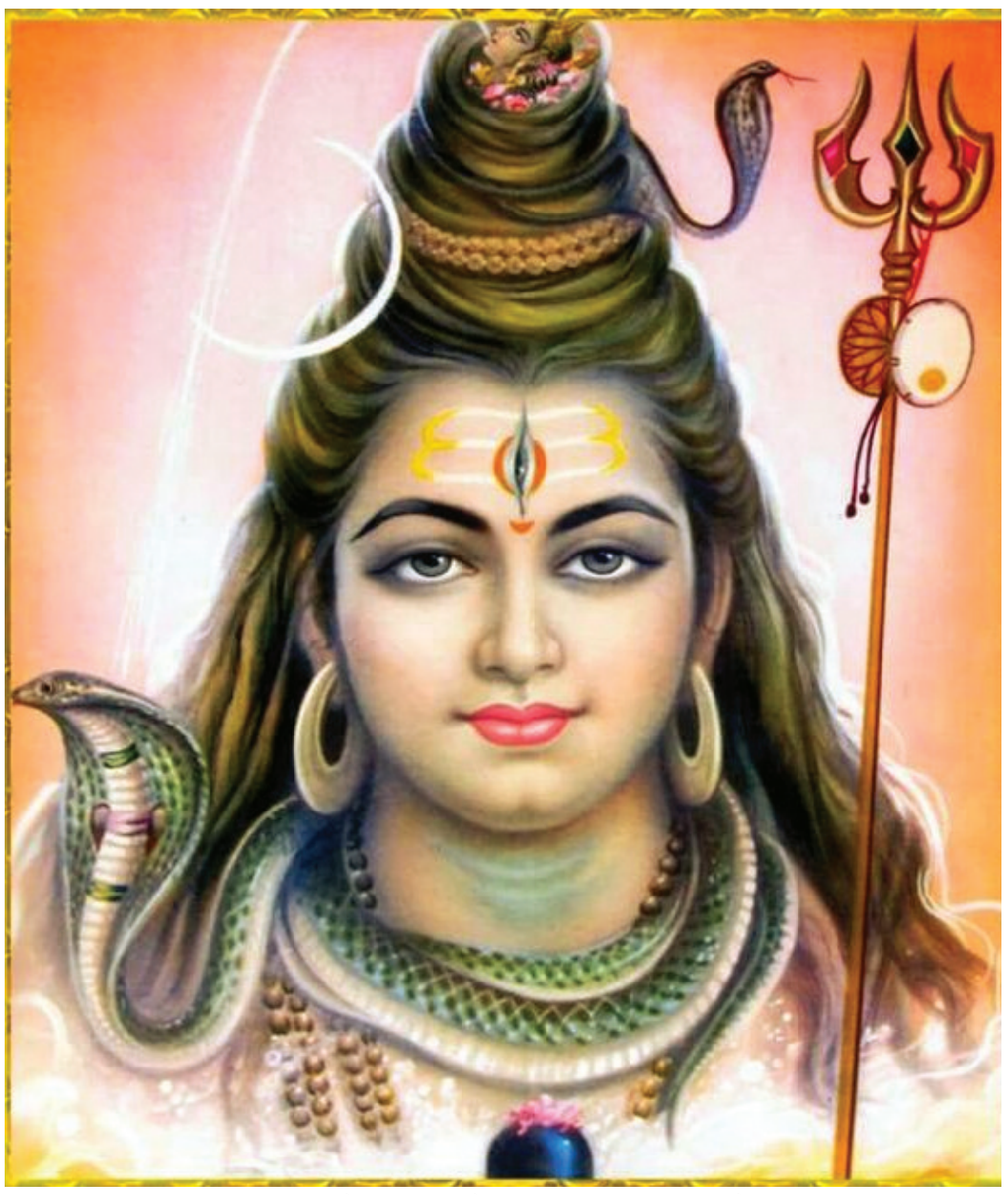

शिव मंदिर जाएं तो जरूर करें ये 1 काम

भोलेनाथ होंगे प्रसन्न होगी हर इच्छा पूरी

भगवान शिव को देवों का देव कहा गया है, जो अनादि और सृष्टि की प्रक्रिया आदि के स्तोत्र भी हैं। शास्त्रों के अनुसार, भगवान शिव की विधिवत पूजा करने से वह अति प्रसन्न होते हैं और जीवन में खुशहाली ही खुशहाली लाते हैं। वहीं अगर आप शिव मंदिर जा रहे हैं, तो बस एक लोटा जल चढ़ाने से भी वह प्रसन्न हो जाते हैं। महादेव को प्रसन्न करना के लिए कुछ ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं होती है। अगर आप भी शिव मंदिर जाते हैं, तो शिव जी को जल चढ़ाने के साथ बेलपत्र चढ़ाने के साथ-साथ तीन बार ताली अवश्य बजाएं। शिव पुराण के अनुसार, अगर आप भोलेनाथ के मंदिर जा रहे हैं और जल या फिर बेलपत्र भी नहीं चढ़ा पा रहे हैं, तो बस तीन बार ताली बजा दें। इन 3 ताली में इतनी शक्ति होती है कि व्यक्ति को हर रोग, दोष और भय से मुक्ति मिल जाती है। आइए जानते हैं क्यों बजाते हैं तीन ताली और इसका क्या है तरीका...

शिव मंदिर में तीन ताली बजाने का कारण

शास्त्रों में शिव मंदिर में तीन ताली बजाने के पीछे कई कारण है, जो श्री राम,श्री कृष्ण और रावण से संबंधित है।

शास्त्रों के अनुसार, रावण को संसार का सबसे बड़ा पंडित और विद्वान माना जाता था और वह भगवान शिव का परम भक्त था। एक बार रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के कई प्रयत्न किए। लेकिन वह उनके सामने प्रकट नहीं हुए, तो रावण ने अपना सिर काटकर शिव के सामने रख दिया और तीन बार ताली बजाई और अपना दुख, विचार प्रभु को सुनाया।

दूसरी कथा श्री कृष्ण से संबंधित है। भगवान कृष्ण की कई पटरानियां थी। लेकिन किसी से भी संतान उन्हें नहीं प्राप्त हो रही थी। ऐसे में उन्होंने भगवान शिव की विधिवत पूजा करने के साथ तीन बार ताली बजाकर उनकी आराधना की। इससे उनकी संतान प्राप्ति की इच्छा पूरी हो गई।

तीसरी कथा के अनुसार, जब प्रभु श्री राम माता सीता को लाने के लिए लंका जाने वाले थे, तो जाने से पहले उन्होंने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित करके विधिवत पूजा की। इसके साथ ही उन्होंने तीन बार ताली बजाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अपनी कामना कही।

तीन ताली बजाने का अर्थ

शिव मंदिर में ही जाकर तीन थाली बजाने का प्रावधान शास्त्रों में मिलता है। हर एक ताली का अपना-अपना अर्थ है।

क्या है ताली बजाने की सही विधि?

भगवान शिव के मंदिर जाकर किसी भी समय जाकर ताली नहीं बजा देना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि वह उस समय विश्राम या फिर ध्यान में हो। इसलिए हमेशा सुबह और संध्या के समय ही तीन बार ताली बजाना चाहिए। सबसे पहले एक थाली बजाएं और भोलेनाथ का ध्यान करें। इसके बाद दूसरी ताली बजाकर अपनी कामना कह दें। इसके बाद तीसरी ताली बजाकर बाबा से अपनी कृपा बनाए रखने के लिए कहें।

इस शुभ मुहूर्त पर करें सोम प्रदोष की पूजा

प्रदोष व्रत भगवान शंकर की पूजा के लिए समर्पित है। हर माह दो प्रदोष आते हैं। इस बार यह व्रत 20 मई दिन सोमवार को रखा जाएगा। सोमवार को पड़ने की वजह से इसे सोम प्रदोष के नाम से जाना जाता है। वहीं जो लोग प्रदोष व्रत का पालन कर रहे हैं उन्हें पूजा मुहूर्त के अनुसार ही पूजा करनी चाहिए।

इस दिन भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा होती है। इस बार यह व्रत 20 मई को रखा जाएगा।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का खास महत्व है। इस दिन भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा होती है। इस शुभ दिन पर लोग व्रत रखते हैं और अपने परिवार की उन्नति के लिए विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो लोग इस दिन का उपवास रखते उन्हें जीवन के सभी दुखों से छुटकारा मिलता है। इस बार यह व्रत 20 मई, 2024 दिन सोमवार को रखा जाएगा। सोमवार को पड़ने की वजह से इसे सोम प्रदोष के नाम से जाना जाता है। वहीं, जो लोग इस दिन का उपवास कर रहे हैं, उन्हें पूजा के लिए शुभ मुहूर्त का खास ख्याल रखना चाहिए, तो आइए जानते हैं -

सोम प्रदोष व्रत 2024 तिथि और समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 20 मई, 2024 दिन सोमवार दोपहर 03 बजकर 58 पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि की समाप्ति अगले दिन यानी 21 मई दिन मंगलवार शाम 05 बजकर 39 मिनट पर होगी। त्रयोदशी तिथि में प्रदोष काल 20 मई को पड़ रहा है, जिसके चलते साल का पहला सोम प्रदोष व्रत 20 मई को रखा जाएगा।

सोम प्रदोष पूजा समय

प्रदोष व्रत की पूजा शाम के समय ज्यादा फलदायी होती है। ऐसे में शाम 6 बजकर 30 मिनट से 8 बजकर 30 मिनट तक आप पूजा कर सकते हैं। इसके अलावा दोपहर की पूजा 12 बजे से 3 बजे तक की जा सकती है। हालांकि प्रदोष काल को भोलेनाथ की पूजा के लिए सबसे उत्तम समय माना गया है। ऐसे में इसी समय पूजा करने की कोशिश करें।

अपने भक्त की पुकार पर खंभे से निकले भगवान नृसिंह

हिरण्याक्ष के वध से उसका भाई हिरण्यकशिपु बहुत दुखी हुआ और वह भगवान का घोर विरोधी बन गया। उसने अजेय बनने की भावना से कठोर तप किया। उसे देवता, मनुष्य या पशु आदि से न मरने का वरदान मिला। वरदान पाकर वह अजेय हो गया। हिरण्यकशिपु का शासन इतना कठोर था कि देव-दानव सभी उसके चरणों की वंदना करते रहते थे। भगवान की पूजा करने वालों को वह कठोर दंड देता था। उसके शासन से सब लोक और लोकपाल घबराए। जब उन्हें और कोई सहारा न मिला तब वे भगवान की प्रार्थना करने लगे। देवताओं की स्तुति से प्रसन्न होकर नारायण ने हिरण्यकशिपु के वध का आश्वासन दिया।

दैत्यराज का अत्याचार दिनों-दिन बढ़ता ही गया। यहां तक कि वह अपने ही पुत्र प्रह्लाद को भगवान का नाम लेने के कारण तरह-तरह का कष्ट देने लगा। प्रह्लाद बचपन से ही खेल-कूद छोड़कर भगवान के

ध्यान में तन्मय हो जाया करते थे। वह भगवान के परम प्रेमी भक्त थे। यही नहीं, वह तो समय-समय पर असुर बालकों को भी धर्म परायण होने का उपदेश देते रहते थे।

असुर बालकों को उपदेश देने की बात सुनकर हिरण्यकशिपु बहुत क्रोधित हुआ। उसने प्रह्लाद जी को दरबार में बुलाया। प्रह्लाद जी बड़ी नम्रता से हाथ जोड़कर चुपचाप दैत्यराज के सामने खड़े हो गए। उन्हें देखकर दैत्यराज ने डांटते हुए कहा, ''मूर्ख ! तू बड़ा उद्दंड हो गया है। तूने किसके बल-बूते पर निडर की तरह मेरी आज्ञा के विरुद्ध काम किया है ?''

इस पर प्रह्लाद ने उत्तर दिया, ''पिता जी ! ब्रह्मा से लेकर तिनके तक जब छोटे-बड़े, चर-अचर जीवों को भगवान ने ही अपने वश में कर रखा है। वही परमेश्वर अपनी शक्तियों के द्वारा इस विश्व की रचना, रक्षा और संहार करते हैं। आप अपना यह असुर भाव छोड़ दीजिए। अपने मन को सबके प्रति उदार बनाइए।''

प्रह्लाद की बात सुन कर हिरण्यकशिपु का शरीर क्रोध के मारे थर-थर कांपने लगा। उसने प्रह्लाद से कहा, ''रे मंदबुद्धि ! तेरे बहकने की अब हद हो गई है। यदि तेरा भगवान हर जगह है तो बता इस खम्भे में क्यों नहीं दिखता?''

यह कह कर क्रोध से तमतमाया हुआ वह स्वयं तलवार लेकर सिंहासन से कूद पड़ा। उसने बड़े जोर से खम्भे को एक घूंसा मारा। उसी समय उस खम्भे के भीतर से नृसिंह भगवान प्रकट हुए। उनका आधा शरीर सिंह का और आधा मनुष्य के रूप में था। क्षण मात्र में ही लीलाधारी नृसिंह भगवान ने हिरण्यकशिपु की जीवन लीला समाप्त कर दी। अपने प्रिय भक्त प्रह्लाद की रक्षा की।

शहीद महावीर सिंह को कालापानी की सजा भी डरा न सकी

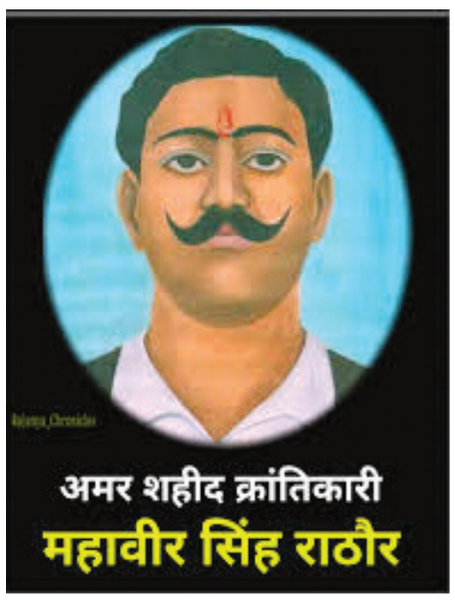

महावीर सिंह का जन्म 16 सितम्बर, 1904 को उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले (तत्कालीन एटा जिले की तहसील) के शाहपुर टाहला नामक गांव में पिता देवी सिंह के घर हुआ था। वह बाल्यकाल से ही क्रांतिकारी विचारों के थे।

1922 में एक दिन सरकारी अधिकारियों ने अंग्रेजभक्ति प्रदर्शित करने के उद्देश्य से कासगंज में अमन सभा का आयोजन किया जिसमें जिलाधीश, पुलिस कप्तान, स्कूलों के इंस्पैक्टर, आस-पड़ोस के अमीर-उमरा आदि जमा हुए, छोटे-छोटे बच्चों को भी जबरदस्ती ले जाकर सभा में बिठाया गया जिनमें एक महावीर भी थे। लोग बारी-बारी उठकर अंग्रेजी हुकूमत की तारीफ में भाषण दे ही रहे थे कि तभी किसी ने जोर से नारा लगाया- महात्मा गांधी की जय। बाकी लड़कों ने भी ऊंचे कंठ से इसका समर्थन किया और पूरा वातावरण इस नारे से गूंज उठा। देखते-देखते सभा गांधी की जय-जयकार के नारों से गूंज उठी। इससे सभी अधिकारी तिलमिला उठे। महावीर को विद्रोही बालकों का नेता घोषित कर सजा दी गई पर इससे उनके मन में धधकी आजादी की ज्वाला और तेज होने लगी।

चन्द्रशेखर आजाद तथा भगत सिंह से संपर्क

उच्च शिक्षा के लिए महावीर सिंह ने 1925 में डी.ए.वी. कालेज कानपुर में प्रवेश लिया। तभी चन्द्रशेखर आजाद के संपर्क से हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोशिएसन के सक्रिय सदस्य बन गए। यहीं पर वह भगत सिंह के प्रिय साथी बन गए। 1929 में दिल्ली की असैम्बली में बम फैंका गया और अंग्रेज अफसर सांडर्स की हत्या की गई। इन मामलों में भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव, बटुकेश्वर दत्त सहित उन्हें गिरफ्तार किया गया। मुकद्दमे की सुनवाई लाहौर में हुई और महावीर सिंह को आजीवन कारावास का दंड सुनाया गया। कुछ समय लाहौर, फिर मैसूर और मद्रास जेल में रखने के बाद जनवरी 1933 में महावीर सिंह को 'सजा-ए-कालापानी' के तहत अंडमान की सैल्यूलर जेल भेज दिया गया जो घोर यातनाओं की प्रतीक थी। 12 मई, 1933 को मोहित मोइत्रा तथा मोहन किशोर नामदास के नेतृत्व में कैदियों के साथ गलत व्यवहार के विरोध में कई कैदी अनशन पर बैठ गए।अनशन के छठे दिन से जेल अधिकारियों ने कैदियों को जबरदस्ती खाना खिलाना शुरू कर दिया। आधे घंटे की मशक्कत के बाद 10-12 लोग मिलकर महावीर सिंह को जमीन पर गिराने में सफल रहे, जिसके बाद डॉक्टर ने एक घुटना उनकी छाती पर रखा और नाक के अंदर ट्यूब डाल दी। उन्होंने यह भी नहीं देखा कि ट्यूब पेट की बजाय महावीर सिंह के फेफड़ों में चली गई है। एक लीटर दूध उनके फेफड़ों में चला गया जिसके कारण 17 मई, 1933 को भारत के सपूत महावीर सिंह महान उद्देश्य के लिए शहीद हो गए। क्रूर अंग्रेजों ने उनका शव पत्थरों से बांधकर समुद्र में प्रवाहित कर दिया। भूख हड़ताल के दौरान मोहित मोइत्रा और मोहन किशोर नामदास की भी मौत हो गई।

बलिदानी महावीर सिंह की शहादत की स्मृति में उनके गांव शाहपुर टहला और सैल्यूलर जेल में भी उनकी प्रतिमा स्थापित है।

ओजस्वी तेजस्वी वर्चस्वी आचार्य महाश्रमण

मुनि चैतन्यकुमार 'अमन'

भगवान महावीर की आर्षवाणी 'इंगियागार सम्पन्ने' के जीवन्त रूप आचार्य महाश्रमण, जिन्होंने गुरू द्वय (गणाधिपति पूज्य गुरुदेव श्री तुलसी एवं आचार्य श्री महाप्रज्ञ) के प्रत्येक इंगित और आकार को जीवन का ध्येय बनाया और बिना किसी ननुनच के सर्वात्मना समर्पित हो गए और अपने आराध्य के प्रति समर्पण ने ही उनको गुरुता के सर्वोच्च शिखर पर आरोहित कर दिया। वैसे तो तेरापंथ धर्मसंघ में दीक्षित होने वाले प्रत्येक साधु-साध्वी, समण-समणी को दीक्षित होने के साथ गुरु के प्रति समर्पण की भावना संघ व संघपति के प्रति अटूट रहती है किन्तु आचार्य श्री महाश्रमण का समर्पण भाव सकल संघ में एक अद्भूत मिशाल है। तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य श्री भिक्षु के प्रति भारमलजी स्वामी, जयाचार्य के प्रति मघवागणी तथा आचार्य तुलसी के आचार्य महाप्रज्ञ का जो समर्पण भाव रहा है, उससे भी अधिक आचार्य श्री महाप्रज्ञ के प्रति आचार्य महाश्रमण जी का कहा जाय तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। अपने गुरु के इंगित व आकार से किंचित मात्र भी इधर-उधर होना इनके चिन्तन से भी परे की बात रही है। गुरुदेव श्री तुलसी व आचार्य श्री महाप्रज्ञ दोनों ही समर्थ व पारखी गुरु थे। दोनों ने ही इनमें छिपी आंतरिक प्रतिभा को भली-भांति पहचाना और उसे तराश कर संघ के भाल पर नया तिलक कर संघ को निश्चित बना दिया। आज तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम आचार्य के रूप में संघ को विकास के उच्च शिखर पर आरोहित करने के लिए तत्पर है। आचार्य प्रवर का दीक्षा दिवस बैसाख शुक्ला चतुर्दशी के दिन से पूरे वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में मनाने का निर्णय समस्त तेरापंथ समाज के लिए गौरव और हर्ष का द्योतक है। आचार्य श्री नहीं चाहते कि मेरे दीक्षा का यह पचासवां वर्ष केवल प्रशस्ति प्रधान बन करके ही रह जाए बल्कि संघ व सकल समाज के लिए उपलब्धि भरा हो अर्थात साधु-साध्वी, समण समणी तथा सकल समाज को कुछ प्राप्त हो अतः इस वर्ष में विशेष रूप से पंचाचार यानि ज्ञानाचार, दर्शनाचार, चारित्राचार, तपाचार एवं वीर्याचार की विशेष आराधना-साधना हो ताकि सम्पूर्ण संघ में तेजस्विता आए। आचार्य महाश्रमण का व्यक्तित्व और कर्तृत्व समूचे संघ के लिए अनबोला संदेश है। सहिष्णुता का महान सूत्र 'देहे दुक्खंमहाफलं' को जीवन का प्राण तत्व बनाया है। जिससे प्रत्येक स्थिति को बड़े ही सहजता के साथ सह लेते है। आपश्री की कष्ट सहिष्णुता को देखकर ऐसा लगता है कि इससे आपको कोई विशेष प्राप्ति हो रही है। किन्तु यह भी सत्य है कि सहिष्णुता के अभाव में कोई भी व्यक्ति महानता की कोटी में शुमार भी नहीं हो सकता, न ही वह जीवन में विकास कर सकता है क्योंकि आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने सफलता की जो पांच ऋचाएं दी है उनमें सर्वप्रथम 'सहन करो-सफल बनो' का ही स्वर्णिम सूत्र दिया। परिवार, समाज, राष्ट्र या धर्मसंघों में दरार पैदा होने का मूल कारण है सहनशीलता का अभाव। वर्तमान में कोई किसी को कुछ भी कहना नहीं चाहता और कोई किसी की सुनना नहीं चाहता। तेरापंथ धर्मसंघ में कहना सुनना और सहन करना ही संघ विकास मूल सूत्र रहा है। तेरापंथ के आचार्यों को भी बहुत कुछ सहन करना पड़ता है। हमने देखा अनुभव किया कि आचार्य श्री तुलसी, आचार्य श्री महाप्रज्ञ और वर्तमान अनुशास्ता, आचार्य महाश्रमण सभी ने

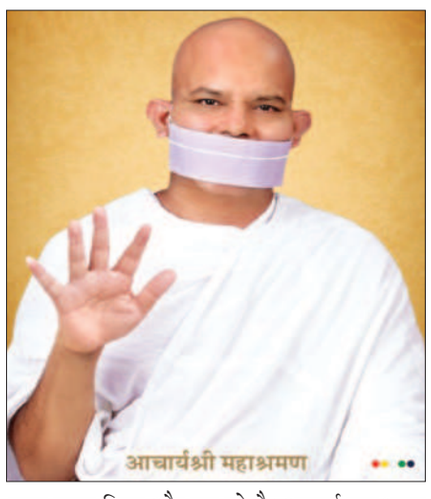

बहुत सहन किया और कर रहे है। आचार्य महाश्रमण का चिन्तन है कि हमारा धर्मसंघ सहनशील, श्रमशील, संयम व सेवा के क्षेत्र में सदा ही प्रवर्धमान बना रहें। संघ के सदस्यों का स्वभाव ऋजुप्राज्ञ हो। इन गुणों का जितना अधिक विकास होगा संघ उतना ही निखार पाकर सबके लिए आदरास्पद बनेगा।

आचार्य श्री महाश्रमण की अप्रमत्तता, जागरूकता भी विलक्षण है। अपने क्षण-क्षण को सार्थकता प्रदान करना ही जिनका मूल लक्ष्य है। इसीलिए वे स्वाध्याय को प्रमुखता देते है। संघीय कार्यों को संपादित करते हुए भी स्वाध्याय अवश्य करवाते है। इसमें भी आगम स्वाध्याय को सर्वोपरि महत्व देते है। समता ,शांति के उपासक आचार्य महाश्रमण का प्रवचन श्रोताओं को अमृत ही घूंटे पिलाने वाला होता है। निश्छलता से उपजी इनकी मधुर वाणी हर व्यक्ति को प्रसन्नता से सराबोर कर देती है। वस्तुतः आचार्य श्री महाश्रमण का आन्तरिक व्यक्तित्व जितना पावन पवित्र है उतना ही आभामंडल और बाह्य परिवेश प्रभावोत्पादक है। ऐसा लगता है आचार्य महाश्रमण में सभी आचार्यों के गुण संक्रांत हो गए है। कहा जा सकता है आचार्य श्री महाश्रमण में आचार्य श्री भिक्षु की सी निर्मल साधना, श्री भारीमलजी सी समर्पण भावना, श्री रायऋषि सी निर्भीकता, श्री जयाचार्य जैसी पराक्रमशीलता, श्री मघवा की सी कोमलता, श्री माणकगणी जैसी सरलता, श्री डालगणी जैसी अनुशासनशीलता, श्री कालूगणी जैसी वत्सलता, श्री तुलसी जैसा फौलादी संकल्प एवं दृढ़ मनोबल तथा आचार्य श्री महाप्रज्ञ जैसी करूणाशीलता के साक्षात दर्शन कर सकते है। ऐसे धीर-वीर गंभीर,ओजस्वी, वर्चस्वी, यशस्वी, धर्मनेता ,धर्माचार्य को पाकर समूचा धर्मसंघ निश्चिन्त है, गौरवान्वित है। और आशान्वित है आप श्री की शीतल नजर पाने को।

पूज्यप्रवर की दीक्षा अर्द्धसदी के मंगल समापन पर हम मंगलकामना और शुभ भावना करते है कि संघ के प्रत्येक सदस्य को आराध्य की पावनतम छत्र छाया में सदैव साधना का मार्ग प्रशस्त होता रहे। पूज्य श्री का तनु रत्न निरोग-निरामय रहे। जिससे आपके दीर्घायु, चिरायु जीवन से मानव जाति का कल्याण होता रहेगा। तेरापंथ जो तुलसी महाप्रज्ञ युग में जैन धर्म का पर्याय बना है वह ओर अधिक द्रुतगति से देश प्रदेश व विदेशों में जन मानस में अध्यात्म के अंकुर प्रस्फुटित करता रहे। आपके इस 51 वें दीक्षा दिवस पर समूचा धर्मसंघ आहलादित है। युगों-युगों तक यह पावनतम शासन और साधना के युगपत योग से समूची मानव जाति के कल्याणार्थ अहर्निश लगी रहे। तथा जन-मानस को सद्ज्ञान-दर्शन चारित्र की पवित्र धारा में निष्णात करती रहे।

राजकुमार से फिल्म छीन कर स्टारकिड को दी गई थी

एक्टर बोले- लोग कहते थे कि इंडस्ट्री के पार्टियों में नहीं जाने की वजह से ऐसा हुआ

राजकुमार राव ने खुलासा किया है कि वो एक फिल्म का हिस्सा बनने वाले थे। सारी चीजें तय हो गई थीं, लेकिन बाद में उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया। उनकी जगह एक स्टारकिड को यह फिल्म दे दी गई। हालांकि, वो फिल्म कभी रिलीज भी नहीं हो पाई थी। राजकुमार राव इन दिनों फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' से चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर भी हैं। दोनों की साथ में यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को 2021 की फिल्म रूही में देखा गया।

'मैं रातों-रात फिल्म से निकाल दिया गया'

हाल में राजकुमार राव ने फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के प्रोड्यूसर करण जौहर से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी एक्टिंग जर्नी के बारे में कई खुलासे किए। उन्होंने कहा, 'आउडसाइडर होने का खामियाजा मुझे भी भुगतना पड़ा है। मुझे एक फिल्म मिली थी। लेकिन फिर अचानक मैं रातों-रात उस फिल्म से निकाल दिया गया। बाद में मेरा वो रोल एक स्टारकिड को मिला। मैं कुछ कर तो नहीं पाया लेकिन मन में सोच रहा था कि ये बहुत गलत हुआ है। हालांकि वो फिल्म कभी बन भी नहीं पाई।'

'लोग कहते थे पार्टी में नहीं जाते इसलिए रोल नहीं मिला'

एक्टर ने आगे बताया, 'इस पर लोगों का कहना था कि मैं इंडस्ट्री की पार्टियों में नहीं गया, इसलिए रोल नहीं मिला। मुझे नहीं पता था कि किस पार्टी में फिल्मों के लिए लेन-देन होती थी। जब मैं मुंबई आया था तो मुझसे कहा गया था कि मुझे पार्टियों में जाना चाहिए।'

इससे पहले भी राजकुमार राव ने इस किस्से का जिक्र रणवीर अल्लहबदिया के साथ इंटरव्यू में किया था। जब शो के होस्ट ने पूछा था कि क्या वे नेपोटिज्म की वजह से फिल्म से निकाले गए थे, तब राजकुमार ने इस पर हामी भरी थी। उन्होंने इस बात का जिक्र किया था कि यह कर्मा का ही फल था कि वो फिल्म कभी नहीं बन पाई।

'सच में संतूर वाली मम्मी...' 43 साल की श्वेता तिवारी को देख उड़े होश, अब वेकेशन की नई फोटोज में काटा गदर

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी 43 साल की हैं, लेकिन उन्हें देखकर आप यही कहेंगे कि 'एज इज जस्ट ए नंबर'!! जी हां। एकता कपूर के टीवी सीरियल 'कसौटी जिंदगी की...' में प्रेरणा का दमदार किरदार निभाकर चर्चा में रहने वाली श्वेता अभी भी उतनी ही हसीन और जवां दिखती हैं, जैसे 2000 के दौर में हुआ करती थीं। उनकी वेकेशन की फोटोज सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। फैंस बेटे के साथ उनके नए पोस्ट को देखकर उन्हें 'रियल वाली संतूर मम्मी' कह रहे हैं।

श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम पर वेकेशन की नई फोटोज शेयर की हैं। उन्होंने लोकेशन का तो जिक्र नहीं किया है, लेकिन बैकग्राउंड देखकर लगता है कि बच्चों के खेलने की कोई जगह है। श्वेता अपने बेटे रेयांश कोहली संग क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। थाईलैंड के खूबसूरत नजारों से ज्यादा हसीन श्वेता तिवारी, वेकेशन फोटोज देख फैंस बोले- कौन सी चक्की का आटा खाते हो!

बेटे संग क्वालिटी टाइम बिताती हुईं श्वेता

श्वेता कभी अपने बेटे संग गाना गा रही हैं तो कभी उसके साथ तालाब किनारे चहलकदमी कर रही हैं। उन्हें देखकर एक फैन ने कमेंट किया, 'रियल में संतूर मम्मी'। दूसरे ने लिखा, 'क्या खाती हो जवान होती जा रही हो।'

थाईलैंड वेकेशन की फोटोज हुई थीं वायरल

इससे पहले श्वेता ने थाईलैंड से अपनी कुछ फोटोज पोस्ट की थीं, जिन्हें देखकर फैंस के होश उड़ गए थे। लोग कह रहे थे कि बैकग्राउंड से भी ज्यादा हसीन तो श्वेता लग रही हैं।

रोहित शेट्टी की सीरीज में आई थीं नजर

श्वेता ने टीवी के अलावा फिल्मों में भी काम किया है। वो हिंदी के अलावा नेपाली, भोजपुरी, कन्नड़, मराठी, उर्दू और पंजाबी फिल्म में काम कर चुकी हैं। उन्हें 2023 में शॉर्ट मूवी 'द पर्पल स्कार्फ' में देखा गया था। टीवी की बात करें तो वो पिछले साल ही 'मैं हूं अपराजिता' में अपराजिता के किरदार में नजर आई थीं। उन्हें रोहित शेट्टी की इसी साल रिलीज हुई वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में देखा गया था।

आलिया की मां के पास आया था स्कैम कॉल : सोनी राजदान से शख्स ने ड्रग्स का हवाला देकर ठगी करने की कोशिश की

आलिया भट्ट की मां और एक्ट्रेस सोनी राजदान स्कैम का शिकार होते-होते बच गई हैं। एक शख्स ने ड्रग्स का हवाला देकर उनसे ठगी करने की कोशिश की। इस बात की जानकारी सोनी राजदान ने पोस्ट शेयर कर दी है।

ठग ने कहा कि वो दिल्ली कस्टम्स का ऑफिसर है

सोनी ने लिखा- हमारे आसपास एक बहुत बड़ा घोटाला चल रहा है। किसी ने मुझे फोन किया और कहा कि वो दिल्ली कस्टम्स से बोल रहा है। उसने मुझे बताया कि मैंने ड्रग्स का ऑर्डर दिया था। उसने मुझे यह भी बताया कि वो पुलिस से जुड़ा हुआ है। उसने मुझसे आधार कार्ड नंबर मांगा। जैसे मुझे कॉल आया, वैसे ही मेरे कुछ जानने वाले लोगों को भी कॉल आया है।

'लोग ऐसा करके ठगी करने की कोशिश करते हैं'

सोनी ने आगे कहा- ये लोग आपको फोन करते हैं और डराते हैं, धमकाते हैं। इस तरह की बातें करके आपसे बहुत सारे पैसे लेने की कोशिश करते हैं। लेकिन आप लोगों को उनकी बातों में नहीं फंसना चाहिए और उनके प्रभाव में नहीं आना चाहिए। मैं एक ऐसे शख्स को जानती हूं जो इस तरह ठग की बातों में आकर बहुत सारा पैसा ट्रांसफर कर दिया था। वो अब मुसीबत में है इसलिए मैं यह पोस्ट शेयर कर रही हूं ताकि लोग इससे डरे नहीं।

सोनी बोलीं- ऐसे स्कैम कॉल से सावधान रहना चाहिए

सोनी ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा- इस तरह के कॉल से लोग भ्रमित हो जाते हैं और इसे असली समझ बैठते हैं। मैंने भी लगभग यही सोचा था। जब मैंने किसी से इस बारे में बात की तो उन्होंने मुझसे कहा कि यह स्कैम कॉल है। सोनी ने गुजारिश भी कि लोगों को इस तरह के स्कैम कॉल से सावधान रहना चाहिए।

अनिल कपूर ने छोड़ी फिल्म हाउसफुल 5! फीस पर बिगड़ी बात इसलिए लिया फैसला

फिल्म हाउसफुल 5 में अनिल कपूर नजर नहीं आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने यह फिल्म फीस की वजह से छोड़ दी है। वहीं, खबर यह भी कि 14 साल बाद इस फ्रेंचाइजी का अर्जुन रामपाल हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म हाउसफुल में मेजर कृष्णा राव का रोल निभाया था। हालांकि, मेकर्स की तरफ से इन दोनों बातों पर ऑफिशियल पुष्टि नहीं की गई है।

मिड डे की रिपोर्ट के अनुसार, अनिल कपूर और फिल्म के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला की फीस पर सहमति नहीं बन पाई। इस वजह से अनिल ने यह फिल्म छोड़ दी। इस बदलाव के बाद मेकर्स फिल्म में नाना पाटेकर के किरदार पर फिर से काम कर रहे हैं। दरअसल, पहले फिल्म में उनकी केमिस्ट्री अनिल कपूर के साथ दिखाई जानी थी।

वहीं, बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अर्जुन रामपाल इस फ्रेंचाइजी में शामिल हो सकते हैं। हालांकि मेकर्स ने अभी इसकी भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

2025 में रिलीज होगी फिल्म

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कास्टिंग में हुए इतने बड़े बदलाव के बाद भी हाउसफुल 5 की

शूटिंग शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म के डायरेक्टर तरुण मनसुखानी इसकी शूटिंग अगस्त से यूके में शुरू करेंगे। फिल्म को पहले इसी साल दिवाली के मौके पर रिलीज किया जाना था। लेकिन अब इसे 2025 में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने हाल में एक बयान जारी कर कहा था- हाउसफुल फ्रेंचाइजी की भारी सफलता का श्रेय दर्शकों को जाता है। हाउसफुल 5 की कहानी बहुत अलग है और लोगों को जरूर पसंद आएगी। इसके लिए बेहतरीन VFX की भी जरूरत है, जिस वजह से रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई है। फिल्म 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पहली बार कांस का हिस्सा बनीं कियारा आडवाणी

पहली बार एक्ट्रेस कियारा आडवाणी कांस इवेंट में शामिल हुईं। उन्होंने अपने कांस डेब्यू के लिए व्हाइट हाई स्लिट गाउन चुना, जिसमें वे बेहद खूबसूरत दिखीं। कियारा ने इस लुक का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वहीं, ऐश्वर्या राय का दूसरा लुक सामने आया। कांस में दूसरे दिन ऐश्वर्या को पेस्टल पिंक और ग्रीन गाउन में देखा गया। एक्ट्रेस 22 साल से कांस का हिस्सा बनती आ रही हैं। इस बार उनका हाथ भी फ्रैक्चर है। इसके बावजूद उन्होंने ये इवेंट अटेंड किया। कियारा का यह ड्रेस फेमस फैशन डिजाइनर प्रबल गुरुंग ने तैयार किया है।

कियारा को इस लुक में स्टाइल लक्ष्मी लेहर ने किया है। इस लुक को कम्प्लीट करने के लिए कियारा मिनिमल मेकअप के साथ व्हाइट मोतियों से बनी ईयररिंग्स पहने दिखीं। इस साल कियारा कांस के सिनेमा गाला डिनर में इंडिया को रीप्रेजेंट करेंगी।

'हीरामंडी' के लिए अदिति राव ने बढ़ाया था वजन

संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में काम करने के बाद से ही अदिति राव हैदरी हर तरफ चर्चा में हैं। सीरीज में उनकी एक्टिंग और डांस दोनों की तारीफ हो रही है। 'सैयां हटो जाओ' सॉन्ग में उनका 'गजगामिनी वॉक' सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। एक इंटरव्यू में अदिति ने कहा कि वो नहीं जानती थीं कि इस वॉक को क्या कहते हैं। लेकिन इसे करने में उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी।

अदिति ने कहा- मैं संजय सर से और मेरे डांस टीचर से यह पूछना चाहती थी कि यह क्या है? क्या यह गजगामिनी चाल है या हंस चाल है? यह ऐसी कौन सी चाल है, जो मुझे नहीं मालूम! मैं कहूंगी कि मैंने वही किया जो संजय सर ने मुझसे करने को कहा था। मैंने संजय सर के आदेश का पालन किया। मुझे पता है कि कथक में 'मयूर चाल' है, फिर 'गजगामिनी' है, लेकिन मुझे नहीं पता था कि यह कौन सी चाल है लेकिन मुझे इसका पता लगाना था।

गजगामिनी वॉक के लिए अदिति ने वजन बढ़ाया था

अदिति बताती हैं कि संजय सर का ध्यान हर चीज पर होता था। जैसे कि, गाने में बेब्बो जान कैसी दिख रही है, उसकी चाल, उसका दुपट्टा जिस तरह से गिरता है। वो हर चीज बिल्कुल परफेक्शन से कराना चाहते थे। उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि दुपट्टा एक खास बीट पर गिरे, सिर मुड़े और घुंघरू की आवाज बिल्कुल बीट पर आए। 'हीरामंडी' से अपने वायरल गजगामिनी वॉक पर रिएक्शन देते हुए कहा कि संजय लीला भंसाली ने उनकी सराहना की कि उनका वजन बढ़ गया है।

1 महीने पहले अदिति ने की थी सगाई

एक्टर सिद्धार्थ और अदिति ने एक महीने पहले ही अपनी सगाई की अनाउंसमेंट सोशल मीडिया पर की है। दोनों ने एक साथ 2021 की तमिल-तेलुगु फिल्म 'महासमुद्रम' में काम किया था। तभी से इन दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। सिद्धार्थ ने बॉलीवुड की फेमस फिल्मों जैसे 'रंग दे बसंती' और 'चश्मेबद्दूर' में काम किया है। अदिति राव हैदरी साउथ के साथ हिंदी फिल्मों की भी जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने 'पद्मावत', 'बॉस', 'रॉकस्टार'और 'मर्डर-3' जैसी फिल्मों में काम किया है।

राजघराने से है अदिति का संबंध

अदिति का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में एहसान हैदरी और विद्या राव के घर हुआ था। अदिति हैदराबाद के निजाम रहे मो. साहेल अकबर हैदरी की पड़पोती हैं। अदिति के नाना राजा जे. रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी के राजा थे। अदिति ने अपने करियर की शुरुआत बतौर भरतनाट्यम डांसर की थी। उन्होंने फेमस भरतनाट्यम डांस लीला सैमसन के डांस ग्रुप में भी काम किया था। यहां काम करने के बाद उन्होंने एक्टिंग की तरफ रुख किया था। उन्होंने पहली बार 2007 की तमिल फिल्म 'श्रृंगारम' में एक्टिंग की थी।

शोभिता धुलिपाला ने गोल्डन ड्रेस में फ्लॉन्ट किया फिगर, फोटोज देख फैंस बोले- 'अप्सरा लग रही हो'

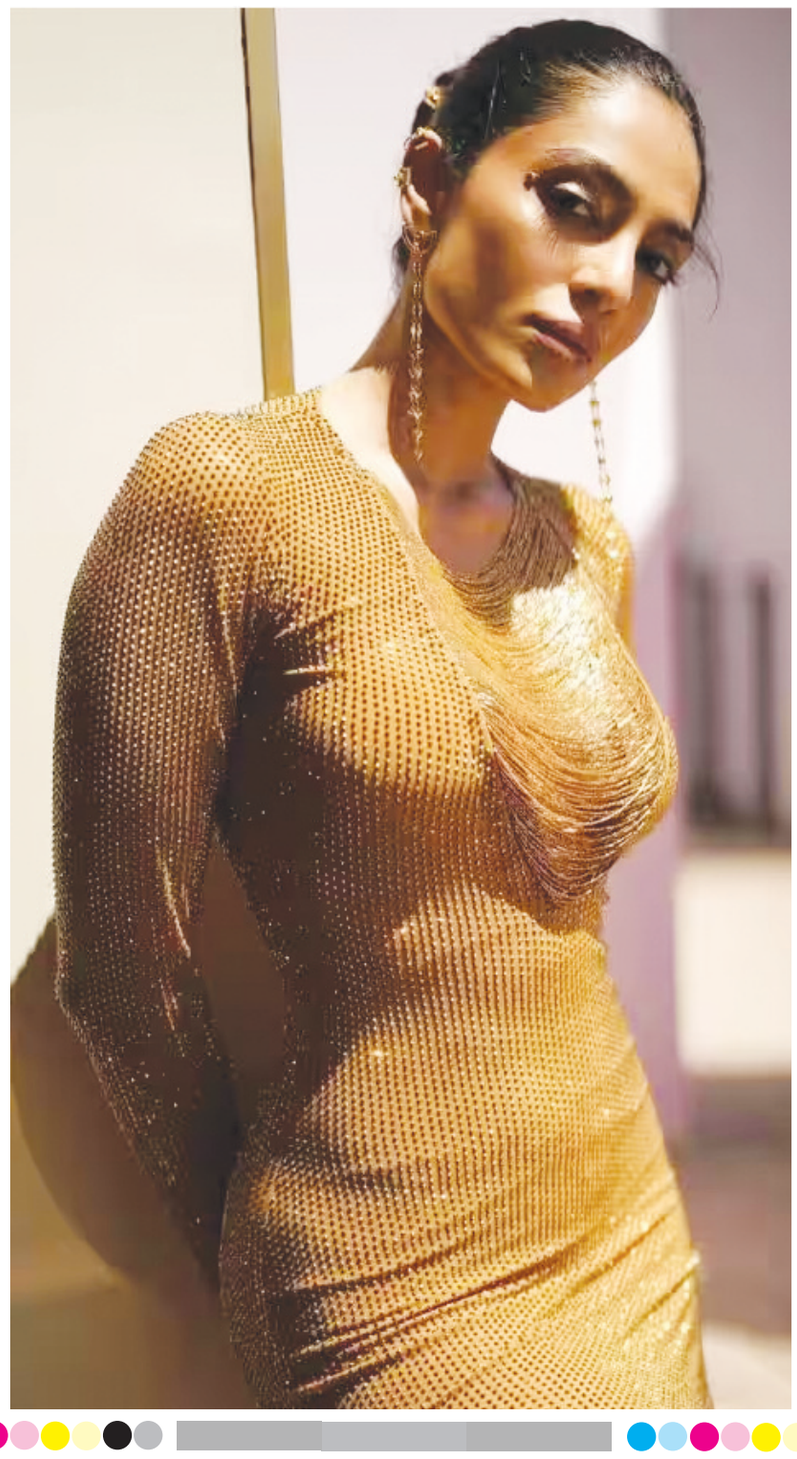

साउथ से लेकर बॉलीवुड फिल्मों तक अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाने वाली एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। शोभिता धुलिपाला इन दिनों कान्स 2024 में अपने लुक को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अब शोभिता धुलिपाला ने एक बार फिर गोल्डन कलर की ड्रेस में फोटोशूट करवाया है और इसकी तस्वीरें शेयर की हैं। शोभिता धुलिपाला ने एक से बढ़कर एक अदाएं दिखाई हैं जिन्हें फैंस जमकर निहार रहे हैं। शोभिता धुलिपाला की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में कान्स 2024 में अपनी अदाएं दिखाई हैं। अब शोभिता धुलिपाला ने एक और फोटोशूट करवाया है जो लोगों का ध्यान खींच रहा है। शोभिता धुलिपाला ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। शोभिता धुलिपाला की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शोभिता धुलिपाला ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट किया है। शोभिता धुलिपाला का बोल्ड अंदाज चर्चा का विषय बना हुआ है। शोभिता धुलिपाला ने गोल्डन कलर की ड्रेस में एक से बढ़कर एक अदाएं दिखाई हैं। शोभिता धुलिपाला का कातिलाना अंदाज देखकर उनके फैंस घायल हो रहा हैं। शोभिता धुलिपाला की खूबसूरती को देखकर उनके फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं। शोभिता धुलिपाला को लेकर अधिकतर फैंस ने कहा है कि वह अप्सरा लग रही हैं। शोभिता धुलिपाला अपनी एक्टिंग के साथ ही अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से फैंस को दीवाना बनाती हैं। शोभिता धुलिपाला की झलक देखने के लिए उनके फैंस बेताब रहते हैं।

शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में जंपसूट पहनकर अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। शोभिता धुलिपाला ने इसी ड्रेस को पहनकर कान्स में जलवा बिखेरा था। शोभिता धुलिपाला को उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 5 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। शोभिता धुलिपाला की तस्वीरें आते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं। शोभिता धुलिपाला की तस्वीरों को उनके फैंस पसंद करते हैं। इसके साथ ही शोभिता धुलिपाला के चाहने वाले फैंस उनकी तस्वीरों में जमकर प्यार भी बरसाते हैं।

'सिंघम अगेन' में एक नहीं दो विलेन से मुकाबला करेंगे अजय देवगन, फिल्म के सेट से लीक हो गई तस्वीर!

बॉलीवुड एक्शन स्टार अजय देवगन की साल 2024 में फिल्म 'मैदान' रिलीज हो चुकी है जिसे बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब अजय देवगन की फिल्म मच-अवेटेड फिल्म 'सिंघम अगेन' पर लोगों की निगाहें टिकी हैं। फिल्म के डायरेक्टर रोहित शेट्टी अक्सर सेट से तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं जो लोगों को एक्साइटेड कर देते हैं। अब फिल्म की शूटिंग की नई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं जिनमें अजय देवगन नजर आ रहे हैं। वहीं, दिलचस्प बात है कि फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग के दौरान अजय देवगन के साथ वेटरन एक्टर जैकी श्रॉफ भी दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद फैंस से काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

जम्मू कश्मीर में हो रही 'सिंघम अगेन' की शूटिंग

एक्टर अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग इन दिनों जम्मू कश्मीर में हो रही है। फिल्म के सेट से शूटिंग के फोटोज और वीडियो लीक हो गए हैं। इनमें आप देख सकते हैं कि

फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग में अजय देवगन और जैकी श्रॉफ का फाइट सीन शूट किया जा रहा है। फिल्म की सेट से लीक हुए फोटोज और वीडियो से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जैकी श्रॉफ विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस तरह से फिल्म 'सिंघम अगेन' में अजय देवगन का मुकाबला दो विलेन यानी अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ से होने वाला है। फिल्म के सेट से वायरल हो रहे फोटोज और वीडियो देखकर फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं और इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

'वकालत' में करियर

यदि आप किसी भी प्रकार के अन्याय को देख विचलित होते हैं, यदि आपको चिंता है कि पड़ोस में जो व्यक्ति मोल-भाव कर रहा है, उसे उचित भाव नहीं मिल रहा एवं यदि आप एक नागरिक की हैसियत से अपने मूलभूत अधिकारों के प्रति सजग हैं तो आपको वह चाहिए, जो एक विधि व्यवसायी चाहता है।

यदि आप करियर के रूप में विधि को चुनते हैं तो आप एक वकील, सोलिसिटर, अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ एवं अंततोगत्वा एक न्यायाधीश बन सकते हैं। एक वकील होने के नाते आपका कार्य सिर्फ बहस करना या तर्क-वितर्क करना ही नहीं, आपको निरन्तर अध्ययन करना तथा खुद को दुनिया की नवीनतम घटनाओं से अद्यतन रखना होता है। एक सोलिसिटर के रूप में आपको क्लाइंट के साथ को ऑर्डिनेट करना व कागजी कार्रवाई करनी होती है, जबकि एक अधिवक्ता के रूप में आपको मामला माननीय न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करना होता है।

एक विधि विशेषज्ञ के रूप में आप कार्पोरेट फर्म के लिए कार्य करेंगे तथा फर्म के रूप में कार्रवाई करेंगे। इन गतिविधियों के अतिरिक्त, आप कार्पोरेट या वैयक्तिक, तकनीकी कानून पर सलाह, कार्पोरेट विलयन एवं अभिग्रहण, कानून का अनुपालन इत्यादि के लिए पक्षकारों के बीच उत्तम कार्य भी करेंगे। आप वास्तविक संपदा, बीमा, कराधान, संविदा इत्यादि के कार्यों को देखेंगे।

आपके पास देश ही नहीं, विदेशों में भी मौकों की कमी नहीं। उदाहरण के लिए, करिश्मा वोरा एक भारतीय वकील हैं, जिन्होंने इंगलैंड में काफी नाम कमाया है।

आवश्यक गुण

सफल अधिवक्ता में अच्छी वार्तालाप कला, अच्छे तर्क, विशलेषणात्मक सोच, एकाग्रता, धैर्य, अभिरक्षण, आत्मविश्वास, अच्छी संप्रेषण दक्षता, अच्छी आवाज, कूटनीति एवं विवेकशीलता, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विषयों के बारे में जागरूकता एवं पढ़ने की आदत होनी चाहिए।

किस तरह बन सकते हैं वकील

पहला मार्ग

किसी भी विषय में 10+2 करने के बाद आप बी.ए.एल. बी. एस.सी. कर ऑफ मास्टर एल.एल.एम. कर सकते हैं। यह विकल्प 5 वर्ष की अवधि का हो सकता है।

दूसरा मार्ग

किसी भी विषय में 10+2 करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक करने के उपरांत 3 वर्ष की अवधि का एल.एल.बी. कोर्स कर सकते हैं।

रोजगार के अवसर

आप किसी सोलिसिटर फर्म में कार्पोरेट विधि/ दंड प्रक्रिया / आयकर कानून/ वास्तविक संपदा कानून एवं विधि के अन्य विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए कार्य कर सकते हैं।

आपको सबसे पहले किसी वरिष्ठ वकील के अधीन कनिष्ठ वकील के रूप में प्रैक्टिस करनी होगी, बाद में एक कार्पोरेट या आपराधिक प्रक्रिया में स्वतंत्र वकील के रूप में कम्पनी के विधि एवं सचिवीय विभाग, सरकारी न्यायिक सेवा, जैसे-केंद्रीय सरकार विधि सेवा एवं राज्य सरकार विधि सेवा, आसूचना सेवाएं, जैसे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो आदि में कार्य कर सकते हैं। सोलिसिटर के रूप में कार्य करने के लिए आप सोलिसिटर की परीक्षा दे सकते हैं। कानून की डिग्री पूरी होने एवं बार काऊंसिल से प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद आप एडवोकेट के रूप में कार्य कर सकते हैं। आप रक्षा सेवाओं, जैसे आर्मी लॉ काडर्स, प्रबंधन परामर्श फर्म्स, कार्पोरेट लेखा परीक्षण फर्म, नोटरी के रूप में कार्य कर सकते हैं। नोटरी अर्थात पब्लिक ऑफिसर, जो कि राज्य सरकार द्वारा प्रलेखन, प्रमाणन एवं विभिन्न प्रकार के विलेख तथा प्रपत्रों के सत्यापन के लिए लोक अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

आप पत्रकारिता में भी जा सकते हैं, जहां आप विधि संबंधित विषयों पर समाचार पत्रों में तथा विधि पत्रिकाओं में एवं विधि पुस्तकों और आवधिक पत्रिकाओं में प्रकाशन हेतु लिख सकते हैं।

आप संपादकीय सहायक के रूप में प्रकाशकों के साथ कार्य कर सकते हैं, जिससे जरूरी अनुभव प्राप्त हो सकेगा। अध्यापन संस्थानों को भी वकीलों की आवश्यकता होती है, आप संकाय सदस्य के रूप में या अनुसंधान सहायक के रूप में काम कर सकते हैं।

'इंटरव्यू' में सफलता के तीन सूत्र

साक्षात्कार में सफलता मुख्य रूप से निम्न तीन कारकों पर निर्भर करती है।

1. आपके सम्पूर्ण व्यक्तित्व का प्रभाव।

2. ज्ञान, प्रश्नों के उत्तर देने का ढंग।

3. स्वयं के विचार, जीवन के प्रति दृष्टिकोण।

व्यक्तित्व किसी व्यक्ति की शारीरिक बनावट, चलने, उठने, बैठने, बातचीत करने का ढंग और कपड़े विशेष प्रभाव डालते हैं। इसके अतिरिक्त आत्मविश्वास भी व्यक्तित्व के निर्धारण में अहम योगदान देता है। ज्ञान, योग्यता, उपाधियां इसमें भी दो भाग होते हैं :

प्रथम भाग : शिक्षा से जुड़े प्रमाण पत्र सहित आपके द्वारा अर्जित शिक्षा एवं अन्य विषयों में आपकी बाहरी गतिविधियों के प्रमाण पत्र देखे जाते हैं।

द्वितीय भाग : विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। जिस तरह से चावल पके हैं या नहीं, देखने के लिए एक-दो दाने जांचे जाते हैं, इसी तरह आपने जो पढ़ा है उसे कितना जानते हैं, जांचने के लिए कुछ प्रश्न पूछे जाते हैं।

आपके स्वयं के विचार कार्य या नौकरी से संबंधित कुछ बातें जैसे दुर्बलताएं, आलोचनाएं, असफलताएं, उनको दूर करने के उपाय, सफलताएं तथा गुण आदि की जानकारी पूछी जाती है।

परीक्षा का तनाव कम करने के लिए दूसरों से बातचीत की करें कोशिश

बो र्ड परीक्षा को लेकर तनाव और घबराहट महसूस होना सामान्य बात है। तनाव आपके शरीर की दबाव के प्रति स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। लेकिन कभी कभी ये ज्यादा हो सकता है। अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव वास्तव में आप पर हावी हो सकता है और यह परीक्षा के मौजूदा तनाव को बढ़ा सकता है। परीक्षा का तनाव अकेलेपन और भारी बोझ जैसा महसूस हो सकता है, लेकिन आपको इससे अकेले नहीं निपटना है। आपके मन में क्या है, इसके बारे में किसी से बात करने का प्रयास करें। यदि कोई जानता है कि आप तनाव महसूस कर रहे हैं, तो वे आपकी सहायता कर सकते हैं, आपको प्रोत्साहित कर सकते हैं और जब आपको उनकी आवश्यकता हो तब सुन सकते हैं। यह कोई मित्र, परिवार का सदस्य, देखभालकर्ता, शिक्षक या कोई अन्य व्यक्ति हो सकता है, जिस पर आप भरोसा करते हैं। आपको इससे अकेले गुजरने की जरूरत नहीं है। इस बात पर तनाव न लेने का प्रयास करें कि दूसरे लोग परीक्षा के लिए कैसे तैयारी कर रहे हैं। आप क्या कर सकते हैं उस पर ध्यान दें। आपको ऐसा महसूस हो सकता है कि अन्य लोग आपसे ज्यादा तैयारी कर रहे हैं। लेकिन हम सभी अलग हैं और यह ठीक है। याद रखें, आपके दोस्त भी परीक्षा के तनाव से जूझ रहे हैं। हो सकता है कि वे भी आपकी तरह ही हों। इसके साथ ही तनाव को दूर करने के लिए सही खानपान पर ध्यान दें, थोड़ी नींद लें और खुद को आराम दें।

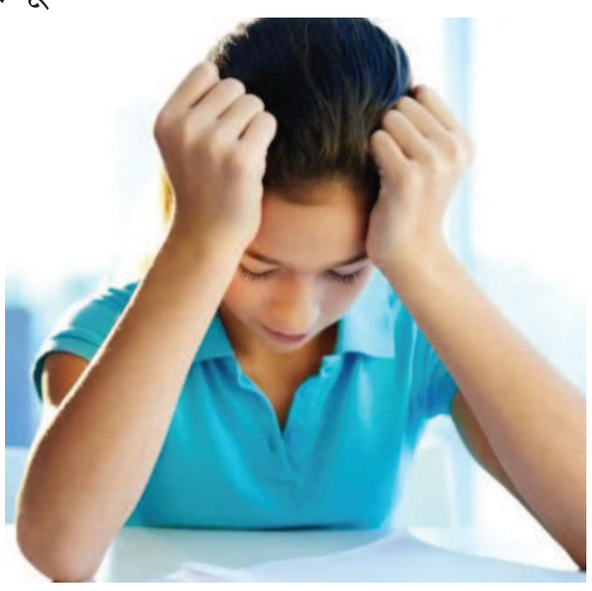

एकीकृत एमबीए अच्छा करिअर विकल्प

बाहरवीं के बाद करिअर विकल्प के रूप में अधिकांश उम्मीदवार प्रबंधन के क्षेत्र को चुनते हैं। इस क्षेत्र में कई स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन वर्तमान समय में इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट कार्यक्रम (एकीकृत एमबीए) काफी लोकप्रिय है। ये पांच वर्षीय कोर्स उम्मीदवारों को प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतर करिअर बनाने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि इस कोर्स की खासियत क्या है और ये करिअर विकास में किस तरह मददगार साबित हुआ है।

क्या है एकीकृत प्रबंधन कार्यक्रम

एकीकृत प्रबंधन कार्यक्रम (आइपीएम) स्नातक (बीबीए) और स्नातकोत्तर (एमबीए) को मिलाकर तैयार किया गया है। कार्यक्रम के पहले तीन साल बुनियादी बातों को सीखने और एक मजबूत आधार निर्माण के लिए समर्पित है, जबकि आखिरी दो वर्ष व्यावसायिक कौशल में महारत हासिल करने और प्रबंधन बनाने के लिए समर्पित हैं। जब नए लोग सीधे एमबीए में दाखिला लेते हैं तो उन्हें ये चुनौतीपूर्ण लगता है, लेकिन आइपीएम पाठ्यक्रम में बुनियादी से लेकर उच्च स्तर का ज्ञान दिया जाता है।

किसे मिल सकता है प्रवेश

इस कार्यक्रम की खास बात ये है कि इसमें 12वीं पास उम्मीदवार दाखिला ले सकते हैं, जबकि सामान्य एमबीए कार्यक्रम में स्नातक के बाद ही प्रवेश मिलता है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विज्ञान, तकनीकी, गणित, इंजीनियरिंग के साथ प्रबंधन के कोर्स को जोड़ना है। ऐसे में किसी भी संकाय से न्यूनतम 60 फीसद अंकों के साथ 12वीं पास करने के बाद विद्यार्थी एकीकृत प्रबंधन पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के पात्र हो जाते हैं।

आइपीएमएटी (इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट) एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है जो प्रबंधन

भारत में एकीकृत एमबीए

में पांच साल के एकीकृत कार्यक्रम में प्रवेश के लिए है।

आइआइएम इंदौर द्वारा अपने पांच साल के एकीकृत कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। जेआइपीएमएटी आइआइएम बोधगया और आइआइएम जम्मू में एकीकृत प्रबंधन कार्यक्रम के लिए तीन प्रवेश परीक्षाएं होती हैं, आइपीएमएटी, जेआइपीएमएटी और आइपीएमएटी रोहतक। ये परीक्षाएं मात्रात्मक योग्यता, तार्किक और मौखिक योग्यता विषयों पर आधारित होती हैं।

आइआइएम

रोहतक में एक समान कार्यक्रम के लिए है। परीक्षा में 40 बहुविकल्पीय प्रश्न, मात्रात्मक क्षमता से 20 और मौखिक क्षमता से 40 प्रश्न होते हैं। परीक्षा की अवधि 120 मिनट है।

जेआइपीएमएटी

जेआइपीएमएटी परीक्षा में 3 खंड हैं। मात्रात्मक रुझान में 33 प्रश्न, डेटा व्याख्या और तार्किक तर्क में 33 प्रश्न और मौखिक क्षमता के 34 प्रश्न होते हैं। परीक्षा की अवधि 2:30 घंटे यानी 150 मिनट होती है।

आइपीएमएटी

रोहतक आइपीएमएटी रोहतक परीक्षा में 3 खंड होते हैं, जिनमें से प्रत्येक में 40 प्रश्न होते हैं। सही उत्तर के लिए 4 अंक और गलत उत्तर के लिए 1 अंक। परीक्षा की अवधि 2 घंटे की है।

'विदेश में शिक्षा' के मौके

अधिकांश भारतीय विद्यार्थियों की प्राथमिकता उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना होती है। अमरीका, कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, यू.के. आदि जैसे देश पिछले एक दशक से इस सूची में प्रमुख हैं और विद्यार्थियों को सुविधाएं देते हैं।

विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने के लिए ये टैस्ट पास कर सकते हैं

आईलैट्स (IELTS)

इंटरनैशनल इंगलिश लैंग्वेज टैस्टिंग प्रणाली उन विद्यार्थियों के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध टैस्ट है, जो विदेशों में अपनी पढ़ाई करने की योजना बना रहे हैं।

यह भारतीय विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी भाषा में महारत की परीक्षा है। आइलैट्स टैस्ट भाषा के स्तर पर विद्यार्थियों की सुनने, पढ़ने, बोलने तथा **लिखने की क्षमता की परख है।**

टोफल (TOEFL)

टोफल भी अंग्रेजी भाषा में निपुणता परखने का टैस्ट है, जो किसी उम्मीदवार की अंग्रेजी बोलने तथा अंग्रेजी समझने की योग्यता का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित किया जाता है। 9,000 से अधिक कॉलेज, विदेशी यूनिवर्सिटियां तथा संस्थाओं ने टोफल के अंकों को अंग्रेजी में महारत के प्रमाणपत्र के जायज प्रमाण के तौर पर स्वीकार किया है। जी.आर.ई. (GRE) ग्रैजुएट रिकार्ड परीक्षा आमतौर पर जी.आर.ई. टैस्ट के तौर पर जानी जाती है।

यह एक दाखिला परीक्षा टैस्ट है, जो विश्व भर के बहुत से प्रसिद्ध तथा नामी बिजनैस स्कूल, यूनिवर्सिटीज तथा शिक्षण संस्थाओं द्वारा स्वीकारा जाता है।

सरकारी नौकरी

एमबीबीएस डिग्री वालों के लिए 2553 पदों पर निकली भर्ती, लास्ट डेट 15 जुलाई

तमिलनाडु मेडिकल रिक्रूटमेंट बोर्ड ने 2553 असिस्टेंट सर्जन (जनरल) के पदों पर योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इस भर्ती के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 15 मई थी जिसे 15 जुलाई तक के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। उम्मीदवार mrb.tn.gov.in पर जाकर अप्लाय कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : उम्मीदवारों के पास एमबीबीएस की डिग्री होनी चाहिए। मद्रास मेडिकल रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1914 के तहत रजिस्टर्ड सर्जन हो।कम से कम बारह महीने के लिए हाउस सर्जन (CRRI) के रूप में कार्य किया होना चाहिए।

आयु सीमा : अनारक्षित और अन्य : 37 वर्ष दिव्यांग : 47 वर्ष

दूसरों से संबंधित भूतपूर्व सैनिक : 50 साल

एससी/एससी(ए)/एसटी/एमबीसी/बीसी/बीसीएम (इन समुदायों से संबंधित पूर्व सैनिकों सहित) : 59 वर्ष

फीस :जनरल कैटेगरी उम्मीदवारों को 1000 रुपए और एससी/एससीए/एसटी/डीएपी (पीएच) कैटेगरी के उम्मीदवारों के लिए आवेदन फीस 500 रुपए है।

सिलेक्शन प्रोसेस : तमिल भाषा पात्रता परीक्षा (50 अंक)

कंप्यूटर आधारित टेस्ट (100 अंक)

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन प्रोसेस

फाइनल मेरिट लिस्ट

ऐसे करें आवेदन :ऑफिशियल वेबसाइट mrb.tn.gov.in पर जाएं।

होमपेज पर सहायक सर्जन (सामान्य) भर्ती आवेदन लिंक खोजें ।

रेलवे में ऑफिसर के पदों पर निकली भर्ती, सैलरी 2 लाख से ज्यादा

उत्तर रेलवे ने सीनियर रेजिडेंट के पदों को भरने के लिए आवेदन मांगे हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट nr.indianrailways.gov.in पर जाकर 27 अप्लाई कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

संबंधित विशेषज्ञता में एमसीआई/एनबीई द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

आयु सीमा :

अधिकतम 37 वर्ष।

सैलरी :

लेवल 7वें सीपीसी के अनुसार मैट्रिक्स लेवल -11 के तहत 67700 रुपए से लेकर 208700 रुपये तक।

सिलेक्शन प्रोसेस :

वॉक-इन-इंटरव्यू के बेसिस पर।

इंटरव्यू का पता : उम्मीदवारों को अपने आवेदन फॉर्म को भरकर संबंधित डॉक्यूमेंट्स के साथ वॉक-इन-इंटरव्यू की तारीख को सुबह 8.30 बजे ऑडिटोरियम, पहली मंजिल, अकादमिक ब्लॉक, उत्तरी रेलवे सेंट्रल अस्पताल, नई दिल्ली में पहुंचना होगा।

सेना में नर्सिंग ऑफिसर के 220 पदों पर निकली भर्ती, 12वीं पास को मौका, नीट स्कोर से सिलेक्शन

भारतीय सेना के अंतर्गत आने वाले आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विस (AFMC) ने बीएससी नर्सिंग के लिए भर्तियां निकाली हैं। जो भी उम्मीदवार इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे भारतीय सेना की वेबसाइट joinindianarmy.nic.in के माध्यम से 31 अप्लाई कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स : नर्सिंग ऑफिसर के 220

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

उम्मीदवारों के पास फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलॉजी और अंग्रेजी में न्यूनतम 50% अंकों के साथ 12वीं पास का सर्टिफिकेट होना चाहिए।

आयु सीमा :

उम्मीदवारों का जन्म 01 अक्टूबर 1999 और 30 सितंबर 2007 के बीच होना चाहिए।

सिलेक्शन प्रोसेस :

उम्मीदवारों का फाइनल चयन नीट स्कोर, टेस्ट, इंटरव्यू में परफॉर्मेंस और मेडिकल फिटनेस के आधार पर किया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।

फॉर्म भरने के लिए जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।

फॉर्म जमा करने का पता :

सेना, एडजुटेंट जनरल की शाखा

कार्यालय डीजीएमएस (सेना)/डीजीएमएस-4बी, रक्षा कार्यालय परिसर, तीसरी मंजिल 'ए' ब्लॉक, केजी मार्ग, नई दिल्ली-110001।

मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन में 108 पदों पर निकली भर्ती, ग्रेजुएट्स को मौका

मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन के तहत ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) में 108 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। उम्मीदवारों को अपना आवेदन ऑफलाइन 6 जमा करना होगा।

वैकेंसी डिटेल्स :

जॉइंट डायरेक्टर : 9 पद

डिप्टी डायरेक्टर : 6 पद

असिस्टेंट डायरेक्टर : 46 पद

सीनियर एविएशन सिक्योरिटी ऑफिसर : 47 पद

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

ग्रेजुएशन की डिग्री।

आयु सीमा :जॉइंट डायरेक्टर/रीजनल डायरेक्टर : 56 साल

डिप्टी डायरेक्टर : 56 साल

असिस्टेंट डायरेक्टर : 52 साल

सीनियर सिविल एविएशन सिक्योरिटी ऑफिसर : 56 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :इंटरव्यू

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :जॉइंट डायरेक्टर/रीजनल डायरेक्टर : लेवल - 12

डिप्टी डायरेक्टर : लेवल - 11

असिस्टेंट डायरेक्टर : लेवल - 10

सीनियर सिविल एविएशन सिक्योरिटी ऑफिसर : लेवल - 7

जरूरी डॉक्यूमेंट्स : आधार कार्ड

वोटर आईडी निवास प्रमाण पत्र

पासपोर्ट साइज फोटो बैंक पासबुक शिक्षा संबधित प्रमाण पत्र

सिग्नेचर आयु प्रमाण पत्र

आवेदन भेजने का पता : डिप्टी डायरेक्टर (Pers)

ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी,रूम नंबर SA 05, सेकंड फ्लोर, एब्लॉक उड़ान भवन, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली - 110003

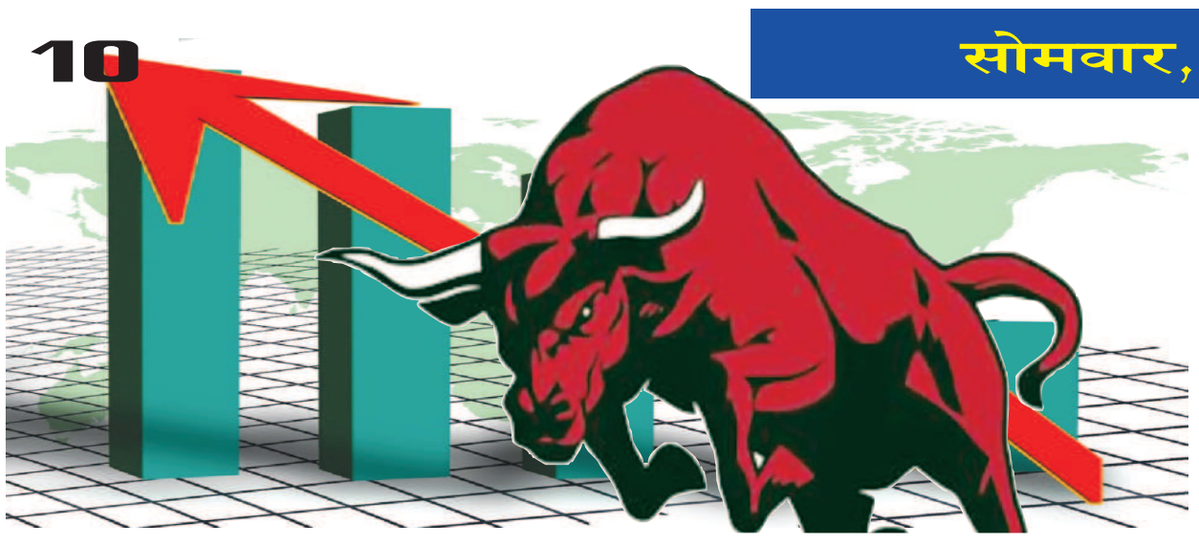

विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर खुशखबरी 2.56 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। इस समय विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर भारत को खुशखबरी मिल रही है। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.561 अरब डॉलर की शानदार बढ़ोतरी हुई। अब अपना भंडार 644.15 अरब डॉलर का हो गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 10 मई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान भंडार 2.561 अरब डॉलर से बढ़कर 644.151 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.67 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर रहा था। इसके पहले लगातार तीन सप्ताह इसमें गिरावट आई थी। पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का मुद्रा भंडार 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

वहीं, केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी पूंजी भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा भंडार 1.488 अरब डॉलर से बढ़कर 565.648 अरब डॉलर हो गया।

स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़ा

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 10 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा भंडार 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 565.65 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़कर 55.95 अरब डॉलर हो गया।

आईएमएफ के पास भारत का आरक्षित जमा घटा

विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 50 लाख डॉलर बढ़कर 18.06 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित जमा 40 लाख डॉलर घटकर 4.495 अरब डॉलर रह गया।

पाकिस्तान में बढ़ गया डॉलर का भंडार

वहीं, अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की भले ही जबरदस्त किल्लत चल रही हो, लेकिन पिछले तीन सप्ताह से वहां बहार है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार 35.5 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। उसके बाद फिर तीन मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भी यह बढ़ा। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भी यह 17.75 मिलियन डॉलर बढ़ गया। इस सप्ताह बढ़ोतरी के बाद अब वहां 14.626 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार हो गया है।

एलआईसी ने की मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज से ज्यादा कमाई, टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,341.47 अंक या 1.84 प्रतिशत के लाभ में रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई ने 18 मई को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव खंड में एक विशेष कारोबारी सत्र आयोजित किया। इसका मकसद प्राथमिक साइट पर प्रमुख व्यवधानों या विफलता से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जांच को परखना था। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,47,935.19 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक फायदे में भारतीय जीवन बीमा निगम और रिलायंस

इंडस्ट्रीज रहीं। इस दौरान एलआईसी का मूल्यांकन 40,163.73 करोड़ रुपये बढ़कर 6,16,212.90 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 36,467.26 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 19,41,110.70 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 26,492.61 करोड़ रुपये बढ़कर 7,64,917.29 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 21,136.71 करोड़ रुपये बढ़कर 11,14,163.29 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,570.68 करोड़ रुपये बढ़कर 7,94,404.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 7,815.51 करोड़ रुपये बढ़कर 5,99,376.39 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह आईटीसी की बाजार हैसियत 4,057.54 करोड़ रुपये बढ़कर 5,44,895.67 करोड़ रुपये हो गई। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 2,231.15 करोड़ रुपये बढ़कर 7,32,576.77 करोड़ रुपये रहा।

टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान

इस रुख के उलट टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की बाजार हैसियत 16,588.94 करोड़ रुपये घटकर 13,92,963.69 करोड़ रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में 6,978.29 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,46,843.87 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

आज बंद रहेगा शेयर बाजार मुंबई में लोकसभा चुनाव के चलते ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के चलते सोमवार को शेयर बाजार बंद रहेगा। NSE ने कहा कि मुंबई में 20 मई को लोकसभा इलेक्शन के लिए वोटिंग होनी है। ऐसे में इस दिन शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के सेक्शन 25 के तहत चुनावों में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

इलेक्शन कमिशन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव पांच फेज में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई और 20 मई को होंगे। स्टॉक एक्सचेंज NSE और BSE ने 8 अप्रैल को मुंबई में 20 मई को वोटिंग के चलते शेयर बाजार की छुट्टी का ऐलान किया था।

इक्विटी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग में भी कोई कारोबार नहीं होगा

NSE ने सर्कुलर में कहा था कि सोमवार, 20 मई 2024 को मुंबई में संसदीय चुनावों के कारण ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। सर्कुलर के मुताबिक, इस दिन इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग और बॉरोइंग सेगमेंट में भी कोई कारोबार नहीं होगा।

20 मई को धुले, डिंडोरी, नासिक, भिवंडी, कल्याण, ठाणे, मुंबई नॉर्थ, मुंबई नॉर्थ वेस्ट, मुंबई नॉर्थ ईस्ट, मुंबई साउथ, मुंबई साउथ सेंट्रल, मुंबई नॉर्थ सेंट्रल और पालघर लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं वोटों की काउंटिंग की तारीख 4 जून 2024 तय की गई है।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे विदेशी निवेशक, मई में अब तक निकाले 28,200 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। आम चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों में आकर्षक मूल्यांकन के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 28,200 करोड़ रुपये की निकासी की है। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने की चिंता के बीच अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 8,700 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। आगे चलकर चुनाव नतीजों के बाद एफपीआई के इक्विटी प्रवाह में नाटकीय बदलाव देखने को मिल सकता है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, राजनीतिक स्थिरता की स्थिति में भारतीय बाजार में भारी निवेश आएगा।

बाजार से निकाल रहे रुपये

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 17 मई तक शेयरों से शुद्ध रूप से 28,242 करोड़ रुपये निकाले हैं। मोजोपीएमएस के मुख्य निवेश अधिकारी सुनील दमानिया ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में एफपीआई की बिकवाली की मुख्य दो वजह हैं। पहली चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता है। एफपीआई आमतौर पर अनिश्चितता की स्थिति में सुरक्षित तरीका अपनाते हैं। इसके अलावा बाजार मूल्यांकन काफी ऊंचा है जिसकी वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं।

बॉन्ड बाजार में किया निवेश

आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 178 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कुल मिलाकर इस साल अबतक एफपीआई शेयरों से 26,000 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने बॉन्ड बाजार में 45,000 करोड़ रुपये डाले हैं।

पैसे की जरूरत पड़ने पर गोल्ड लोन सहित कई ऑप्शन

एफडी पर लोन और म्यूचुअल-फंड पर कर्ज जैसे विकल्पों पर भी कर सकते हैं गौर

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। पैसे की अचानक जरूरत पड़ने पर लोन लेना पड़ सकता है। इसके कई विकल्प हैं। आप एफडी पर लोन, गोल्ड लोन या म्यूचुअल फंड पर कर्ज ले सकते हैं। पर्सनल लोन भी एक विकल्प है। सभी की अपनी खूबियां और खामियां हैं। ब्याज दर, कर्ज तत्काल मिलने की सहूलियत और कम दस्तावेज की जरूरत इसके पैमाने हैं। इस आधार पर शॉर्ट-टर्म लोन का कौन सा विकल्प बेहतर हो सकता है?

म्यूचुअल फंड लोनः बाजार से जुड़े जोखिम का ध्यान रखें

लोन के लिए सिक्युरिटी के तौर पर म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी ब्याज दर अभी 12-14% है। इसमें लंबी अवधि का निवेश भी बना रहता है और जरूरी कैश भी मिल जाता है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहता है। अगर लोन चुकाने से पहले म्यूचुअल फंड यूनिट्स की कीमत गिर जाती है, तो आपको लोन का अनुपात बनाए रखने के लिए अतिरिक्त यूनिट्स बेचने पड़ सकते हैं। इससे नुकसान हो सकता है। इस पहलू का हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

पर्सनल लोनः ब्याज दरें ऊंची

पर्सनल लोन पर इस साल 17-18% तक ब्याज चुकाना पड़ रहा है। ये पैसे की तत्काल जरूरत पूरी करने के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक हैं, पर इन्हें जल्द चुका देना चाहिए। लेकिन क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेने से बचें। इन पर सालाना 30% या इससे भी ज्यादा ब्याज देना पड़ता है। वैसे ब्याज दर के मामले में अन्य विकल्प बेहतर हैं।

एफडी पर लोनः कर्ज के साथ बचत भी बरकरार

आप बैंक एफडी को तोड़े बगैर उस पर लोन ले सकते हैं। इस तरह बैंक में जमा बचत बरकरार रखने के फायदे के साथ ही जरूरी नकदी भी मिल जाती है। एफडी लोन पर लागू ब्याज दरें (12-15%) भी पर्सनल लोन की तुलना में कम हैं। ये लोन भी आसानी से तत्काल मिल जाता है। साथ ही इसके लिए बैंक के पास ज्यादा दस्तावेज जमा करने की जरूरत भी नहीं होती।

गोल्ड लोनः ब्याज दरें कम

सोने की कीमतें 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने के चलते इन दिनों गोल्ड लोन आकर्षक हो गए हैं। गहने गिरवी रखने पर अब पहले से ज्यादा लोन मिलेगा। पर्सनल लोन की तुलना में इस पर कम दर (10-12%) से ब्याज लगता हैं। हालांकि यदि आप लोन चुकाने में चूक जाते हैं (डिफॉल्ट), तो आपका सोना जब्त किया जा सकता है। अतिरिक्त शुल्क भी लग सकते हैं।

बर्थडे-शादी में मिले गिफ्ट्स पर भी लगता है इनकम टैक्स

रिटर्न भरते समय इनकी जानकारी देना जरूरी, एक्सपर्ट से जानें इसको लेकर क्या हैं नियम

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 (असेसमेंट ईयर 2024-25) के लिए 31 जुलाई 2024 तक इनकम टैक्स रिटर्न (इनकम टैक्स रिटर्न) फाइल करना है। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते समय आपको कई बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इन्हीं में से एक है आपको मिले गिफ्ट्स की सही जानकारी देना। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते समय दिवाली, बर्थडे, एनिवर्सरी या किसी भी अन्य मौके पर मिलने वाले गिफ्ट्स की जानकारी भी देनी होती है।

ऐसे में आपको इनकम टैक्स रिटर्न भरते समय इस बात का ध्यान रखना होगा। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल सकता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट आनंद जैन (इंदौर) आपको गिफ्ट पर लगने वाले टैक्स के बारे में बता रहे हैं।

गिफ्ट्स को माना जाता है इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज

इनकम टैक्स के नियमों के तहत अगर आपको एक वित्त वर्ष में 50 हजार रुपए से अधिक कीमत के गिफ्ट मिले हैं तो इस पर आपको टैक्स देना होगा। गिफ्ट पर लगने वाला इनकम टैक्स किसी एक गिफ्ट पर नहीं लगता है, बल्कि यह एक वित्त वर्ष में मिले

कुल गिफ्ट्स पर लगता है।

दिवाली या किसी भी अन्य मौके पर मिलने वाले गिफ्ट्स को इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज यानी 'अन्य स्रोतों से आय' माना जाता है। इसे आपकी कुल आय (ग्रॉस इनकम) में जोड़ा जाता है। इसीलिए इनकम टैक्स रिटर्न (इनकम टैक्स रिटर्न) फाइल करते समय इसकी जानकारी देनी होती है। इस पर आपके टैक्स स्लैब के अनुसार ही टैक्स देना होता है।

कैसे लगता है गिफ्ट पर टैक्स?

आयकर कानून, 1961 के सेक्शन 56(2)(x) के तहत करदाता को मिले गिफ्ट्स पर कर देनदारी बनती है। टैक्स के दायरे में आने वाले गिफ्ट्स में ये चीजें शामिल हैं-

चेक या कैश में मिली 50 हजार रुपए से ज्यादा की रकम।

जमीन, बिल्डिंग आदि जैसी कोई भी अचल संपत्ति, जिसकी स्टांप ड्यूटी वैल्यू 50 हजार रुपए से ज्यादा हो।50 हजार रुपए से ज्यादा की ज्वेलरी, शेयर, पेंटिंग्स या अन्य महंगी चीजें। अचल संपत्ति के अलावा 50 हजार रुपए से ज्यादा की कोई भी प्रॉपर्टी।

रिश्तेदारों से मिले गिफ्ट पर नहीं लगता है टैक्सअगर आपको अपने परिवार के सदस्यों से गिफ्ट मिलता है जिनके साथ आपक ब्लड रिलेशन है तो इस पर आपको कोई टैक्स नहीं देना होता है। आप अपने परिवार के सदस्यों से कितनी भी कीमत का गिफ्ट ले सकते हैं या दे सकते हैं। यह टैक्सेबल नहीं है। छूट के इस दायरे में आने वाले गिफ्ट इस तरह हैं-

पति या पत्नी से मिला गिफ्ट।

भाई या बहन से मिला गिफ्ट।

पति या पत्नी के भाई या बहन से मिला गिफ्ट।

माता-पिता के भाई या बहन से मिला गिफ्ट। विरासत या वसीयत में मिला गिफ्ट या प्रॉपर्टी। पति या पत्नी के किसी निकटतम पूर्वज या वंशज से मिला गिफ्ट। हिंदू अनडिवाइडेड फैमिली के मामले में किसी भी मेंबर से मिला गिफ्ट। लोकल अथॉरिटी जैसे पंचायत, म्यूनिसपैलिटी, म्यूनिसपल कमेटी और डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, कैंटोनमेंट बोर्ड से मिला गिफ्ट।

सेक्शन 10 (23C) में उल्लिखित किसी फंड/फाउंडेशन/यूनिवर्सिटी या अन्य एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, हॉस्पिटल या अन्य मेडिकल इंस्टीट्यूशन, ट्रस्ट या इंस्टीट्यूशन से मिला गिफ्ट। सेक्शन 12A या 12AA के तहत रजिस्टर किसी चैरिटेबल या धार्मिक ट्रस्ट से मिला गिफ्ट।

एम्प्लॉयर से मिले तोहफे पर भी लगता है टैक्स

एम्प्लॉयर से आपको एक वित्त वर्ष में 5,000 रुपए मूल्य तक का मिला उपहार टैक्स फ्री है, लेकिन तोहफे की वैल्यू अगर 5,000 रुपए से ज्यादा होगी तो अतिरिक्त रकम को आपकी सैलरी से हुई

शादी में मिले गिफ्ट पूरी तरह टैक्स फ्री

आपकी शादी में आपको जो भी गिफ्ट मिलते हैं वो पूरी तरह से टैक्स फ्री होता है। हालांकि इन गिफ्ट की जानकारी आपको इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते समय देनी होती है। इसके अलावा आपको आपको मैरिज का प्रूफ जैसे शादी का कार्ड और शादी के फोटो देने होंगे।

2 लाख रुपए से ज्यादा का नगद गिफ्ट न लें

सेक्शन 269ST के अनुसार यदि कोई पर्सन 2 लाख या अधिक की राशि नकद में प्राप्त करता है, तो उस पर्सन पर पेनल्टी लगाई जाएगी। यानी कि इस सेक्शन में पेनल्टी Cash में राशि प्राप्त करने वाले पर लगाई जाएगी न की राशि का भुगतान करने वाले पर। इसलिए अगर आप 2 लाख या अधिक की राशि गिफ्ट के रूप में ले रहे हैं, तो इसे सिर्फ बैंकिंग चैनल्स के माध्यम से लें, जैसे :- A /C Payee चेक, या A /C Payee बैंक ड्राफ्ट, या इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरेंस सिस्टम के माध्यम से बैंक में ट्रांसफर। यदि पेमेंट सेल्फ चेक के माध्यम से प्राप्त किया जा रहा है, तो इसे भी कैश में किया गया लेनदेन ही माना जायेगा और पेनल्टी लगाई जाएगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 05-48
सूर्यास्त. - 18-39
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 15-58 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - वैशाख शुक्ल , सोमवार 20 May
नक्षत्र - चित्रा 05-45 तक उपरान्त स्वाति
योग - सिद्ध 12- 09 तक उप व्यतिपात
करण- बालव 15-58 तक उप कौलव
विशेष:- व्रत -त्योहार - सोम प्रदोष व्रत

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	05-26 बजे
चंद्र-	कन्या	में	मिथुन..	07-26 बजे
मंगल	मीन	में	कर्क...	09-39 बजे
बुध-	मेष	पें	सिंह...	11-52 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	13-57 बजे
शुक्र-	वृष	में	तुला.....	16-03 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	18-13 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	20-27 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	22-33 बजे
			कुंभ....	00-23 बजे
			मीन...	02-01 बजे
			मेष....	03-37 बजे

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:21 से 08:58 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:48 - 07:21	शुभ	चंचल.	18:39 - 20:04	शुभ
काल	07:21 - 08:58	अशुभ	रोग	20:04 - 21:27	अशुभ
शुभ.	08:58 - 10:36	शुभ	काल	21:27 - 22:50	अशुभ
रोग	10:36 - 12:13	अशुभ	लाभ	22:50 - 24:13	शुभ
उत्पात	12:13 - 13:50	अशुभ	उत्पात	24:13 - 01:35	अशुभ
चंचल	13:50 - 15:27	शुभ	शुभ.	01:35 - 02:58	शुभ
लाभ	15:27 - 17:04	शुभ	अमृत.	02:58 - 04:21	शुभ
अमृत	17:04 - 18:39	शुभ	चंचल	04:21 - 05:48	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें। अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें। दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं।आपको यह समझने की जरुरत है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए मन का सेहतमंद रहना भी उतना ही जरूरी है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें। निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं। अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें।अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है।ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी। इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है।अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है।आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे।ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा। आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है। अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा। पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है।आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे।आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे।अपनों को भी इनमे शामिल करें।आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है।किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे।किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं। आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे।आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता।आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं। हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें। इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे। भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें।अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा। आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है। विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी। आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं। सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें। हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें। पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें। इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें।इस समय आप अपनी शक्ति बढाना चाहते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शालीमार से लोकमान्य तिलक जा रही ट्रेन के एसी कोच पर गिरा पिलर

मासूम समेत 4 लोग जख्मी

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में कोलकाता के शालीमार स्टेशन से लोकमान्य तिलक जाने वाली ट्रेन का एक्सीडेंट हो गया है. ट्रेन के एसी कोच पर पिलर गिर गया. इससे कारण ट्रेन का कोट बुरी तरह से डैमेज हो गया. ट्रेन का डिब्बा भी टूट गया है. इस हादसें में खिड़की के पास बैठे कुछ लोगों को गंभीर चोट आई है. ट्रेन को रायपुर स्टेशन पर रोक दिया गया. बताया जाता है कि ट्रेन कोलकाता के शालीमार स्टेशन से मुंबई के लोकमान्य तिलक जा रही थी. इसी दौरान छत्तीसगढ़ के उरकुरा स्टेशन से गुजरते वक्त ट्रेन पर

अचानक एक पिलर गिर गया. इस कारण ट्रेन का एसी कोच बी6 बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है. इसके अलावा ट्रेन का डिब्बा टूट जाने के कारण खिड़की के पास बैठे दो लोगों को गंभीर चोट आई है. वहीं एक छोटे बच्चे को भी चोट लगी है. हादसे के बाद ट्रेन को रायपुर स्टेशन पर रोक दिया गया. वहां हादसे में घायल हुए लोगों को उतारकर स्टेशन के नजदीक रवाना हॉस्पिटल में इलाज कराने के लिए भर्ती कराया गया. ट्रेन को रायपुर स्टेशन पर रोका गया है. वहीं जांच के लिए रेलवे अधिकारियों के साथ जीआरपी और आरपीएफ की टीम पहुंच गई है. घटना की सूचना मिलते ही डीआरएम मौके पर पहुंचे और हादसे का जायजा लिया. ट्रेन को हुई क्षति का आकलन किया जा रहा है.

अंडरग्राउंड इलेक्ट्रिक तार ले जाने के दौरान हुआ हादसा

आरपीएफ कमांडेंट संजय गुप्ता ने बताया कि उरकुरा फाटक के पास अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रिक का तार ले जाने का काम हो रहा था,तभी ड्रिल मशीन सीधा ना जाकर ऊपर की तरफ आ गई. जिसके चलते बिजली का खंभा ट्रेन पर गिर गया. फिलहाल घायल यात्रियों के बेहतर इलाज के लिए रायपुर के एक निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है.

शराब के नशे में धुत देवर ने भाभी के साथ की जबरदस्ती फाड़े कपड़े, कार्रवाई नहीं होने पर थाने में किया हंगामा

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के पंडरी इलाके में शनिवार को एक महिला के साथ उसके देवर ने जबरदस्ती करने की कोशिश की। थाने में शिकायत करने पहुंची महिला को जब थाने से राहत नहीं मिली तो उसने जमकर हंगामा किया। तब जाकर हरकत में आई पुलिस ने आरोपित देवर को गिरफ्तार कर लिया। घटना मोवा के प्रगति नगर इलाके की है। शराब के नशे में धुत देवर ने महिला के कपड़े फाड़े और उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। परेशान महिला ने शिकायत के बाद भी देवर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने पर थाने में आकर हंगामा किया। महिला का आरोप है कि दो दिन से वह देवर की हरकतों से परेशान थी। शिकायत करने पर पुलिस की तरफ से कोई मदद नहीं मिली।

जंगल से भटककर शहर पहुंचा चीतल, कार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत, शव मिलने से फैली सनसनी

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। कचना क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी के रास्ते में सुबह चीतल का शव मिलने से लोग आश्चर्यचकित हो गए। शव मिलने की सूचना आसपास के रहवासियों-राहगीरों ने डॉयल 112 को दी। मौके पर खम्हारडीह पुलिस ने पंचनामा कर वन विभाग को सूचित किया, जिसके बाद वन विभाग की टीम चीतल के शव को ले गई। संभावना जताई जा रही है कि पानी की तलाश में चीतल भटककर कचना की ओर आया होगा और वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। वार्ड पार्षद गोपेश साहू ने बताया कि चीतल को जब हमने देखा, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मुझे सुबह करीब 8 बजे लोगों ने फोन पर बताया कि चीतल जब सड़क पार कर रहा था, तब एक कार ने चीतल को टक्कर मार दी। इसके कारण उसकी मौत हो गई।

इसके बाद पुलिस व वन विभाग को सूचना दी। गर्मी के कारण जंगलों से वन्यप्राणी पानी की तलाश में बाहर आते हैं, लेकिन कचना में चीतल कहां से आया है, इसकी जानकारी अभी वन विभाग जुटा रहा है। कचना के आसपास मांढर, खरोरा, मुरा, मंदिर हसौद के पास छोटा सा जंगल है। इन क्षेत्रों से चीतल के आने का अंदेशा है। कुछ वर्ष पहले नवागांव के पास ट्रक की टक्कर से लकड़बग्घा की मौत हुई थी।

700 किलो डोडा पाउडर की तस्करी के आरोप में पांच गिरफ्तार

रांची, 19 मई (एजेंसियां)। सुखदेवनगर पुलिस की टीम ने छापेमारी कर 700 किलोग्राम डोडा पाउडर के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुरहू के डुडरी निवासी अंजुल मिंज (34 वर्ष), मुरहू मेन रोड निवासी सुधीर कुमार (42 वर्ष) और राजू भगत (43 वर्ष), बेड़ो के पुरिया निवासी तौकर आलम और मुरहू निवासी राजा कुमार शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से तस्करी में प्रयुक्त एक कार, एक पिकअप वैन, आठ मोबाइल और 34 हजार रुपये बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे डोडा पाउडर की तस्करी कर इसे बेचने के लिए पश्चिम बंगाल के खड़गपुर ले जा रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार उन्हें इस बात की सूचना मिली थी कि कुछ लोग चार पहिया वाहन से नशीला पदार्थ लेकर पहाड़ी मंदिर के समीप पहुंचने वाले हैं।

इस सूचना पर सुबह चेकिंग आरंभ की गयी। लेकिन कार में सवार लोग पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। आरोपियों को पीछा कर पकड़ा गया। पकड़े गये लोगों में राजू भगत, सुधीर कुमार ओर अंजुल मिंज (वाहन चालक) शामिल थे। इनकी डिक्की की तलाशी लेने पर चार बोरा डोडा पाउडर मिला। इन्होंने पूछताछ में अपने सहयोगियों का नाम बताया। इसके बाद इनकी निशानदेही पर इसके सहयोगियों के पिकअप वैन का पीछा कर उसे बुंडू टोल प्लाजा के पास से पकड़ा गया। वहां से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

सीएम विष्णुदेव साय ने प्रियंका गांधी पर बोला हमला

कहा- आसानी से नहीं जाएगी 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रियंका गांधी के पीडीएस सिस्टम में चावल वितरण के बयान को लेकर जमकर निशाना साधा है। सीएम साय ने तंज कसते हुए कहा कि 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी आसानी से नहीं जाएगी। साथ ही सीएम ने प्रदेश कांग्रेस नेताओं पर भी निशाना साधा है। दरअसल, कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने अपने एक इंटरव्यू में कहा कि छत्तीसगढ़ में जब कांग्रेस की सरकार थी, तो 35 किलो राशन दिया जाता था और अब भाजपा की सरकार आने पर केवल पांच किलो दिया जाता है। प्रियंका गांधी के इस बयान को लेकर सीएम ने पलटवार किया है। सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि कांग्रेस की 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी है, इतनी आसानी से तो जाएगी नहीं।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रियंका जी, झूठ फैलाने से फुरसत मिल जाए, तो आपकी कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ में किए गए पांच हजार करोड़ के चावल घोटाले पर भी दो शब्द कह दें। सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि आपकी अज्ञानता का फायदा उठाकर हर बार छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेता आप लोगों को बुद्धू बना देते हैं। पिछली बार कांग्रेसियों ने राहुल गांधी को कह दिया था कि कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ के हर जिले में फूड पार्क बना दिया है, उस झूठ का जवाब छत्तीसगढ़ की जनता ने आपकी पार्टी को रसातल में पहुंचा कर दे दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस बार राशन के मामले में फिर आपकी पार्टी ने आपको बेवकूफ बना दिया। थोड़ा पढ़ लिख लिया कीजिए कोई बयान देने से पहले। थोड़ा होमवर्क कर बयान देंगी तो बार-बार फजीहत नहीं होगी। याद रखिए, कांग्रेस की तरह हमारी सरकार गरीबों के राशन पर डाका नहीं डाल रही है, बल्कि और भी अधिक सुगमता से राशन का वितरण यथावत जारी है। मुख्यमंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में पीडीएस के अंतर्गत केंद्र सरकार से मिलने वाले पांच किलो चावल के अतिरिक्त एक सदस्य वाले कार्डधारी को दस किलो, दो सदस्य वाले कार्डधारी को बीस किलो, तीन से पांच सदस्य वाले कार्डधारी को पैतीस किलो, और पांच से अधिक सदस्य वाले कार्डधारी को सात किलो प्रति सदस्य निशुल्क चावल विष्णु सरकार दे रही है। कांग्रेस की 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी है, इतनी आसानी से तो जाएगी नहीं प्रियंका गांधी जी, झूठ फैलाने से फुरसत मिल जाए तो आपकी कांग्रेस सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में किए गए 5000 करोड़ के चावल घोटाले पर भी दो शब्द कह दें।

सिविल ठेकेदार सुनील रामदास के दफ्तर में चोरी कंपनी की बाइक रेलवे स्टेशन में पुलिस को मिली

रायगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। कोतवाली क्षेत्र चांदनी चौक स्थित सुनील रामदास के आफिस में बीती रात अज्ञात चोर ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरी की वारदात में चोर ने मोटरसाइकिल, लैपटॉप, तथा अन्य कई सामानों को चोरी कर ले गया। वारदात की भनक तब लगी जब आफिस कर्मी आए और दफ्तर का मुख्य द्वार का ताला खुला हुआ था, और अंदर का सारा सामान बिखरा मिला, दराज से कई समान गायब है। इस घटना कि सूचना आफिस कर्मचारियों द्वारा संचालक को दिए। तत्पश्चात थाना कोतवाली में सूचित किए जहां कोतवाली पुलिस टीम मौके पर दल बल के साथ मुआयना कर रही है। जानकारी यह भी सामने आ रही है आफिस के पार्किंग से जायब कंपनी की बाइक रेलवे स्टेशन से पुलिस को मिली है जबकि आफिस के सुरक्षा में तैनात गार्ड भी नदारद है।

तीन लोगों ने मिल कर चुराया था बच्चा फिर 58 हजार रुपये में बेच दिया

रांची, 19 मई (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशन के बाहर डिवाइडर के पास से पिछले दिनों नौ माह के बच्चे शुभम कुमार की चोरी कर ली गयी थी। इस मामले में बच्चे की चोरी कर उसे खरीदने और बेचने के आरोप में गिरफ्तार पांच आरोपियों को शनिवार को चुटिया पुलिस ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जेल जाने वालों में बच्चा चोरी करने में शामिल राधा साहू, इनके पति अमित सनातन और पुत्र टिक्की उर्फ सुनील शामिल हैं। तीनों आरोपी मूल रूप से पुरूलिया पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और वर्तमान में कटक के जोबरा में रह रहे थे। वहीं बच्चा खरीदने के आरोप में महिला नदुरत जहां और सुहाना बेगम को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों ओडिशा के पुरी जिला के मादी ब्रह्मपुर के रहने वाले हैं। यह जानकारी शनिवार की शाम अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने दी। बच्चे के पिता लेने गये थे खाना, लौट कर आये तो देखा कि बच्चा गायब है : एसएसपी ने बताया कि बच्चे की चोरी होने पर उसके पिता प्रदीप लोहरा की शिकायत पर चुटिया थाना में 12 मई को केस दर्ज किया गया था। प्रदीप लोहरा लातेहार जिला के गारू थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। वह अगरतला से मजदूरी का कार्य कर 11 मई की शाम 4.30 बजे रेलवे स्टेशन पर उतरे थे। अपने घर जाने के लिए कोई गाड़ी नहीं मिलने पर वह स्टेशन के बाहर फुटपाथ के डिवाइडर पर सो गये थे। उनके साथ बच्चे के अलावा पत्नी और मित्र भी थे। दूसरे दिन सुबह करीब 5.30 बजे वह जहां सो रहे थे, उनके बगल में एक महिला एवं दो पुरुष आकर बैठ गये। इनलोगों ने प्रदीप लोहरा से बातचीत कर मित्रता कर ली। इस बीच शिकायतकर्ता अपनी पत्नी के कहने पर सुबह सात बजे खाना लेने के लिए वहां से चले जाते हैं। खाना लेकर जब कुछ देर बाद वे लौटते हैं, तो देखते हैं कि उनका बच्चा गायब है। इसके बाद उन्होंने मामले की जानकारी रेलवे सुरक्षा कर्मी को दी। फिर वे बच्चे की खोजबीन में जुट जाते हैं, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चलता। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर तीन लोग बच्चे को लेकर जाते दिखे : बच्चे के नहीं मिलने पर प्रदीप लोहरा ने इसकी शिकायत चुटिया थाना की पुलिस से की। जब पुलिस ने रेलवे स्टेशन में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की, तब उनके बगल में आकर बैठी महिला एवं पुरुष बच्चे को लेकर जाते दिखाई पड़े। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी शाखा की मदद से आरोपियों की पहचान की गयी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों ने बच्चे को बेचे जाने की जानकारी दी। इसके बाद आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस की टीम मादी ब्रह्मपुर, कलपंचना गयी और अपहृत बालक शुभम लोहरा को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही बच्चे की खरीदारी करनेवाले दो महिला नुदरत जहां और सुहाना बेगम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सभी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इनलोगों ने बताया कि नुदरत जहां के कहने पर महिला राधा साहू, अमित सनातन पाल एवं टिक्की उर्फ सुनील ने बच्चे का अपहरण किया था। इसके बाद पैसे के लालच में आकर बच्चे की चोरी कर 58500 रुपये में बेच दिया। नुदरत जहां को बच्चे को सौंपने के बाद उसने उक्त बच्चे को सुहाना बेगम को बेच दिया था। चूंकि सुहाना बेगम तथा उसकी भाभी को कोई औलाद नहीं थी, जिस कारण उक्त बच्चे को 13 मई को खरीदा गया था। पैसे का भुगतान नुदरत जहां द्वारा फोन पे एकाउंट से अमित पाल के फोन पे के खाते में किया गया था।

20 मई को जिन 3 लोकसभा सीटों के लिए होना है मतदान, इन क्षेत्रों के लिए आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

रांची, 19 मई (एजेंसियां)। झारखंड में 20 मई को लोकसभा की तीन सीटों हजारीबाग, कोडरमा और चतरा के लिए मतदान होना है। मौसम विभाग की ओर से मतदान के दिन के लिए इन तीनों संसदीय क्षेत्रों के लिए अलग से स्पेशल बुलेटिन जारी कर अधिकतम तापमान, हीट वेव और तेज हवा चलने के बारे में जानकारी दी गई। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 20 मई को तीनों संसदीय क्षेत्रों में का अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। इस दौरान कुछ इलाकों में लू चलने की भी आशंका जताई गई है।

पोटका में 22.8 मिलीमीटर बारिश

झारखंड में पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 22.8 मिलीमीटर बारिश पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका में हुई। इसके अलावा धालभूमगढ़ में 14.6, मुसाबनी में 7.8, गुमला बिशुनपुर में 4.0 और हजारीबा में 2.0 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार 19 और 20 मई को राज्य के पूर्वी, दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य भागों में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की संभावना है। वहीं 21 और 22 मई को राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की संभावना है। 23 और 24 मई को भी राज्य में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की संभावना है।

पेड़ से टकराई अनियंत्रित तेज रफ्तार बाइक

तीन युवकों की हुई मौत; शादी में शामिल होने के लिए निकले थे

रायगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में रात तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। जिससे बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि तीनों युवक शादी में शामिल होने के लिए जा रहा थे, इसी दौरान यह हादसा हो गया। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मरने वालों में विजय भोय, उम्र 20 वर्ष, पीता चूड़ामणि खैरबाहर, लक्ष्मण चौहान, उम्र 24 वर्ष, पिता लोहर साय चौहान, सुबरा, कुलेश्वर पैंकरा उम्र 18 वर्ष, संतोष पैंकरा सुबरा निवासी हैं।

छत्तीसगढ़ में बड़ी गड़बड़ी

2.5 करोड़ की टैक्स चोरी का खुलासा अधिकारियों ने कारोबारी के ठिकानें पर मारा छापा

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में टैक्स चोरी का बड़ा खुलासा हुआ है। स्टेट जीएसटी ने आमानाका स्थित रियल एस्टेट और लोहा कारोबारी के ठिकानों पर छापा मारा था। तलाशी में रियल स्टेट कारोबारी के ठिकानों से करीब ढाई करोड रुपए की जीएसटी की गड़बड़ी मिली है। इस समय स्टेट जीएसटी के अधिकारी रियल एस्टेट और लोहा कारोबारी के ठिकानों से जब्त दस्तावेजों की जांच कर टैक्स चोरी का आकलन कर रहे हैं। बता दें कि जीएसटी की टीम ने 15 मई को आमानाका स्थित एक कॉम्पेक्स में दो लोहा और एक रियल स्टेट कारोबारी के ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान तलाशी में आवासीय प्लॉट फ्लैट, विला, आवासीय प्रोजेक्ट्स के साथ ही आयरन स्टील, कोयला ट्रेडिंग, होटल एवं रेस्तरां का कारोबार करने की जानकारी मिली। इन सभी का संचालन कारोबारी के द्वारा एक ही जीएसटीएन से संचालित किए जा रहे थे। तलाशी के दौरान पता चला कि कंपनी द्वारा लेखा पुस्तकों में प्रोजेक्टवार हिसाब-किताब नहीं रखा जा रहा था। छापेमारी के बाद तीन दिनों तक चली जांच के बाद अधिकारियों की टीम सर्वर तथा दस्तावेजों को जब्त कर अपने साथ ले गई। इसकी प्रारम्भिक जांच में करीब ढाई करोड़ रु। की कर चोरी पकड़ी गई है, जिसकी वसूली संबंधित फ़र्म से की जाएगी।

शराब पीकर मारपीट करने पर पति के खिलाफ दर्ज कराया केस

रांची, 19 मई (एजेंसियां)। शराब पीकर मारपीट करने पर शांतिनगर, गढ़ाटोली निवासी वीणा कुजूर ने सदर थाना में अपने पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। कहा है कि पति अनुज रंजन टोप्पो उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित बीएचइएल कंपनी में नौकरी करते हैं। वे 22 अप्रैल को रांची आये हैं। तब से शराब पीकर रोज दुर्व्यवहार कर रहे हैं। 15 मई की रात 11 बजे शराब पीकर बाहर से घर आये और मेरे साथ गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद उन्होंने मुझे इतना मारा कि मेरे नाक, आंख व चेहरे में चोट लगी। नाक से खून बहने लगा। चेहरा सूज गया। वे कहते हैं कि बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाओ। इनको पढ़ाने के लिए पैसा नहीं है। इसके बाद उन्होंने 11 साल के बेटे और छह साल की बेटी के साथ भी मारपीट की. सास को भी उन्होंने चोट पहुंचायी.

सरेंडर हुई महिला नक्सली ने किया बड़ा खुलासा, आतंकी जवानों पर झूठे इल्जाम लगाने ऐसे करते है प्रोपेगैंडा

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। नक्सलियों द्वारा फर्जी मुठभेड़ के प्रोपेगेंडा पर लगातार खुलासे हो रहे हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई महिला नक्सली सरिता ककेम ने खुलासा किया है कि वो सिविल कपड़ों में रहकर नक्सलियों के लिए काम करती थीं। सोशल मीडिया में सरिता का वीडियो सामने आया है। इसमें सरिता ने बताया कि वह बीजापुर जिले के भैरमगढ़ के ग्राम तड़केल की रहने वाली है। वह 2007 में दलम में भर्ती हुई थी और गिरफ्तार होने तक कंपनी नंबर 2 में काम कर रही थीं। जब 10 मई को पुलिस ने सूचना पर नक्सलियों को घेर कर फायरिंग की तब कई नक्सली जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे, पर वो दौड़ नहीं सकी। सरिता ने बताया कि उसके पास एके-47 रायफल थी, इसको उसने एक जगह छुपा कर रखा था।

क्या कल्पना थामने जा रहीं हेमंत सोरेन की सियासी कुर्सी? राहुल गांधी से पर्सनल बातों का जिक्र क्यों किया

रांची, 19 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन की एक्टिव पॉलिटिक्स में एंट्री हो चुकी हैं। कल्पना सोरेन ने अपने बीमार ससुर शिबू सोरेन और पति हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में न सिर्फ पूरी पार्टी का बागडोर संभालने का काम किया, बल्कि लोकसभा चुनाव में राज्य में इंडिया अलायंस के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरा दमखम लगा रही हैं। 31 जनवरी 2024 को हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के दो दिन बाद ही कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भी कल्पना सोरेन से मुलाकात हुई। तब दोनों दलों की ओर से इस राजनीतिक मुलाकात को सामान्य शिष्टाचार भेंट बताया गया और दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। लेकिन कल्पना सोरेन ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में राहुल गांधी से हुई बातचीत का खुलासा किया गया है। वहीं कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव परिणाम के बाद झारखंड में सीएम पद संभालने के बारे में बड़े ही साफगोई से अपनी बातें कहीं।

राहुल गांधी ने संघर्ष की इस लड़ाई में सहयोग का दिलाया भरोसा

कल्पना सोरेन ने बताया कि 31 जनवरी को पति हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उनका पूरा जीवन बदल गया। उन्होंने बताया कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद इंडिया अलायंस के कई नेता उनसे मिलने पहुंचे। सबसे पहले पहुंचने वालों में राहुल गांधी भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने हर स्तर पर इंडिया अलायंस की ओर से साथ देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि यह संघर्ष का समय है और इसमें कुछ समय भी लग सकता है, लेकिन इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी और पूरा गठबंधन हेमंत सोरेन के साथ हैं।

सीएम चंपाई जिम्मेदारियां संभाल रहे, अभी सवाल पूछना गलत

झारखंड में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा पर कल्पना सोरेन ने स्थिति साफ करने की कोशिश की। कल्पना सोरेन ने कहा कि अभी मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बहुत बेहतर तरीके से काम कर रहे हैं, वो अच्छी तरह से जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं, ऐसे में यह सवाल पूछना ही गलत है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर आलाकमान की ओर से ही कोई फैसला लिया जाएगा। बिहार की तरह झारखंड में भी राबड़ी देवी की कहानी दोहराए जाने के संबंध पूछे गए सवाल के जवाब में कल्पना सोरेन ने कहा कि राबड़ी देवी उनकी चाची जैसी हैं, हर रिश्ते को वो रिश्ते की तरह निभाना चाहती हैं, लालू प्रसाद आदरणीय हैं और उनका आशीर्वाद भी उन्हें मिलता रहा हैं।

सीता सोरेन का व्यक्तिगत निर्णय, किसी के फैसले पर अंगुली नहीं उठाना चाहिए

शिबू सोरेन की बड़ी बहू और अपनी जेठानी सीता सोरेन के जेएमएम छोड़ने के फैसले को कल्पना सोरेन ने व्यक्तिगत निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि किसी के पर्सनल फैसले पर किसी दूसरे को अंगुली नहीं उठाना चाहिए। एक सवाल के जवाब में कल्पना सोरेन ने कहा कि राजनीति में आने का फैसले का एकदम क्राइसिस के समय में हुआ, इससे पहले सीता सोरेन या परिवार के किसी अन्य सदस्यों से राजनीति के बारे में उनकी चर्चा नहीं होती थी। अभी संकट का समय है, सभी को साथ मिलकर चलने की जरूरत है।

लोकप्रियता और समर्थन के लिए कल्पना सोरेन ने जताया आभार

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी बाद मार्च महीने में गिरिडीह में जेएमएम स्थापना दिवस से सक्रिय राजनीति में आईं कल्पना सोरेन को न सिर्फ संगठन के अंदर पूरा सहयोग मिल रहा है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में चुनावी सभा के दौरान भी व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। कल्पना सोरेन की हर रैली में लोगों की भीड़ उमड़ रही हैं। पिछले दो महीने के दौरान कल्पना सोरेन ले झारखंड के लगभग हर लोकसभा क्षेत्रों में जेएमएम और इंडिया अलायंस के पक्ष में चुनावी सभा की। कल्पना सोरेन सुबह सात-आठ बजे तैयार हो जाती हैं और रात दस बजे तक विभिन्न जनसभाओं और बैठकों में हिस्सा लेती हैं। इस दौरान वो कई जगहों पर नुक्कड़ सभा भी करती हैं और रोड शो कर इंडिया अलायंस के उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी सभा कर रही हैं।

अमेरिका के इडाहो में भीषण सड़क हादसा

पिकअप और वैन की टक्कर में 6 लोगों की मौत और 10 घायल

इडाहो, 19 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के इडाहो में भीषण सड़क हादसा हो गया। दो वाहनों की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक बड़ी यात्री वैन भी शामिल थी। इडाहो राज्य पुलिस ने एक बयान के अनुसार, इडाहो फॉल्स के यूएस हाईवे 20 पर दुर्घटना में दस अन्य लोग घायल भी हो गए, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि पूर्व की ओर जाने वाली एक पिकअप सुबह करीब साढ़े पांच बजे सड़क के दूसरी तरफ जा पहुंची जिससे पश्चिम की ओर जाने वाली एक यात्री वैन से उसकी टक्कर हो गई। वैन के चालक और पांच यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, वैन में सवार नौ अन्य यात्रियों और पिकअप के चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दुर्घटना का अन्य विवरण जारी नहीं किया है, जिसमें यह भी शामिल है कि वैन में सवार 15 लोग कहां के थे या वे कहां जा रहे थे।

कहां हैं पंचेन लामा जिनसे डरता है चीन? छह साल की उम्र में कर लिया था अगवा अब अमेरिका ने मांगा पता

वॉशिंगटन, 19 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच का तनाव किसी से छिपा नहीं है। आए दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर आपस में तनातनी बनी रहती है। अब अमेरिका ने चीन पर तिब्बती आध्यात्मिक नेता को लेकर दवाब बनाना शुरू कर दिया। उसने बीजिंग से सवाल पूछा है और जानना चाहा है कि तिब्बती आध्यात्मिक नेता पंचेन लामा कहां हैं?

अमेरिका ने सुदूर हिमालयी क्षेत्र से तिब्बती आध्यात्मिक नेता के लापता होने की 29वीं बरसी के मौके पर चीन से पंचेन लामा के ठिकाने और उनकी भलाई के बारे में तुरंत जानकारी देने का आग्रह किया है। तिब्बती लोग दलाई लामा को अपना आध्यात्मिक नेता के साथ ही राजनीतिक नेता भी मानते हैं। 1995 में दलाई लामा ने छह साल के गेंडुन चोएकीय न्यीमा को 10वें पंचेन लामा के अवतार के रूप में मान्यता दी थी। मान्यता के सिर्फ तीन दिन बाद चीन ने बच्चे और उसके माता-पिता को साथ ले जाने की बात कही थी। उसके बाद से लेकर अबतक पंचेन को किसी नहीं देखा। कहा जाता है कि चीन ने बच्चे का अपहरण कर लिया था।

अफगानिस्तान में बारिश-बाढ़ से 370 की मौत

1600 लोग घायल, 6 हजार घर बहे; तालिबान सरकार ने मदद के लिए सेना तैनात की

काबुल, 19 मई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तीन हफ्तों से हो रही भारी बारिश के कारण 370 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और 1600 लोग घायल हैं। तालिबानी अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान घोर प्रांत में हुआ है। यहां शनिवार (18 मई) को बाढ़ से 60 लोगों की मौत हो गई। हालात की गंभीरता को देखते हुए तालिबानी सरकार ने वायुसेना को लोगों की मदद के लिए भेज दिया है। तालिबान के प्रवक्ता मावलवी अब्दुल ने बताया कि इलाके में अभी भी कई लोग लापता हैं। खराब मौसम के कारण घायलों तक मदद पहुंचाने में बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। अफगानिस्तान के बदख्शां, घोर, बगलान और हेरात समेत पूरे अफगानिस्तान में अब तक 6 हजार से ज्यादा घर बह चुके हैं। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) ने 12 मई को बताया था कि अचानक आई बाढ़ ने अफगानिस्तान को तबाह कर दिया। अकेले बगलान में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहां अभी भी 100 से ज्यादा लोग लापता हैं।

अफगानिस्तान में बाढ़ के कारण अलग-अलग जिलों में हजारों घर, हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि और सैकड़ों जानवर बह चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बचाव समिति (आईआरसी) के मुताबिक, अफगानिस्तान के ज्यादातर राज्यों में इमरजेंसी जैसे हालात हैं। कई टीमें राहत बचाव कार्य में लगी हैं। फिरोज-कोह शहर में 4 हजार से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा हैं। वहां लगभग 2 हजार दुकानें और 2 हजार घर बह चुके हैं। इसके अलावा 300 से ज्यादा जानवरों की मौत हुई है। यूएन डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) के मुताबिक, वे अफगानिस्तान की सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यूएनडीपी ने राहत सामग्री पहुंचाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय एनजीओ से संपर्क किया है। यूएनडीपी ने अब तक 300 से ज्यादा अस्थाई घर बनाए हैं। कई इलाकों में पिछले 3 हफ्तों से बिजली नहीं है। पिछले महीने भी भारी बारिश के कारण अफगानिस्तान में 70 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। विशेषज्ञों ने बारिश के पीछे की वजह क्लाइमेट चेंज को बताया है।

अफगानिस्तान में दो दिनों तक भारी बारिश होगी

अफगानिस्तान के मौसम विभाग के मुताबिक, खतरा अभी टला नहीं है। वहां 19 और 20 मई को भी भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 16 शहरों में को अलर्ट मोड पर रहने को कहा है। बाढ़ के कारण घोर में 800 साल पुरानी जाम की मीनार को नुकसान पहुंचाया है। ये दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची मीनार है। अफगानिस्तान में बाढ़ से खेती की जमीन पर कीचड़ ने सारी फसलों को बर्बाद कर दिया है। अफगानिस्तान की 80% आबादी खेती पर निर्भर है। तालिबान सरकार ने अंतरराष्ट्रीय संस्था से मदद मांगी हैं। सरकार का कहना है कि अगर मदद नहीं की गई तो हजारों लोग भूखे मर जाएंगे।

आज नेपाल के पीएम प्रचंड को खुद को 21 साबित करने की चुनौती

चौथी बार हासिल करना होगा विश्वासमत

काठमांडू, 19 मई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के सामने दो वर्षों में चौथी बार विश्वास मत हासिल करने की चुनौती सामने आ गई है। 20 मई को उन्हें सदन में खुद को 21 साबित करना होगा। दरअसल प्रचंड सरकार में सहयोगी कई पार्टियों ने एक के बाद एक करके अपना समर्थन वापस ले लिया। इसलिए प्रचंड के सामने यह चुनौती पेश हुई है। प्रचंड ने भरोसा जताया है कि वह सोमवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत जीत जाएंगे। एक गठबंधन सहयोगी द्वारा उनकी सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के बाद उन्हें विश्वास मत का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व गुरिल्ला नेता प्रचंड (69) नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) से संबंधित हैं। यह पार्टी प्रतिनिधि सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। वह पद संभालने के 18 महीने के भीतर चौथी बार संसद में विश्वास मत हासिल करेंगे। उन्होंने 25 दिसंबर 2022 को पद संभाला था। प्रधानमंत्री प्रचंड ने शनिवार को काठमांडू में सत्तारूढ़ पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि मेरी सरकार शक्ति परीक्षण में सफल रहेगी।

मतभेदों को सुलझाने की कही बात

पीएम प्रचंड ने कहा, सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी दलों के बीच मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। प्रधानमंत्री जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं यदि वह विभाजित हो जाती है या गठबंधन सरकार का कोई सदस्य समर्थन वापस ले लेता है तो प्रधानमंत्री को 30 दिन के भीतर विश्वास मत हासिल करना आवश्यक होता है। जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) ने पिछले हफ्ते गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। नयी सरकार को विश्वास मत जीतने के लिए 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में कम से कम 138 मतों की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति ने विवादास्पद 'विदेशी एजेंट' विधेयक पर किया वीटो, हाल में हुए थे बड़े पैमाने पर प्रदर्शन

त्बिलिसी, 19 मई (एजेंसियां)। जॉर्जिया की राष्ट्रपति सैलोम जौराबिचविली ने मीडिया को निशाना बनाने वाले एक विवादित विधेयक पर वीटो कर दिया। इस विधेयक के खिलाफ बीते हफ्तों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। इसके मुताबिक, अगर मीडिया और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को विदेश से 20 फीसदी से ज्यादा पैसा मिलता है, तो उन्हें विदेशी शक्ति वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी। राष्ट्रपति ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि वह इस कानून को अस्वीकार्य मानती हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति जौराबिचविली ने विवादास्पद 'विदेशी एजेंट विधेयक' से पैदा हुए तनाव को कम करने के मकसद से शनिवार को कानून को वीटो किया। इस कानून की व्यापक आलोचना हुई थी और इसके खिलाफ अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिले थे। इन प्रदर्शनों ने जॉर्जिया की लोकतांत्रिक साख और यूरोपीय संघ की आकांक्षाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। उन्होंने इसे रूसी कानून करार दिया। हालांकि, राष्ट्रपति जौराबिचलविली का वीटो केवल इस प्रस्तावित कानून में देरी करने का काम कर सकता है, क्योंकि संसद एक अतिरिक्त वोट के साथ इसे रद्द करने की शक्ति रखती है। सत्तारूढ़ जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी की ओर से प्रस्तावित और इस हफ्ते के शुरू में संसद द्वारा पारित कानून में गैर सरकारी संगठनों और मीडिया आउटलेट्स को विदेश से अपने वित्त पोषण का 20 फीसदी से अधिक धन प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी।

कृष्णा की बेटी जब गुर्राई तो ठिठक कर रह गया यह विदेशी

सिंगापुर, 19 मई (एजेंसियां)। सिंगापुर टाइगर सफारी का यह नजारा इतना रोमांचक था कि विदेशी पर्यटक को बहुत मजा आया। भारत में पर्यटन का यह खूबसूरत सीन था। टाइगर सफारी ने तो खूब मजा दिया। सिंगापुर के एक मिशन अधिकारी ने भारत के रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में बाघिन 'शक्ति' को देखा तो वे देखते ही रह गए।

साइट से तस्वीरें भी साझा कीं

भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त, साइमन वोंग ने एक्स पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें प्रथम सचिव लिम को रणथंभौर में शक्ति को देखने के लिए "भाग्यशाली" कहा गया। साइमन वोंग ने साइट से तस्वीरें भी साझा कीं।

अच्छा संकेत है!

एचसी वोंग," ने एक्स पर कहा,"सभी को रविवार की शुभकामनाएँ! प्रथम सचिव (राजनीतिक) सीन लिम भाग्यशाली थे कि उन्होंने रणथंभौर में शक्ति बाघिन को देखा। यहाँ कुछ क्लिक हैं! क्या अच्छा संकेत है!

मछली परिवार की एक बाघिन

रणथंभौर नेशनल पार्क की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, बाघिन टी 111 मछली परिवार की एक बाघिन है और बाघिन कृष्णा उर्फ टी19 की बेटी है। कृष्णा उर्फ टी19 रणथंभौर की मशहूर बाघिन मछली की बेटी है। इस बाघिन का क्षेत्र लकरदा, सेमली, आदि डागर आदि वन क्षेत्र में है।

चार शावकों के साथ देखा गया था

उल्लेखनीय है कि बाघिन टी 111 ने रणथंभौर में 2021 में पहली बार शावकों को जन्म दिया था। रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की बेहतर सुरक्षा के कारण बाघों की आबादी लगातार बढ़ रही है। बाघिन शक्ति को पहली बार जून 2021 में रणथंभौर के कुंडेरा रेंज में लकरदा वन क्षेत्र में चार शावकों के साथ देखा गया था।

राजस्थान में बाघों की सबसे अधिक आबादी

इसके अलावा, रणथंभौर में 69 बाघ और बाघिन हैं, जिनमें 21 नर बाघ, 30 मादा बाघ और 18 शावक शामिल हैं। सन 2018 के आंकड़ों के अनुसार, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में राजस्थान में बाघों की सबसे अधिक आबादी है।

कनाडा से बाहर निकाले जाएंगे सैकड़ों भारतीय छात्र, ट्रूडो सरकार के खिलाफ फूटा स्टूडेंट्स का गुस्सा

ओटावा, 19 मई (एजेंसियां)। कनाडा के एक प्रांत प्रिंस एडवर्ड आइलैंड (पीएलए) में रातों-रात माइग्रेशन नीति बदले जाने के कारण सैकड़ों भारतीय छात्रों के सिर पर डिपोर्ट किए जाने का खतरा खड़ा हो गया है। नीति बदले जाने और उन्हें वर्क परमिट से वंचित करने के लिए ये छात्र अब कनाडाई सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया है कि स्नातक होने के बावजूद उन्हें वर्क परमिट से वंचित कर दिया गया और अब उनको जबरन निर्वासित किए जाने का डर है। छात्रों ने मांगें पूरी नहीं होने पर भूख हड़ताल पर जाने की धमकी दी है। प्रवासन नीति में बदलाव के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन पीइआइ के सरकारी भवनों के निकट 9 मई को शुरू हुआ था। अनदेखी किए जाने पर 200 से अधिक प्रदर्शनकारी फिर से चार्लोटटाउन में एकत्र हुए और पोस्टर-बैनर लहराते हुए अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।

इमरान खान को एक और झटका, तोशाखाना मामले में सामने आई रिपोर्ट, 7 सात घड़ियां बेचने का आरोप

इस्लामाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को एक और झटका लगा है। तोशेखाना मामले मेंअब एक नया मोड़ सामने आया है। जांच में सामने आया कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी ने अवैध रूप से तोशाखाना की सात घड़ियां बेचीं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी बुशरी बीबी पर तोशाखाना मामले में पिछले साल एक्शन लिया गया। दुनिया के ज्यादातर देशों में यह नियम है कि वहां के प्रमुख नेताओं को जो भी तोहफे दूसरे देशों से मिलते हैं, उसे सरकारी खजाने (जिसे पाकिस्तान में तोशाखाना कहते हैं), में जमा कराया जाता है। ऐसा करना जरूरी होता है, लेकिन इमरान खान पर आरोप है कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसमें कई तरह के भ्रष्टाचार के आरोप उन पर लगे हैं।

सात घड़ियां बेचने का आरोप

राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो की एक नई जांच रिपोर्ट सामने आई है, जिससे पता चला है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान, जिन्हें तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट में सामने आया है कि अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान इमरान खान ने तोशाखाना से जुड़ी सात घड़ियां "अवैध रूप से" हासिल की और बेची थी। पूर्व प्रधान मंत्री के खिलाफ तोशाखाना में भ्रष्टाचार के कथित नए मामले में 10 महंगे उपहारों को संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट किए बिना और उन्हें तोशाखाना में जमा किए बिना रखने और बेचने का आरोप शामिल है।

क्या कहता है कानून

पाकिस्तान के कानूनों के मुताबिक, किसी भी राज्य के प्रमुख, फर्स्ट लेडी या राष्ट्रपति ने अगर पाकिस्तान के किसी प्रमुख को तोहफा दिया है और उस तोहफें की कीमत 30 हजार रुपये से ज्यादा है तो उसको तोशाखाना में जमा कराना होता है।

बुशरा बीबी पर भी आरोप

एनएबी की जांच रिपोर्ट से पता चला कि इमरान खान की पत्नी, बुशरा बीबी ने अंगूठी और एक हार सहित एक घड़ी और जूलरी हासिल की और उसको तोशाखाना में जमा कराने की जगह अपने पास रखा। एनएबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के उपहार "काफी कम दरों" पर खरीदे/रखे गए थे और फिर बेच दिए गए।

जांच में क्या सामने आया

एनएबी की जांच में सामने आया कि जांच के दौरान, यह पता चला कि लक्जरी उपहार वस्तुओं की कीमत एक निजी मूल्यांकक ने बेईमानी और लापरवाही से की थी। जांच में अब सामने आई सात घड़ियों में से एक ग्रेफ घड़ी का सेट था, रिपोर्ट के मुताबिक घड़ी को मोहम्मद शफीक को 5 करोड़ रुपये में बेच दिया गया था।

कब होगी मामले पर सुनवाई

रिपोर्ट के सामने आने के बाद इमरान खान और बुशरा बीबी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पीटीआई संस्थापक और उनकी पत्नी को अलग-अलग कॉल-अप नोटिस भी दिए गए थे, जिसे उन्होंने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में चुनौती दी है। अदालत बुशरा बीबी की अपील पर 4 जून को और इमरान खान की अपील पर 24 जून को सुनवाई करने वाली है।

'अगर तुम पाकिस्तान में होती तो तुम्हें किडनैप कर लेता' पाकिस्तानी ड्राइवर ने महिला यात्री से ये क्या कह दिया, वीडियो हो गया वायरल

इस्लामाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया साइटों पर आए दिन तमाम तरह के वीडियो वायरल होते हैं। कुछ अच्छे तो कुछ बेहद बुरे। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो कनाडा का है। जहां एक ऊबर ड्राइवर और एक महिला यात्री एक दूसरे से बातचीत कर रहे हैं। दोनों के बीच हो रही बातचीत के लिए दौरान ऊबर ड्राइवर कुछ ऐसा बोल देता है जो चर्चा का विषय बन गई है और यही कारण है कि यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल कैब ड्राइवर महिला यात्री से कहता है कि अगर तुम पाकिस्तान में होती तो वह खुद उसे किडनैप कर लेता क्योंकि दूसरा कोई चारा नहीं है। वीडियो में जिस तरीके से बात हो रही है, उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि मानों ऊबर ड्राइवर पाकिस्तान का रहने वाला है

अपनों से ही घिरे इजरायली पीएम

गाजा युद्ध को लेकर मंत्री ने दिया अल्टीमेटम; संकट में नेतन्याहू सरकार

तेल अवीव, 19 मई (एजेंसियां)। गाजा में चल रहे युद्ध के बीच अब इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को उसी की सरकार के कैबिनेट मंत्री ने अल्टीमेटम जारी कर दिया है। इजरायली नेताओं के बीच तनाव बढ़ता दिख रहा है, जिसका कारण इजरायली युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज का सरकार से इस्तीफा देने की धमकी बना है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, तीन सप्ताह के भीतर गाजा में युद्ध के लिए एक नई योजना अपनाई जा सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को पूर्व इजरायली रक्षा मंत्री गैंट्ज ने चेतावनी देते हुए मांग की है कि कैबिनेट 8 जून तक हमास के खिलाफ युद्ध की योजना तैयार करे। गैंट्स ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो वह सरकार से हट जाएंगे। उन्होंने कहा कि योजना में हमास को खत्म करना, बंधकों को वापस लाना, गाजा पट्टी में एक वैकल्पिक सरकार स्थापित करना, उत्तर में इजरायली निवासियों को वापस लाना शामिल है। गैंट्ज ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को जीत और राजधर्म के बीच चयन करना होगा। गैंट्स ने आगे कहा यदि नेतन्याहू ऐसे ही नेतृत्व करना चुनते हैं, तो देश रसातल में चला जाएगा, हम सरकार से हट जाएंगे, लोगों की ओर रुख करेंगे और एक ऐसी सरकार बनाएंगे जो वास्तविक जीत दिला सके। गैंट्ज ने स्वीकार किया कि युद्ध का नागरिकों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है, लेकिन जोर देकर कहा कि निर्णायक निर्णय की आवश्यकता है।

केवल पोप ही करेंगे दैवीय दर्शन और चमत्कार की पुष्टि, नए नियमों से परखे जाएंगे ऐसे दावे, वेटिकन ने जारी की नई गाइडलाइन

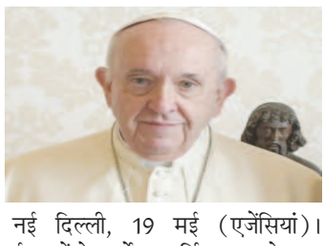

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। ईसाइयों के सर्वोच्च धार्मिक स्थल के रूप में लोकप्रिय वेटिकन की ओर से दैवीय आभास और दिव्य दर्शन जैसे अनुभूति की समीक्षा के लिए नई गाइडलाइन्स जारी की गई हैं। अब केवल 'पोप' यानी कैथोलिक चर्च के प्रमुख ही औपचारिक तौर पर किसी घटना को अलौकिक या चमत्कार करार दे सकते हैं। ऐसा घोटालों और धोखाधड़ी पर नकेल कसने के लिए किया गया है।

नई गाइडलाइन वाले इस डॉक्यूमेंट को 'कथित अलौकिक घटना के विवेचन में आगे बढ़ने के लिए मानदंड' नाम दिया गया है। इसमें निर्धारित किए गए मानदंडों के अनुसार ही बिशप दिव्य दर्शन, प्रेत और चमत्कार जैसी अनुभूतियों के दावों की जांच करेंगे, लेकिन गाइडलाइन में यह भी स्पष्ट किया गया है कि केवल वेटिकन ही यह तय कर सकता है कि दावे सच हैं या नहीं। मालूम हो कि शताब्दियों से कैथोलिक अनुयायी वर्जिन मैरी की झलक और यीशु मसीह की रोती हुई मूर्तियों जैसे दावे करते आए हैं और अक्सर वेटिकन द्वारा इसे कैथोलिक चर्च के अनुयायियों के बीच विश्वास की पुष्टि के एक तरीके के रूप में देखा जाता रहा है। नए नियम लगभग छह वर्षों में बनाए गए हैं और अलौकिक घटनाओं पर वेटिकन के अंतिम निर्देश की जगह लेते हैं। ये नियम 1978 में जारी किए गए थे, लेकिन 2011 में ही इन्हें सार्वजनिक किया गया था। हालांकि, डॉक्युमेंट में कहा गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग और पवित्र घटनाओं की इंटरनेट मीडिया रिपोर्ट्स ने अनुयायियों को धोखाधड़ी के प्रति संवेदनशील बना दिया है।

वेटिकन सिद्धांत कार्यालय के प्रमुख कार्डिनल विक्टर मैनुएल फर्नांडीज ने कहा, ऐसी घटना से विश्वासियों के गुमराह होने की संभावना है, जो एक दैवीय पहल से जुड़ी है, लेकिन यह केवल किसी की कल्पना, नवीनता की इच्छा, झूठ गढ़ने की प्रवृत्ति (माइथोमैनिया) या झूठ बोलने की प्रवृत्ति का नतीजा है। कार्डिनल ने यह साफ किया डॉक्युमेंट का इरादा आत्मा को नियंत्रित करने या दबाने का नहीं है, यह ऐसी घटना के उपयोग के खिलाफ चेतावनी देता है, जो लोगों पर नियंत्रण स्थापित करने या दुर्व्यवहार करने के साधन या बहाने के रूप में लाभ, शक्ति, प्रसिद्धि, सामाजिक मान्यता या अन्य व्यक्तिगत हित हासिल करने के लिए किए जाते हैं।

न्यूक्लियर डील के लिए अमेरिका के आगे सऊदी 'बिकने' को तैयार! इजराइल पर इसीलिए चुप्पी साधे हैं प्रिंस सलमान?

वॉशिंगटन, 19 मई (एजेंसियां)। सऊदी व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन इस हफ्ते के अंत में सऊदी अरब का दौरा करेंगे, जिसमें नागरिक परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत किए जाने की उम्मीद है और वाशिंगटन को उम्मीद है, कि परमाणु समझौता अगर कामयाब हो जाता है, तो ये डील इजरायल सऊदी अरब के संबंधों को सामान्य करेगा। लिहाजा, सवाल ये उठ रहे हैं, कि गाजा पट्टी में 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत के बाद भी अगर सऊदी अरब ने इजराइल को लेकर अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है, तो इसके पीछे क्या सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की परमाणु ऊर्जा को लेकर चाहत है?

सऊदी अमेरिका सिविल न्यूक्लियर समझौता क्या है?

यूएस एटोमिक एनर्जी एक्ट 1954 के सेक्शन 123 के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका अन्य देशों के साथ महत्वपूर्ण नागरिक परमाणु सहयोग में शामिल होने के लिए समझौतों पर बातचीत कर सकता है। इस एक्ट के तहत अमेरिका परमाणु अप्रसार 9 मानदंडों पर समझौता कर सकता है, जिसका मकसद ये है, कि अमेरिका जिस देश के साथ समझौता कर रहा है, वो राज्य इस बात को सुनिश्चित करें, वो परमाणु हथियार का निर्माण ना करे और संवेदनशील समग्री और टेक्नोलॉजी ना तो किसी और देश को ट्रांसफर करे और ना ही किसी और देश से ले। इस कानून के तहत अगर बाइडेन प्रशासन, सऊदी अरब के समझौता करता है, तो अमेरिकी संसद उस समझौते का समीझा करेगी।

सऊदी अरब अमेरिकी परमाणु सहयोग समझौता क्यों चाहता है?

सऊदी अरब, जो दुनिया के सबसे बड़े तेल बेचने वाले देशों में से एक है, वो अभी तक साफ नहीं कर पाया है, कि वो बिजली उत्पादन के लिए आखिर परमाणु ऊर्जा क्यों चाहता है? लेकिन, एक्सपर्ट्स का मानना है, कि ऐसी दो वजहें हो सकती हैं, कि सऊदी अरब परमाणु ऊर्जा चाहता हो। पहला यह, कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की महत्वाकांक्षी विजन 2030 सुधार योजना के तहत, सऊदी अरब का लक्ष्य जैविक ऊर्जा पर अपनी निर्भरता कम करना है, ताकि प्रदूषण के उत्सर्जन को कम किया जा सके, लिहाजा सऊदी चाहता है, कि उसे जितनी ऊर्जा की जरूरत है, उसका एक बड़ा हिस्सा परमाणु ऊर्जा से मिले। दूसरा- एक्सपर्ट्स इस बात की आशंका जताते हैं,

कि प्रिंस सलमान की दिली ख्वाहिश सऊदी अरब के हथियार भंडार में परमाणु हथियार शामिल करने की हो सकती है। प्रिंस सलमान भले ही अभी अमेरिकी शर्तों के साथ नागरिक इस्तेमाल के लिए परमाणु ऊर्जा समझौता करने के लिए तैयार हो जाएं, लेकिन भविष्य में उनकी चाहत परमाणु हथियार हासिल करने की हो सकती है।

सीएम भजनलाल ने राहुल गांधी को निशाने पर लिया

कहा- 20 बार असफल लॉन्चिंग के बाद एक बार फिर तैयार

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। उड़ीसा के जगन्नाथपुरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की 20 बार असफल लॉन्चिंग हो चुकी है और कांग्रेस 21वीं बार फिर से राहुल गांधी को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। जनता जानती है कि कांग्रेस एक परिवारवाद की पार्टी है, जिसने हमेशा गांधी परिवार को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के एजेंडे में केवल गांधी परिवार ही आता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया है। राजीव गांधी, सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और अब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सभी ने यही नारा दिया है। लेकिन सच्चाई यह है कि इनका गरीबों से कोई लेना-देना नहीं है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जनता अब कांग्रेस और गांधी परिवार के झांसे में नहीं आने वाली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता इस पार्टी और परिवार के विषय में सब जान चुकी है। इनकी असली मंशा गरीबों की मदद करना नहीं, बल्कि अपने परिवार की राजनीति को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इस तीखे बयान ने आगामी चुनावों के लिए राजनीति को गर्मा दिया है। हालांकि कांग्रेस पार्टी की ओर से अभी तक मुख्यमंत्री के इस बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भरतपुर राजघराने का विवाद सार्वजनिक

महाराजा विश्वेंद्र सिंह ने पत्नी और पुत्र पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और भरतपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य विश्वेन्द्र सिंह ने वरिष्ठ नागरिक के रूप में भरण पोषण खर्च की मांग करते हुए अपनी पत्नी पूर्व सांसद दिव्या सिंह और पुत्र अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ उपखंड अधिकारी के ट्रिब्युनल में प्रार्थना-पत्र पेश किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी और बेटे ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने कहा कि उन्हें भरपेट खाना भी नहीं मिलता है और इसी स्थिति से तंग आकर उन्होंने घर छोड़ दिया।

प्रार्थना-पत्र में विश्वेन्द्र सिंह ने मांग की है कि उनकी पत्नी और बेटे से पांच लाख रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण खर्च दिलाया जाए और मोती महल, कोठी दरबार निवास आदि को खाली कराया जाए। उन्होंने लिखा है कि वे वरिष्ठ नागरिक हैं और हृदय रोग से पीड़ित हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें लोगों से मिलने नहीं दिया जाता, जिससे वे खानाबदोश हो गए हैं।

परिवाद में यह भी उल्लेख किया गया है कि निर्वाचन क्षेत्र से आने वाले लोगों को उनसे मिलने नहीं दिया जाता और बिना अनुमति उनका बाहर आना-जाना भी बंद कर दिया गया है। उनकी गाड़ी का ड्राइवर भी हटा दिया गया है। विश्वेन्द्र सिंह ने अपनी जान को खतरा बताते हुए आरोप लगाया कि उनकी पत्नी और बेटे ने संपत्ति हड़पने का प्रयास किया और उनके साथ मारपीट की, जिससे उन्हें एक कमरे तक सीमित कर दिया गया है। मामले मे अनिरुद्ध सिंह ने सभी आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि उनके पास फाइनेंशियल फ्रॉड और संपत्ति को गलत तरीके से बेचने के साक्ष्य हैं, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर एसडीएम कोर्ट में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी और यह पारिवारिक मामला जल्द सुलझ जाएगा। इन गंभीर आरोपों पर जवाब देने के लिए उनके बेटे अनिरुद्ध सिंह ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी बुलाई है।

भरतपुर के शाही परिवार में इस मामले से हलचल पैदा हो गई है। राजपरिवार की आंतरिक समस्याएं अब सार्वजनिक हो गई हैं, जिसकी क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है। मामले की अगली सुनवाई का इंतजार किया जा रहा है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जयपुर के दंपति घायल

चार दिन पहले कश्मीर घूमने गए थे

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित यानेर इलाके के एक रिसॉर्ट में हुए आतंकी हमले में जयपुर निवासी तबरेज खान और उनकी पत्नी फरहा खान घायल हो गए। आतंकियों द्वारा की गई फायरिंग में तबरेज खान को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी पत्नी फरहा के कंधे पर गोली लगी है। हमला उस समय हुआ जब यह दंपति 50 लोगों के एक ग्रुप के साथ बस में चढ़ रहे थे। दोनों को तुरंत अनंतनाग के जीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार तबरेज की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि फरहा की स्थिति स्थिर है।

जयपुर के ब्रह्मपुरी इलाके में रहने वाले तबरेज खान प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। चार दिन पहले यह दंपति अपने दो बच्चों को लेकर 50 लोगों के एक ग्रुप के साथ कश्मीर घूमने गए थे। हमले के समय उनके दोनों बच्चे भी उसी रिसॉर्ट में थे, हालांकि बच्चों की स्थिति के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

जयपुर के हवा महल क्षेत्र के विधायक बालमुकुंद आचार्य ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए तुरंत ही पीड़ित परिवार के घर जाकर सांत्वना दी। विधायक ने कलेक्टर से बात कर जल्द से जल्द परिवार के सदस्यों को अनंतनाग भेजने की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि वे अपने घायल परिजनों के साथ रह सकें। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घायल दंपति की हर संभव मदद के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमले में गोली लगने से घायल हुए जयपुर निवासी दंपती तबरेज और फराह की हर संभव मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। इस पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने घायल दंपती के परिजनों से फोन पर बातचीत कर मदद देने का आश्वासन दिया।

इस घटना ने कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि हमलावरों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और सेना ने इलाके में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

यह आतंकी हमला न केवल तबरेज और फरहा के परिवार के लिए बल्कि पूरे जयपुर शहर के लिए एक दुखद घटना है। हमले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कश्मीर घाटी में सुरक्षा की स्थिति अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

रविंद्र सिंह भाटी ने मानवेंद्र सिंह को लेकर किया ट्वीट

बाड़मेर, 19 मई (एजेंसियां)। भाजप के दिग्गज नेता स्वर्गीय जसवंत सिंह के बेटे मानवेंद्र सिंह जसोल का आज जन्मदिवस है। आज सुबह से ही सोशल मीडिया पर जसोल को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इस कड़ी में बाड़मेर लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोंक रहे रविंद्र सिंह भाटी का भी नाम जुड़ गया है। भाटी ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर मानवेंद्र सिंह के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए जन्मदिवस की बधाई दी। यह चर्चा में आ गया गया है।

जसोल की हुई थी भाजपा में एंट्री

खास बात तो यह है कि राजस्थान में मतदान से पहले ही मानवेंद्र सिंह जसोल की भाजपा में एंट्री हो गई थी। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि इससे रविंद्र सिंह भाटी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी को प्रत्याशी बनाया था। इसके बाद बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा सीट से भाजपा के राजपूत प्रत्याशी नहीं उतारे जाने से राजपूत वोटर्स भाजपा से नाराज चल रहा था।

ऐसे में रविंद्र सिंह भाटी के निर्दलीय ताल ठोंकने से राजपूत समाज का वोट बैंक उनके साथ जाता नजर आ रहा था। उधर, मारवाड़ की राजनीति में जसोल परिवार का खासा प्रभाव देखा जाता है। 2018 में जसोल परिवार की नाराजगी से भाजपा को मारवाड़ में बड़ा नुकसान हुआ था। ऐसे में राजपूत समाज को साधने के लिए भाजपा ने मानवेंद्र सिंह जसोल की पीएम मोदी की रैली से पहले वापसी करवा दी थी। वहीं मानवेंद्र सिंह जसोल की भाजपा में वापसी पर रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा था कि वो मेरे बड़े भाई हैं। उनका व्यक्तिगत फैसला है।

वसुंधरा के खिलाफ लड़ा था चुनाव

बता दें कि मानवेंद्र सिंह एक राजनीतिक परिवार से हैं। पिता जसवंत सिंह राजस्थान की राजनीति का जाना-माना चेहरा थे। मानवेंद्र सिंह ने 1999 में बाड़मेर-जैसलमेर से पहला लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन कांग्रेस के सोनाराम चौधरी से शिकस्त खाई। 2004 के चुनावों में मानवेंद्र सिंह ने वापसी करते हुए सोनाराम चौधरी को बड़े अंतर से हराया। हालांकि 2009 में फिर उन्हें कांग्रेस के हरीश चौधरी के सामने हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद 2013 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने शिव विधानसभा सीट से जीत हासिल की, लेकिन उन्होंने विधायक रहते हुए 2018 में भाजपा छोड़ दी थी। उसके बाद कांग्रेस के टिकट पर उन्होंने झालरापाटन से वसुंधरा राजे के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन बड़े वोटों के अंतर से उनकी हार हुई। 2019 में बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन जीत नहीं पाए। 2023 के विधानसभा चुनाव में सिवाना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन जीत नसीब नहीं हुई।

किर्गिस्तान हिंसा में फंसे राजस्थान के स्टूडेंट

दौसा, 19 मई (एजेंसियां)। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में चल रहे उपद्रव में पाकिस्तान, बांग्लादेश के साथ ही राजस्थान के स्टूडेंट बड़े पैमाने पर फंसे हैं। दौसा, बांसवाड़ा सहित कई जिलों के रहने वाले छात्रों ने अपने परिवार वालों को वीडियो कॉल करके मदद मांगी है। वहां फंसे एक छात्र ने कहा- कॉलेज प्रबंधन ने वीडियो कॉल करने को मना किया है। शाम होते ही लोकल स्टूडेंट्स हमला करने लगते हैं।

महवा (दौसा) विधायक राजेंद्र मीणा से सत्येंद्र फागना ने वीडियो कॉल पर बात की। सत्येंद्र महवा का रहने वाले हैं। वह वहां मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं।

किर्गिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे सत्येंद्र फागना ने बताया- वीडियो कॉल पर बात करने से कॉलेज वालों ने मना किया है।

अभी स्थिति ठीक है। बाहर मिलिट्री तैनात की गई है। हॉस्टल फिलहाल बाहर से बंद कर दिए गए हैं। हिंसा दिन में नहीं होती है। लोकल स्टूडेंट्स शाम को एकजुट होकर अटैक करते हैं। पहले सबकुछ नॉर्मल था, लेकिन एक-दो दिन से हिंसा ज्यादा बढ़ गई है।

दिव्या मदेरणा और जोधपुर ग्रामीण पुलिस के बीच गहराया विवाद

कहा- बदले की राजनीति कर रहे हैं एसपी

जोधपुर, 19 मई (एजेंसियां)। ओसियां की पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा और जोधपुर ग्रामीण पुलिस के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। धनारी कलां में गाड़ी तोड़ने के आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज न होने को लेकर पूर्व विधायक ने आईजी के समक्ष अपनी नाराजगी जाहिर की थी। शुक्रवार को पूर्व विधायक ने ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव के खिलाफ एक और मोर्चा खोल दिया है।

दो दिन पहले ग्रामीण एसपी के हैंडल से किए गए एक ट्वीट में गत वर्ष भोपालगढ़ कॉपरेटिव मार्केटिंग चुनाव वाले दिन दिव्या मदेरणा द्वारा जनप्रतिनिधि अधिनियम की धारा 133 का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। इस पर शुक्रवार को पूर्व विधायक ने तीखे तेवरों के साथ कहा कि मैं इस मामले में अपने वकील के साथ जमानत करवाने के लिए जांच अधिकारी एएसपी भोपाल सिंह के पास गई थी लेकिन उन्होंने कहा कि अभी जांच चल रही है और यह साबित नहीं हुआ है। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि एसपी पहले भी राजनीतिक दबाव में थे और अब बदले की राजनीति कर रहे हैं। इस मामले में ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव से प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। एएसपी कार्यालय पहुंचीं पूर्व विधायक ने करीब डेढ़ घंटे की बातचीत के बाद बताया कि मैंने जमानत के लिए आग्रह किया था लेकिन जांच अधिकारी ने कहा कि फिलहाल आप इस धारा के तहत आरोपी नहीं हैं। फिर मेरे द्वारा उल्लंघन करने की सूचना सोशल मीडिया पर कैसे डाली गई? दिव्या मदेरणा ने मांग की कि ग्रामीण एसपी के हैंडल से किए गए ट्वीट को डिलीट किया जाए और उसमें बदलाव कर यह स्पष्ट किया जाए कि जांच अभी चल रही है।

पूर्व विधायक की मां पर 25 करोड़ की पेनल्टी

खनिज विभाग ने क्वार्ट्ज पत्थर के अवैध खनन करने का दोषी माना

टोंक, 19 मई (एजेंसियां)। टोंक के निवाई के पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा की मां आशालता बैरवा पर 25 करोड़ 66 लाख रुपयों की पेनल्टी लगाई गई है। खनिज विभाग ने यह पेनल्टी लगाई है। विभाग ने क्वार्ट्ज पत्थर के अवैध खनन करने का दोषी मानते हुए यह कार्रवाई की है। दरअसल खनिज विभाग ने निवाई के पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा की मां आशालता बैरवा पर क्वार्ट्ज पत्थर (लाल पत्थर) के अवैध खनन को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। आशालता देवी को 190114.38 मैट्रिक टन क्वार्ट्ज पत्थर के अवैध खनन करने का दोषी मानते हुए उन पर 25 करोड़ 66 लाख रुपयों से ज्यादा की पेनल्टी लगाई है।

30 दिन में भरना होगा जुर्माना

साथ ही चेतावनी दी है कि 30 दिन में यह जुर्माना राशि जमा नहीं कराई तो उनकी आवंटित खान को खंडित (रद्द) करने की कार्रवाई शुरु की जाएगी।

टोंक खनिज विभाग के एईएन सोहन लाल सुथार ने बताया निवाई क्षेत्र के बहड़ गांव के पास करीब साढ़े 4 हेक्टेयर में पूर्व सांसद द्वारका प्रसाद बैरवा की पत्नी और निवाई के पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा की मां आशालता बैरवा की क्वार्ट्ज पत्थर की खान आवंटित है। करीब पांच-छह महीने पहले खनिज विभाग को पता लगा कि इनकी खान के आस पास बड़े स्तर पर क्वार्ट्ज पत्थर का अवैध खनन किया गया है।

इस पर खनिज विभाग ने संज्ञान लिया और विभागीय टीम मौके पर पहुंची। जहां अवैध खनन को लेकर जांच की तो सामने आया कि खनन पट्टाधारी आशालता बैरवा ने ही उनकी खान से 12 मीटर दूरी पर ही आस पास सरकारी जमीन पर क्वार्ट्ज पत्थर का अवैध खनन किया है। इससे खनन पट्टाधारी आशालता बैरवा को अवगत कराया गया तो उन्होंने मना कर दिया।

आशालता बैरवा ने तर्क दिया कि मैने (आशालता) अवैध खनन नहीं किया है। यह खनन अज्ञात लोगों ने किया है। लेकिन इसका वे ठोस प्रमाण नहीं दे पाई। इसके बाद 28 जनवरी को उनके प्रतिनिधि की मौजूदगी में फिर से अवैध खनन को लेकर जांच की गई। जांच में फिर सामने आया कि आशालता बैरवा ने क्वार्ट्ज पत्थर का अवैध खनन करवाया है। इसके आधार पर इन पत्थरों की कीमत वसूलने के लिए 25 करोड़ 66 लाख 74 हजार 413 रुपये की पेनल्टी लगाई है।

इस मामले पर निवाई के पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई राजनैतिक रंजिश के चलते की जा रही है। पहले भी मेरे अंडरलोड डंपर पकड़े है। पेनल्टी वाले मामले में लीगल एडवाइज ली जाएगी। फिर उसी अनुसार कोर्ट में जाएंगे। बैरवा ने कहा कि वैसे हमने कोई अवैध खनन नहीं किया है, अन्य लोगों ने किया है। हमने तो पहले भी अतिक्रमण होने की शिकायत की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई, अब सरकार बदलते ही राजनैतिक रंजिश से बदले की भावना से यह कार्रवाई की है।

एसआई भर्ती पेपर लीक मामला

एसओजी को जबदरस्त झटका लगा

ट्रेनी थानेदार के खिलाफ सबूत पेश नहीं कर सके अफसर

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में एसओजी लगातार कार्रवाई कर रही है, लेकिन इस बीच एसओजी को एक झटका लगा है। एक मामले की सुनवाई के दौरान एसओजी एक ट्रेनी थानेदार के खिलाफ सबूत पेश नहीं कर सकी। उस पर अपनी जगह डमी बिठाकर परीक्षा पास करने का आरोप था। इसके कारण ट्रेनी थानेदार हरिओम पाटीदार को नियमानुसार रिहाई के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश किया गया है। पेश किए गए इस प्रार्थना पत्र में एसओजी बैकफुट पर आ गई है।

दरअसल इंटरव्यू के दौरान ट्रेनी थानेदार हरिओम को सिर्फ 28 नंबर मिले थे। उस पर आरोप लगे थे कि उसने अपनी जगह पर डमी बिठाकर परीक्षा पास की है। इसकी पुष्टि के लिए एसओजी ने हरिओम की उत्तर पुस्तिका और अन्य सबूतों का मिलान किया। उसके हस्ताक्षर को फोरेंसिंक में जांच के लिए भेजा गया। लेकिन उसकी रिपोर्ट आने पर पता चला कि यह हस्ताक्षर हरिओम के ही हैं। इधर, हरिओम के खिलाफ एसओजी अन्य कोई सबूत भी इकट्ठा नहीं कर पाईए इसलिए अब हरिओम की रिहाई के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया गया है।

पुलिस और डीएसटी टीम की कारवाई

नाकाबंदी तोड़कर निकली कार को पकड़ा 190 किलो डोडा पोस्त जब्त

सिरोही, 19 मई (एजेंसियां)। मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिरोही पुलिस ने बड़ी कारवाई की। पुलिस टीम ने क्रेटा कार में ले जाया जा रहा 190.300 किलोग्राम डोडा पोस्त जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सिरोही कोतवाली पुलिस थानाधिकारी कैलाशदान को सूचना मिली कि मोरस से एक सफेद रंग की क्रेटा कार पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर सिरोही की तरफ आ रही है, जो संदिग्ध है। गाड़ी का पुलिस थाना पिंडवाड़ा और डीएसटी टीम पीछा कर रही है। इस सूचना पर कोतवाली पुलिस ने बाहरीघाटा, सिरोही में नाकाबंदी की। कुछ ही देर बाद वहां से गुजर रही क्रेटा कार को रुकवाकर तलाशी ली। गाड़ी में कुल 190.300 किलोग्राम डोडा पोस्त मिला। मौके का फायदा उठाकर आरोपी चालक सुरजाराम उर्फ सोराज वहां से भाग निकला। पुलिस ने उसका पीछा किया। पहाड़ियों में तलाश कर उसको गिरफ्तार कर लिया गया।

गंधक पोटाश के धमाके ने एक बच्चे को बुरी तरह जख्मी किया

धमाका करने वाला पुलिस हिरासत में

अलवर, 19 मई (एजेंसियां)। एनईबी थाना क्षेत्र के प्रीत विहार में गंधक पोटाश के धमाके से एक 10 साल का बच्चा बुरी तरह जख्मी हो गया। धमाका इतना जोरदार था की बच्चे के पैर के ऊपरी हिस्से से खाल हटकर हड्डी दिखने लगी। आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल लेकर गए लेकिन गंभीर स्थिति होने के चलते बच्चे को हायर सेंटर जयपुर रैफर कर दिया गया।

एनईबी थाने के सहायक उपनिरीक्षक अजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित बच्चे हितेश के मामा ने एक रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 10 वर्षीय हितेश अपने भाई हिमांशु के साथ टंकी के पास खेल रहा था, इसी दौरान ट्रांसपोर्ट नगर निवासी अरुण सैनी ने हितेश के पीछे पाइप में बारूद भरकर चला दिया, जिससे हितेश के दाएं पैर के ऊपर बड़ा घाव हो गया। बच्चे को तुरंत ही अस्पताल लेकर गए जहां से उसे जयपुर रैफर कर दिया। घटना को लेकर एनईबी थाना पुलिस में शिकायत दी गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच कर आरोपी अरुण सैनी को गिरफ्तार कर लिया है।

छोटे ने किया प्रेम विवाह और बड़े भाई को मिली सजा

गुस्साए ससुराल वालों ने मारपीट करके नाक काटी

नागौर, 19 मई (एजेंसियां)। बेटी की लव मैरिज से नाराज परिवार वालों ने लड़के के बड़े भाई का अपहरण कर उसके साथ मारपीट करके पहले तो उसके हाथ-पैर तोड़ दिए फिर चाकू से उसकी नाक काट दी। मामला सदर थाना क्षेत्र के चिमरनी गांव का है। फिलहाल घायल युवक को जोधपुर में इलाज के लिए रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार चिमरनी गांव का महेंद्र कुछ महीने पहले गांव की लड़की को लेकर भाग गया था, इसी बात से लड़की वाले नाराज थे और उन्होंने मौका मिलते ही लड़के के बड़े भाई का अपहरण कर लिया और उसके साथ मारपीट की। सदर सीआई अजय कुमार के अनुसार भेड़ गांव में लहूलुहान हालत में एक युवक के पड़े होने की सूचना मिली थी। युवक गंभीर रूप से जख्मी हालत में था और उसकी नाक पर धारदार हथियार से गहरी चोट लगी थी। लहुलूहान हालत में युवक को नागौर अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में उसे इलाज के लिए जोधपुर भेज दिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विजेंद्र कुमार (26) खींवसर इलाके के बलाया गांव का रहने वाला है और बस में कंडक्टर की नौकरी करता है। उसके छोटे भाई महेंद्र (23) ने गांव ढींगसरा की रहने वाली लड़की से शादी कर ली, इसके बाद वह पत्नी के साथ बलाया गांव में रहने लगा था। लड़की के घरवालों ने सदर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी लेकिन लड़की ने महेंद्र के साथ रहने की इच्छा जाहिर की तो पुलिस ने गुमशुदगी केस को खारिज कर दिया।

फाइनैंसरों के मकडज़ाल में फंसे हैं नागरिक

सिरपुर कागजनगर, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के अधिकतर परिवार फाइनैंसरों के मकडज़ाल में फंसे हुए हैं। विडम्बना यह है कि कई लोगों के शहर से पलायन करने और कुछ के परेशान होकर जान गंवाने की घटना के बाद भी पुलिस-प्रशासन गली मोहल्ले में कार्यालय खोलकर बैठे इन कथित फाइनैंसर (सूदखोरों) पर लगाम नहीं लगाी पाया है। इसके चलते इनका आतंक दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

ये हाल तब जब जिला में छोटे-बड़े 50 से अधिक फाइनैंसर अवैध तौर पर काम कर रहे हैं। इन सबके कारण गरीब पिस कर मर रहा है, क्योंकि उसे पैसे की जरूरत पूरा कर आज का दिन निकालना होता है। उसे ये नहीं पता कि इन सब के चक्कर में वह अपना और परिवार का भविष्य बर्बाद कर रहा है। कथित फाइनैंसर का कर्ज मेहनत और ईमानदारी की कमाई से चुकाना बेहद मुश्किल है, क्योंकि यह दिए गए रुपए पर मोटा ब्याज व जुर्माना लगाते हैं। इसके चलते इनके चंगुल में फंसे लोग कई बार अपराध करने पर विवश हो जाते हैं। क्षेत्र में अपराध बढ़ौतरी का एक बड़ा कारण भी सूदखोरी ही है। बताया जा रहा है 4 गुना ब्याज देने पर भी असल पैसा खड़ा रहता है। इस सब को पैसे लेने वाला परिवार ही नहीं बल्कि फाइनैंसर भी भुगतते हैं। अगर मोटे ब्याज और दिए गया कर्ज चुकाने पर कर्जदार व उसका परिवार आनाकानी करता है, तो कथित फाइनैंसर उसकी बदनामी शुरू कर देते हैं। आए दिन घर व प्रतिष्ठान पर पहुंचकर अभद्रता और मारपीट करने लगते हैं।

इससे तंग आकर कई युवक व उनका परिवार शहर से पलायन कर चुके हैं। कुछ तो बदनामी के डर से जान दे चुके है। शहर में चिट फंड कमेटी का धंधा जोरों पर है। आए दिन निजी होटल में लोग मासिक बैठक कर कमेटी का आदान प्रदान करते हैं। ये धंधा अवैध है, बावजूद इसके जिम्मेदार मौन है।

पिछले दिनों ही शहर में चिट फंड कमेटी का नामी-गिरामी संचालक शहरी छोड़कर फरार हो गया था, जिसके बाद लोगों ने उससे करोड़ों रुपए की लेनदारी बताई। आज भी ये लोग थाना के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन इनके पास पैसे देने का कोई ठोस सबूत नहीं है, जिस कारण इनके दिए गए पैसे ही इन्हें वापस नहीं मिल रहे। ये तो एक उदाहरण है, शहर में इस तरह के उदाहरण हर रोज हो रहे है। शहर में ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है जिन्होंने साल 2 साल के लिए चिट फंड कमेटी में पैसा लगा रखा है। कच्चे लालच और अधिक ब्याज के चलते ये लोग इनके मकडज़ाल में फंसे हुए हैं। ये सारा धंधा एक पॉकेट डायरी पर चल रहा है। पैसे लेने-देने की एंट्री पर कोई साइन नहीं, कोई मोबाइल नंबर नहीं और न ही कोई पक्का रिकॉर्ड, बस एक साइनों की घुग्गी मारकर लाखों का काम चल रहा है। ये कहना गलत नहीं होगा कि लोगों ने अपने ही प्राइवेट बैंक बना रखें हैं। जब किसी को पैसे की जरूरत पड़ती है तो ये लोग 2 से 10 प्रतिशत तक मीटर ऋण लेते हैं यानि ब्याज पर ब्याज।

नगर में कई सूदखोर हैं, जो कर्जदार से मूल राशि से 10 से 15 फीसदी तक ब्याज वसूली कर रहे हैं। प्रश्न ये है कि क्या इन सूदखोरों के लिए कोई नियम कायदा लागू नहीं है या फिर ऐसे साहूकार नियम को पांवों तले कुचलकर अपना धंधा कर रहे हैं। कर्ज देने के लिए बैंक या वित्तीय संस्थाओं के पास लाइसेंस होता है, लेकिन सूदखोरों के पास कोई लाइसेंस नहीं होता और वह मनमर्जी से लोगों को परेशान करते हैं। गरीब व्यक्ति मजबूरी में सूदखोरों से कर्ज तो ले लेते हैं लेकिन भारी भरकम ब्याज सहित कर्ज चुकाना इन कर्जदारों के लिए चुनौती बन जाता हैं। इसके बाद इन लोगों को मानसिक परेशानी व सूदखोरों की प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। 15 से 20 प्रतिशत तक ब्याज वसूली करने वाले सूदखोरों की कोई जांच ना होने से प्रशासन की उपेक्षा के नतीजन शहर में दर्जनभर से अधिक सूदखोर बिना किसी पंजीयन के सूदखोरी में पनप चुके हैं।

जिनके पास पैसा लेन-देन करने का कोई लाइसेंस तक मौजूद नहीं है। एक बार कर्ज उठा जाल में फंस जाता है कर्जदार सूत्र बताते हैं कि नगर में सूदखोर बगैर कोई पंजीयन व लाइसेंस के धड़ल्ले से अपना कार्य कर रहे हैं। पैसा लेन-देन के वक्त ये लोग मौके की नजाकत को भांपते हुए जरूरतमंद लोगों को पैसा दे देते हैं और इसके बाद पेनल्टी व दस से भी ज्यादा गुना तक ब्याज लगाकर परिवादी को अपने जाल में फंसा लेते हैं। जिसको परिवादी चुका नहीं पाता और ये लोग कच्चे-पक्के समझौते के आधार पर परिवादी की संपत्ति पर नजर गढ़ा लेते हैं।

अग्रणी विवाह बंधन की बैठक 19 मई को हिमायत नगर कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में लड़का, लड़की के बायोडाटा आदान प्रदान किए गए अवसर पर सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, संगीता जाजोदिया, प्रीति गोयल, पवन भुवानिया उपस्थित थे।

जो कई घोटालों में जेल गए, जो जमानत पर हैं वे देश का उत्थान करेंगे..? : एनवीएसएस प्रभाकर

हैदराबाद, 19 मई(स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. एन.वी.एस.एस. प्रभाकर ने कहा, जो कई घोटालों के सिलसिले में जेल जा चुके हैं.. जो जमानत पर हैं वे इस देश का उत्थान करेंगे..? ये देश की जनता को गारंटी देते हैं..?

मीडिया कर्मियों से बात करते हुए डॉ. एन.वी.एस.एस. प्रभाकर ने शिकायत की कि, जो लोग भ्रष्टाचार के मामले में जेल गए और बाद में जमानत और व्यक्तिगत गारंटी पर बाहर आए तो देश के लोग हंस रहे थे। चुनाव में स्टार प्रचारक के रूप में जाने जाने वाले सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, लालू प्रसाद यादव, केजरीवाल और ममता बनर्जी अपने कार्यकाल के दौरान कई घोटालों में शामिल थे। कई मामलों में ईडी के नोटिस और सीबीआई के नोटिस मिले हैं। अदालतों में भी मामले चल रहे हैं। एक जेल में बंद है.. तो दूसरा जमानत पर है.. दूसरा वो नेता है, जिसे कोर्ट ने सजा होने के बाद

बरी कर दिया है। चुराकल ने कहा कि अगर वे गारंटी के साथ देश की जनता पर भरोसा करना चाहेंगे तो जनता बिल्कुल भी भरोसा नहीं करेगी। लोकसभा चुनाव के तहत मुख्य 4 चरण समाप्त हो चुके हैं और 5वें चरण के मतदान की तारीख जल्द ही नजदीक आ रही है.. निश्चित तौर पर भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव में फिर से जीत हासिल करने जा रही है, एन.वी.एस.एस. प्रभाकर ने जताया भरोसा।

उन्होंने कहा कि चार चरण के चुनाव में लोगों ने नरेंद्र मोदी सरकार के पक्ष में स्पष्ट फैसला दिया है। भविष्यवाणी के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी 400 सीटों का आंकड़ा पार करेगी जैसा कि लोग चाहते हैं।

शराब मामले में ईडी की जांच कोर्ट की निगरानी में पारदर्शी तरीके से चल रही है। यह बहुत बड़ा घोटाला है। इससे कोई बच नहीं सकता। दिल्ली के मुख्यमंत्री शराब घोटाले में जमानत पर हैं। कोर्ट ने केजरीवाल को 2 जून को दोबारा कोर्ट में सरेंडर करने का आदेश दिया। दूसरी ओर, सीएम केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार ने पुलिस को कई सबूतों के साथ जानकारी सौंपी है, जिसमें कहा गया है कि आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दुर्व्यवहार किया गया। इसके बाद विभव कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

एनवीएसएस ने कहा, हालांकि, यह शर्म की बात है कि केजरीवाल जैसे लोग टाल-मटोल कर रहे हैं और भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं। जमानत पर रिहा होकर वापस जेल जा रहे केजरीवाल के शब्द उनकी भ्रष्टता का सबूत हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसा लग रहा है जैसे उन्होंने हार स्वीकार नहीं की है।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमिटी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 19 मई(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की बैठक समाज के कार्यालय चिराग़अली में आयोजित की गई। बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 20 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की। बैठक में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, बालाकृष्ण सुरेखा एवं बालक बालिकाओं के अभिभावक गण आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना राणी सती दादी घांसी बाजार महिला शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत हुसैनी आलम रोड पर राहिगीरों को शरबत का वितरण किया गया। इस अवसर पर सुशीला केडिया, मोनिका अग्रवाल, कविता गोयल, कविता संघी, अंजू अग्रवाल, पूनम तुलस्यान, शिल्पा अग्रवाल, नीता अग्रवाल आदि सहभागी हुए।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक संस्था के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, शिवराज अग्रवाल, कृष्णकुमार मित्तल, देवकीनन्दन, दीपक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, महेश संघी, संजय गोयल, अजय गोयल, संतोष देवी बंसल एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

जन सेवा संघ संचालन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 19 मई(स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ संचालन समिति की बैठक संचालन समिति के संयोजक मदन लाल रावल के नेतृत्व में खैरताबाद में आयोजित हुई। महासचिव राजीव चौबे ने सभी सदस्यों से संस्था की प्रगति के लिए अपने अपने सुझाव देने का अनुरोध किया। अध्यक्ष आर पी सिंह ने बताया कि हर जोनल प्रेसिडेंट के साथ बैठक किया जाएगा और सदस्यता नवीनीकरण और नए सदस्यों को जोड़ने का आग्रह किया जाएगा, प्रवासी कमीशन और प्रवासियों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है तथा भ्रष्टाचार मुक्त, जातिवाद मुक्त समाज और देश का निर्माण किया जाएगा । एसपी सिंह, दिनेश चंदन, राजेश यादव, सुशील श्रीवास्तव एमडी मुन्नाव्वर, हरी सिंह, संजय कुमार भगत ने विविध सुझाव दिए। इस अवसर पर मदन लाल रावल, संजय कुमार भगत, अमित ओझा, दिनेश चंदन आदि उपस्थित हुए ।

अग्रवाल समाज का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

हैदराबाद, 19 मई(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज यूथ कैरियर काउन्सलिंग ट्रेनिंग जॉब कमेटी द्वारा 22 अप्रैल से द्वितीय टैली ट्रेनिंग शिविर 19 मई को संपन्न हुआ। समापन समारोह में समिति के चेयरमैन प्रेम अग्रवाल ने अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं सह मंत्री कंचन अग्रवाल का स्वागत किया और बताया के यह शिविर 22 अप्रैल से 18 मई तक दिलसुख नगर में आयोजित किया गया। समिति के उपाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने बताया के इस शिविर में टैली के साथ साथ जीएसटी फाइलिंग, ई- वे बिल, ई-इनवॉयसिंग, टैली विथ एक्सेल का भी प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने आगे बताया के प्रत्येक विद्यार्थी को स्वतन्त्र रूप से प्रशिक्षण के लिए कंप्यूटर उपलब्ध कराया गया।

समारोह में उत्तीर्ण होने वाले प्रशीक्षार्थी को प्रशस्ती पत्र दिया गया और उन्हें विश्वास दिया गया के अग्रवाल समाज की ओर से उन्हें रोज़गार उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जायेगा ।

अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने अग्रवाल समाज की सभी शाखाओं से केंद्र समितियों से जुड़कर और स्वतंत्र रूप से भी इस प्रकार के कार्य आयोजित करने का निवेदन किया। समाज के बंधुओं से विशेषकर युवा वर्ग और नारी शक्ति से अधिक अधिक मात्रा में इस शिविर में भाग लेने का, प्रशिक्षण लेने का निवेदन किया। अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने पीआर सॉफ्टवेअर के निर्देशक रोशन अग्रवाल, प्रशिक्षक आशा शर्मा का धन्यवाद किया।

अग्रवाल समाज शालीबंडा महिला शाखा द्वारा लालदरवाजा मोड पर छाछ वितरण किया गया। जिसमें अध्यक्ष मंजू अग्रवाल, प्रतिमा अग्रवाल, शीतल बंसल, पायल अग्रवाल, लीना अग्रवाल, प्रियंका डोकानिया, किरण गोएंका, रेनू अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, अंबिका अग्रवाल, इशांकी बंसल, दिशा अग्रवाल, कुमारी वनिता, महावीर प्रसाद डोकानिया, हरी किशन अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, फतहचंद मित्तल, मिट्ठूलाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, चंचल बंसल, पंकज गोयनका, पवन डोकानिया, उमेश अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, नमन कुमार अग्रवाल, मोहक बंसल आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा द्वारा रक्तदान शिविर

हैदराबाद, 19 मई(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं रक्तदान शिविर शिवरामपल्ली स्थित राघवेंद्र नगर कॉलोनी कम्युनिटी हॉल में आयोजित की गई।

बैठक में आय और व्यय की जानकारी दी गई। केंद्रीय समिति में होनेवाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला एवं समाज की गतिविधियों की जानकारी दी गई।

शाखा अध्यक्ष ने आनेवाले साल में किए जाने वाले कार्यक्रम पर प्रकाश डाला और कहा शाखा के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने तन मन धन से शाखा के हर कार्य में सहयोग दिया। तत्पश्चात रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें शाखा के कई सदस्यों ने हिस्सा लिया।

सभा में अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, ललित मांडीवाला, सुशील अग्रवाल, अनिल बंसल, राजेश जैलिया, राकेश कुमार जालान, मनीष अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, आशीष दोचानिया, बजरंग भुकानिया, प्रदीप अग्रवाल, अजय अग्रवाल, संदेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

8 जून को अस्थमा आयुर्वेदिक शिविर

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आयुर्वेदा सर्वीसेस एवं विप्र फाउंडेशन जोन-16 तेलंगाना की संयुक्त बैठक का आयोजन आज कुत्बीगुडा, काचिगुडा में किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ.एम.पी. शर्मा ने की एवं बैठक का संचालन महेश अवस्थी ने किया।

इस वर्ष डॉ. एमपी शर्मा एवं डॉ. राजेन्द्र दाधीच के नेतृत्व में तैयार कि गई शुद्ध शाकाहारी आयुर्वेदिक अस्थमा की दवा रोगियों को दिनांक 8 जून को प्रातः 11 बजे से सायं 6 बजे तक गांधी ज्ञान मंदिर, सुल्तान बाजार, कोठी में दी जाएगी। बैठक में शिवर की प्रचार सामग्री व बैनर एवं करपत्र, पोस्टर का विमोचन एवं लोकार्पण नवनिर्वाचित अध्यक्ष हरिकिशन ओझा द्वारा किया गया। बैठक में संयोजक के रूप में लक्ष्मीकांत व्यास को मनोनीत किया गया। डॉ. एमपी शर्मा, हरिकिशन ओझा, रामदेव नागला, हेमलता शर्मा, महेश अवस्थी, लक्ष्मीकांत व्यास, भगवती प्रसाद तिवारी, नारायण मुंडेल, आदित्य शर्मा, अजय लुनावत, रमेश अग्रवाल, दीपक दाधीच, पवन दाधीच, विपुल दाधीच, श्याम सुन्दर तिवारी एवं अन्य लागों ने भाग लिया।

बासर गांव में सवाखंडी महापूजा

निर्मल, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संत वामन भारती माहराज माहुरगढ़ के तत्वावधान में निर्मल जिले के पार्डिकर महाराज धर्म शाला बासर गांव में सवा खंडी महापूजा आयोजन की गई। इनके साथ वासुदेव भारती माहराज अकोला निवासी उपस्थित रहे। महा पूजा में क्षेत्र सहित तेलंगाना, महाराष्ट्र के भक्त सम्मिलित हुए। यह साप्ताह रविवार से प्रारंभ होकर शनिवार सातवे दिन महा पूजा के साथ संपन्न हुआ।

साप्ताहिक पूजा के कार्यक्रम में बाल क्रीड़ा, ग्रंथ पारायण, रोज शोडश पूजा, भजन, प्रवचन, अन्न प्रसाद (भंडारा) किया गया। भजन मंडलीयो में अकोला, सीकाची वाड़ी, बासर, वेलूर, नायगांव, धर्माबाद, नांदेड़, भैंसा सहित अन्य मंडलियों ने हिस्सा लिया। महराज ने बताया कि यह पूजा सभी को जीवन में सुख शांति प्रदान करने वाली है।

दलितों की जमीन पर कब्जा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए : रेगुंटा केशव राव

आसिफाबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एमआरपीएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेगुंटा केशव राव ने मांग की है कि एससी-एसटी अत्याचार का मामला दर्ज करने के साथ-साथ निर्दोष दलितों की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। रविवार को डिस्ट्रिक्ट सेंटर स्थित प्रेस क्लब में पीड़ितों के साथ आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि नन्नय्या, चिन्नक्का, प्रेम कुमार, नागेश्वर राव, जयपाल और पुरूषोत्तम ने शंकरैया सूर्यदास, कोंडैया की करीब 40 एकड़ जमीन का अवैध तरीके से बैनामा कर लिया है।

कथित तौर पर सोमैया, ऋषि और विजय चिंतालमनप्पल्ली मंडल बालाजी चेदादा, रेनावेली उपनगर में। पीड़ितों ने शिकायत करते हुए कहा कि तहसीलदार कार्यालय के चक्कर लगा रहे संबंधित अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कब्जाधारी दलितों पर अत्याचार और आतंकित कर रहे हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर जमीन मालिकों की जानकारी के बिना कब्जाधारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वे बड़े पैमाने पर कार्रवाई करेंगे। उच्च स्तरीय अधिकारियों ने जवाब दिया और मांग की कि पीड़ितों को न्याय देने के लिए गहन जांच की जाए और उनकी भूमि को योग्य लोगों को दिखाया जाए। इस बैठक में एमएमआरपीएस के वरिष्ठ नेता शंकर, पीड़ित शंकरैया, सूर्यदास, विजय, सोमैया, ऋषि, कोंडैया और परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

सिकंदराबाद एवं बोवेनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापार संघ एवं हमाली यूनियन की बैठक मोंडा मार्केट स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में खाद्यान्न एवं हमाली के दरों की बढोतरी को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में व्यापार संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन, महासचिव हरिकिशन बंग, कोषाध्यक्ष मधूबाबू, हमाली युनियन सचिव रविकुमार, चंद्राराम एवं अन्य उपस्थित थे।

विधायक के समर्थकों ने दलित हमाली पर किया हमला

मंचेरियल, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दलित हमाली सताराजी मल्लेश के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि विधायक प्रेमसागर राव के समर्थकों ने उन पर दांडेपल्ली मंडल के पथममिदिपल्ली गांव में बीआरएस का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए चाकुओं और कुल्हाड़ियों से हमला किया। रविवार को उन्होंने कहा कि मल्लेश को गंभीर चोटें आई हैं और वह अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस हमले के संबंध में उनके द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत का जवाब नहीं दे रही है। उन्हें खेद है कि अनुयायियों ने मल्लेश पर निराधार आरोप लगाकर उन्हें निशाना बनाया। उन्होंने उसके लिए न्याय मांगा। पूछे जाने पर दांडेपल्ली उप-निरीक्षक एन स्वरूप राज ने कहा कि शनिवार को मल्लेश से मिली शिकायत के आधार पर गांव के चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच पहले ही शुरू कर दी गई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हैदराबाद ने पंजाब को 4 विकेट से हराया

पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंची, अभिषेक का अर्धशतक

हेदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया। पंजाब किंग्स ने 5 विकेट खोकर पहली पारी में 214 रन बनाए। जवाब ने हैदराबाद ने 6 विकेट खोकर 19.1 ओवर में टारगेट चेज कर लिया।

हैदराबाद की ओर से अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक जमाया। उन्होंने 28 बॉल में 66 रन की पारी खेली। उनके अलावा हेनरिक क्लासन नेभी 25 बॉल में 42 रन बनाए। वहीं, गेंदबाजी में टी नटराजन ने 2 विकेट लिए।

दिन का दूसरा मैच राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। पूरी खबर...

हैदराबाद को चौथा झटका 14वें ओवर में लगा। हर्षल पटेल ने नितिश रेड्डी को शिवम सिंह के हाथों कैच कराया। नितिश ने 25 बॉल पर 37 रन बनाए। 11वें ओवर की पहली बॉल पर हैदराबाद ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां अभिषेक शर्मा 66 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शशांक सिंह ने शिवम सिंह के हाथों कैच कराया।

9वें ओवर में हैदराबाद ने 100 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया। राहुल चाहर के ओवर की पहली बॉल पर नितिश कुमार ने दो रन लेकर टीम को 100 का आंकड़ा पार कराया।

हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा ने 21 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली है। उन्होंने 8वें ओवर में हर्षल पटेल के ओवर की आखिरी दो बॉल पर लगातार चौके जमाकर हाफ सेंचुरी पूरी की। इस ओवर के बाद हैदराबाद का स्कोर 99/2 रहा।

215 रन का टारगेट चेज कर रही हैदराबाद ने मिलीजुली शुरुआत की। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर्स में दो विकेट खोकर 84 रन बना लिए हैं। अभिषेक शर्मा नाबाद हैं। हैदराबाद का दूसरा विकेट 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर गिरा। हर्षल पटेल ने राहुल त्रिपाठी को अर्शदीप सिंह के हाथों कैच कराया। राहुल ने 18 बॉल पर 33 रन बनाए।

SRH के 50 रन पूरे हो गए हैं। अभिषेक शर्मा ने ऋषि धवन की बॉल पर चौथे ओवर की आखिरी बॉल पर सिक्स लगाकर टीम का स्कोर 50 रन पार पहुंचाया। 215 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी हैदराबाद को इनिंग की पहली ही बॉल पर पहला झटका लगा। अर्शदीप सिंह ने ट्रैविस हेड को बोल्ड किया। हेड अपना खाता भी नहीं खोल सके। पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 215 रन का टारगेट दिया है। पंजाब ने 5 विकेट खोकर 214 रन बनाए। पंजाब की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 45 बॉल पर 71 रन की पारी खेली। उनके अलावा राइली रूसो ने 49 और अथर्व तायड़े ने 46 रन बनाए। हैदराबाद की ओर से टी नटराजन 2 विकेट झटके। पैट कमिंस और विजयकांत को 1-1 विकेट मिला। शशांक सिंह रन आउट हुए।

19वें ओवर की पहली गेंद पर पंजाब को टी नटराजन ने पांचवा झटका दिया। 187 के स्कोर पर आशुतोष शर्मा पवेलियन लौट गए। उन्होंने 4 गेंदों का सामना कर दो रन बनाया। टी नटराजन ने उन्हें सनवीर सिंह के हाथों कैच कराया।

राइली रूसो भी 49 रन बना कर पवेलियन लौट गए। उन्होंने 24 गेंदों का सामना किया। 18वें ओवर की दूसरी गेंद पर अब्दुल समद ने पैट कमिंस के हाथों कैच करा कर रूसो को पवेलियन की राह दिखाई।

सात्विक-चिराग की जोड़ी बनी विजेता

लियू और चेन को हराया, जीता नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब

बैंकॉक, , 19 मई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी ने थाईलैंड ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के लियू यि और चेन बो यांग को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष डबल्स वर्ग का खिताब जीत लिया। इस तरह इस स्टार भारतीय जोड़ी ने इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को पुख्ता किया।

जीता सीजन का दूसरा खिताब

पेरिस ओलंपिक की तैयारियां पुख्ता करते हुए दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने 29वीं रैंकिंग वाली विरोधी टीम पर फाइनल में 21-15, 21-15 से जीत दर्ज की। एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी का यह सीजन का दूसरा और करियर का नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब है। उन्होंने मार्च में फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब जीता था। दोनों मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रहे थे। सात्विक और चिराग ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में दूसरे दौर में हार गए थे। इसके बाद सात्विक की चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप नहीं खेल सके। थॉमस कप में भी वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। चिराग ने जीत के बाद कहा, बैंकॉक हमारे लिए खास है। हमने 2019 में यहां पहली बार सुपर सीरीज और फिर थॉमस कप जीता था।

भारतीय जोड़ी को चुनौती नहीं दे सके चेन-लियू

चीनी जोड़ी एक भी गेम गंवाए बिना थाईलैंड ओपन के फाइनल में पहुंची थी। लियू और चेन ने भी फाइनल तक के सफर में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन भारतीय जोड़ी के शानदार फॉर्म का उनके पास कोई जवाब नहीं था। सात्विक और चिराग ने जल्द ही 5-1 की बढ़त बना ली।

इसके बाद चेन और लियू ने लगातार चार अंक लेकर वापसी की। जब स्कोर 7-7 था तब चीनी जोड़ी ने 39 शॉट की रेली लगाई और 10-7 से बढ़त बना ली। उन्होंने कुछ लंबी रैलियां लगाई, लेकिन चिराग ने तूफानी रिटर्न के जरिये स्कोर 10-10 कर लिया। ब्रेक के बाद सात्विक और चिराग ने 14-11 की बढ़त बनाई। यह बढ़त जल्दी ही 16-12 की हो गई। चीनी जोड़ी ने तीन अंक बनाए लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने लगातार पांच अंक लेकर गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 8-3 के साथ शुरुआत की और ब्रेक तक पांच अंक की बढ़त बनाए रखी। चेन और लियू ने तीन अंक लगातार बनाए, लेकिन सात्विक ने उनकी लय तोड़ी। जब स्कोर 15-11 था तब सात्विक को खेल में विलंब करने पर चेतावनी मिली और चिराग ने दो अंक गंवाए जिससे चीनी जोड़ी ने 15-14 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी ने हालांकि इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें फिर कोई मौका नहीं दिया।

विराट कोहली इम्पैक्ट प्लेयर रूल के पक्ष में नहीं

कहा- मैं रोहित की बात से सहमत, नियम के कारण मैच रोमांचक नहीं रहे

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। विराट कोहली का मानना है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर रूल के पक्ष में नहीं हैं। उनका मानना है कि यह नियम गेम का बैलेंस बिगाड़ रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें चिंता है कि अब बॉलिंग और बैटिंग के बीच टक्कर देखने को नहीं मिलती, मैच रोमांचक नहीं होते क्योंकि गेंदबाज को पता होता है कि हर गेंद पर चौका लगेगा। वहीं, बल्लेबाजों से ज्यादा स्ट्राइक रेट पर बल्लेबाजी की जाने की अपेक्षा होती है।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी इम्पैक्ट प्लेयर रूल के खिलाफ बोले थे। रोहित ने कहा था कि वे इम्पैक्ट प्लेयर रूल के फैन नहीं है। इस रूल को हटा देना चाहिए। इससे शिवम दुबे और अभिषेक शर्मा जैसे ऑलराउंडर्स को गेंदबाजी का मौका नहीं मिल पाता है।

मैं रोहित से सहमत - कोहली

कोहली ने जियो सिनेमा से कहा, मैं उनसे (रोहित) सहमत हूं, मैं कहता हूं कि यह कैसा है। अगर आप इस IPL में देखें, तो ठीक है, मनोरंजन एक तरफ है, लेकिन गेंदबाज महसूस कर रहे हैं कि उन्हें बल्लेबाजों को रोकने के लिए क्या करना चाहिए।

कोहली आगे बोले, मैंने कभी भी ऐसा अनुभव नहीं किया है जहां गेंदबाज ऐसा नहीं सोचते हों कि वे हर गेंद पर चौका या छक्का खाएंगे। यह क्रिकेट बहुत हाई लेवल का है, और मेरी राय में, इसे इतना प्रभावशाली नहीं होना चाहिए। बल्ले और गेंद के बीच बराबरी की लड़ाई होना एक

खूबसूरत है।

हर टीम के पास बुमराह-राशिद जैसे बॉलर नहीं- कोहली

कोहली बोले, हर टीम के पास जसप्रीत बुमराह या राशिद खान जैसे मिस्ट्री गेंदबाज नहीं है। एक बल्लेबाज के रूप में, मैं कह सकता हूं कि यह नियम अच्छा है, लेकिन मैच रोमांचक होना चाहिए। क्रिकेट में केवल चौके और छक्के रोमांचक नहीं हैं। रोमांचक यह है कि आप 160 रन डिफेंड भी कर सकते हैं।

फिंच ने इम्पैक्ट प्लेयर रूल पर रोहित शर्मा का साथ दिया

फिंच ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि इम्पैक्ट प्लेयर रूल इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं है। इससे कप्तानों को स्ट्रैटजी बनाने में प्रॉब्लम होती है। उन्होंने कहा कि इससे खराब स्ट्रैटजी के साथ मैदान में उतरने वाली टीम की कमी उजागर नहीं होती। वहीं अच्छे से अच्छी स्ट्रैटजी बनाकर उतरने वाली टीम को फायदा नहीं मिलता।

इम्पैक्ट प्लेयर रूल टेस्ट की तरह - जय शाह

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने कुछ दिन पहले एक मीडिया सेशन में इम्पैक्ट प्लेयर रूल पर भी बात की था। उन्होंने कहा था कि,'इम्पैक्ट प्लेयर एक टेस्ट केस की तरह है। हमने इसे धीरे-धीरे लागू किया है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि एक मैच में एक ही टीम के दो भारतीय खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है, जो सबसे महत्वपूर्ण है।'

शाह ने कहा- 'हम खिलाड़ियों और फ्रेंचाइजी मालिकों से बात करने के बाद सोचेंगे कि इसे आगे जारी रखे या नहीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं कहा कि इम्पैक्ट प्लेयर रूल आगे नहीं होगा। रोहित शर्मा और मिचेल स्टार्क खिलाड़ियों ने इम्पैक्ट प्लेयर रूल पर चिंता जाहिर की थी।

अरविंद चिदंबरम ने शारजाह मास्टर्स शतरंज में एकल बढ़त बनाई

ए आर सालेह सलेम को हराया

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने स्थानीय खिलाड़ी ए आर सालेह सलेम को हराकर शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एकल बढत बना ली है। उनके बाद चार खिलाड़ी दूसरे स्थान पर हैं जिनमें ईरान के अमीन टाबाटाबाइ और बर्डिया दनेश्वर और अमेरिका के हैंस मोके नीमैन और सैम शांकलैंड शामिल हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगेसी आठ अन्य खिलाड़ियों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इनमें भारत के संकल्प गुप्ता भी शामिल हैं। शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के चार दौर अभी बाकी

हैं। 16 खिलाड़ी तीन अंक लेकर अगले पायदान पर हैं। एरिगेसी और वोलोडार मुरजिन की बाजी बराबरी पर खत्म हुई जबकि संकल्प ने अजरबैजान के तैमूर राजदाबोव को ड्रॉ पर रोक दिया। अभिमन्यु पुराणिक को ईरान के टाबाटाबाइ ने हरा दिया।

परवीन के निलंबन के बाद ओलंपिक क्वालिफायर के 57 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी जैस्मिन

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। मुक्केबाज परवीन हुड्डा के निलंबन की वजह से भारत ने 57 किग्रा वजन वर्ग का पेरिस ओलंपिक कोटा गंवा दिया। हालांकि, अब जैस्मिन लाम्बोरिया थाईलैंड में 24 मई से शुरू होने वाले दूसरे ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालिफायर में हिस्सा लेंगी। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने शुक्रवार को परवीन को 22 महीने के लिए निलंबित कर दिया था।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कहा, ठिकाने की जानकारी देने में विफल होने के बाद अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईटीए) द्वारा कोटा विजेता परवीन को निलंबित किए जाने के बाद जैस्मीन थाईलैंड में 24 मई से शुरू होने वाले दूसरे ओलंपिक क्वालीफायर में हिस्सा लेंगी।₹ जैस्मीन पहले क्वालिफायर और पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में 60 किग्रा में खेली थीं। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा में कांस्य पदक जीता था।

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

प्लेऑफ में सीएसके के नहीं पहुंचने से बन गया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के प्लेऑफ की टीमें तय हो चुकी हैं. अब बस इंतजार है तो ये जानने का कि प्लेऑफ में कौन किससे भिड़ेगा? किसका मुकाबला कहां होगा? और, इसका पता चलेगा ये जानने के बाद की कौन सी टीम किस नंबर पर ग्रुप स्टेज में रही? वैसे इन सबका तो पता चल ही जाएगा. लेकिन, उससे पहले एक घटना घट गई है. आरसीबी के हाथों सीएसके के प्लेऑफ का टिकट कटने के बाद कुछ ऐसा देखने को मिला है, जो आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ है.

अब सवाल है कि हुआ क्या है? ऐसा क्या रहा जो आईपीएल में अब तक देखने नहीं मिला. और, इस बार ही दिखेगा. तो इसका ताल्लुक प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमों से

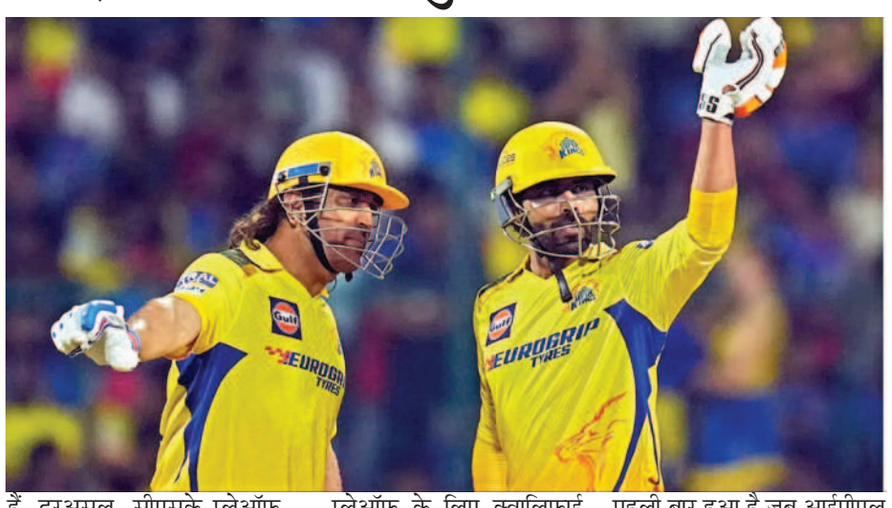

हैं. दरअसल, सीएसके प्लेऑफ का टिकट कटाती तो जो सिलसिला पिछले 16 सीजन से चला आ रहा था वो बरकरार रहता. लेकिन आरसीबी के प्लेऑफ में पहुंचने से वो सिलसिला अब टूट चुका है.

प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमें हैं जुदा-जुदा

हम बात कर रहे हैं प्लेऑफ के लिए इस सीजन क्वालिफाई करने वाली टीमों की, जो पिछले सीजन यानी आईपीएल 2023 के मुकाबले बिल्कुल अलग है. ऐसा पहली बार हुआ है जब आईपीएल के बैक टू बैक सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली चारों टीमें पूरी तरह से अलग रही हों.

आईपीएल में पहली बार हुआ ऐसा

आईपीएल के पिछले सीजन यानी साल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था. अब अगर आईपीएल 2024 में सीएसके प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करती तब तो पिछले 16 सीजन का सिलसिला बरकरार रहता. लेकिन आरसीबी के क्वालिफाई करने से वो टूट गया. आईपीएल 2024 के प्ले ऑफ में कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम है.

इस सिलसिले के टूटने के बाद अब अगर टॉप की टू टीमों में से किसी एक के खिताब जीतने का सिलसिला भी टूटता है तो हो सकता है कि आरसीबी इस बार आईपीएल का अपना पहला खिताब जीतती दिखे.

क्या अगले सीजन भी मुंबई इंडियंस के साथ रहेंगे रोहित शर्मा?

नीता अंबानी से बातचीत करते दिखे

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के 67वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया था। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 214 रन बनाए थे। जवाब में एमआई 6 विकेट के नुकसान पर 196 रन ही बना सकी थी। मुंबई इंडियंस की ओर से पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और नमन धीर ने शानदार बल्लेबाजी की थी।

नीता अंबानी ने रोहित से की चर्चा

विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटे रोहित ने 178.95 की स्ट्राइक रेट से 38 गेंदों पर 68

रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 3 छक्के भी लगाए थे। मैच के बाद एमआई ने सोशल मीडिया पर ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि एमआई की ओनर नीता अंबानी ने रोहित शर्मा को पदक देकर सम्मानित किया। सोशल मीडिया पर एक फोटो और वीडियो भी काफी वायरल हो रही है, जिसमें रोहित मैच के बाद नीता अंबानी से चर्चा करते नजर आ रहे हैं। इसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या रोहित MI के लिए अगले सीजन में भी खेलते नजर आ सकते हैं।

सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा

एक एक्स यूजर ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, "नीता अंबानी और रोहित शर्मा के बीच क्या चर्चा हो रही है?" एक अन्य यूजर ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, "रोहित शर्मा और नीता अंबानी के बीच गंभीर बातचीत चल रही है। कोई अनुमान?" आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा दिया था। इसके बाद हार्दिक पांड्या को टीम का नेतृत्व सौंपा गया था। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में एमआई का प्रदर्शन काफी शर्मनाक रहा। टीम ने 14 मैच खेले और उन्हें 4 में ही जीत मिली।

कभी यश दयाल के ओवर में लगाए थे 5 छक्के

अब हुए उसी के मुरीद, रिंकू सिंह ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी से जीता फैंस का दिल

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। आरसीबी ने असंभवन दिखने वाला काम करके दिखाया। शुरुआती 8 मैचों में से सात हारने वाली आरसीबी ने लगातार छह मैच जीतकर प्लेऑफ का टिकट कटाया। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ करो या मरो के मैच में आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने कमाल की गेंदबाजी की और आखिरी ओवर में पासा पलट दिया। यश दयाल की गेंदबाजी देख केकेआर के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की जिसने फैंस का दिल जीत लिया।

रिंकू सिंह ने यश दयाल के करियर पर ऐसा दाग लगाया था जिसे देखकर दयाल की वापसी मुश्किल नजर आती थी। दयाल जब गुजरात टाइटंस में थे तब रिंकू सिंह ने उनकी जमकर कुटाई की थी। मैच के आखिरी ओवर में रिंकू सिंह ने यश दयाल की 5 गेंदों पर 5 छक्के लगाए थे। हालांकि दयाल की कुटाई करने वाले रिंकू सिंह ने उन्हीं के लिए खास इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की।

रिंकू ने शेयर की इंस्टाग्राम स्टोरी

रिंकू सिंह ने यश दयाल की तस्वीर शेयर की जिसमें वह विकेट की सेलिब्रेशन करते नजर आ रहे हैं। दयाल ने स्टोरी के कैप्शन में लिखा, 'यह भगवान का प्लान है बेबी।' रिंकू सिंह की इस स्टोरी को देखकर फैंस काफी खुश हो गए हैं। कुछ यूजर ने लिखा कि रिंकू सिंह ने यश दयाल के ट्रोलर्स को भी शांत कर दिया।

फैंस का जीता दिल

एक यूजर ने लिखा कि रिंकू सिंह ने खेल भावना दिखाई। वहीं एक फैन ने लिखा कि रिंकू के लिए दोस्ती सबसे ऊपर है। क्रिकेट कमेंटटेर रिंकू सिंह ने ट्वीट करके लिखा, 'इतने समय में मैंने इतनी खूबसूरत चीज नहीं देखी। रिंकू सिंह ने कमाल की क्लास दिखाई है।'

मेरा हैदराबाद

टीएस की जगह टीजी

राज्य का शॉर्ट फॉर्म बदलने का आदेश जारी

सीएस ने विभागों को दिया निर्देश

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य के नाम से जुड़ा अहम फैसला लिया है। सभी विभागों को आदेश भेजकर कहा गया है कि तेलंगाना का छोटा फॉर्म (एब्रीविएशन) अब टीएस की जगह टीजी होगा। केंद्र ने टीजी को नए शॉर्ट फॉर्म के रूप में स्वीकार कर लिया है। इसके बाद तेलंगाना सरकार ने सभी विभागों को नोटिस भेजा है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, एजेंसी, स्वायत्त संस्थानों और अन्य सरकारी संस्थाओं को नोटिस भेजकर राज्य का शॉर्ट फॉर्म बदलने के लिए कहा गया है। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सरकारी आदेश जारी कर सचिवालय सभी विभागों को निर्देश दिया है कि आधिकारिक दस्तावेजों में टीएस की टीजी नाम का उपयोग किया जाए। सभी लेटरहेड, रिपोर्ट और नोटिफिकेशन में नाम बदलने की बात कही गई है। उन्होंने सरकारी कार्यालयों के अंदर, बाहर, वेबसाइट, ऑनलाइन माध्यम या अन्य किसी भी सरकारी संवाद में नाम बदलने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने सभी स्पेशल चीफ सेक्रेट्री, प्रिंसिपल सेकेट्री और अन्य सेकेट्री को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि उनके आदेश का पालन पूरी तरह किया जाए और हर सरकारी दस्तावेज में नाम बदला जाए। सभी विभागों को 31 मई तक काम पूरा कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए गए हैं। तेलंगाना के सड़क और परिवहन विभाग ने बुधवार (15 मई) को टीजी को आधिकारिक तौर पर राज्य के वाहन कोड के रूप में स्वीकार किया है। अब राज्य में सभी वाहनों की नंबर प्लेट में टीएस की जगह टीजी लिखा होगा। लिहाजा सभी वाहन मालिकों को अपनी नंबर प्लेट बदलवानी होगी। फरवरी में तेलंगाना सरकार ने नाम बदलने का फैसला किया था। इस वजह से गजट नोटिफिकेशन में टीएस की जगह टीजी लेगा। वर्ष 2014 में तेलंगाना का गठन हुआ था।

इसके बाद सत्ता में आई बीआरएस सरकार ने टीएस को राज्य के शॉर्ट फॉर्म के रूप में स्वीकार किया था। हालांकि, 2023 में सत्ता बदली और कांग्रेस के रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री बने। इसके बाद उन्होंने नाम बदलने का फैसला किया है।

पोन्नम ने बीसी गुरुकुलों में ईएपीसीईटी परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त की

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने टीएस ईएपीसीईटी 2024 में बीसी गुरुकुलों द्वारा सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। बीसी गुरुकुलों की कुल 29 लड़कियों और 4 लड़कों ने कृषि स्ट्रीम में दस हजार से कम रैंक प्राप्त की, जबकि दो लड़कियों और 5 लड़कों ने इंजीनियरिंग स्ट्रीम में दस हजार से कम रैंक प्राप्त की। कृषि स्ट्रीम में एक छात्रा, स्फूर्ति ने 369वीं रैंक प्राप्त की है। कृषि स्ट्रीम में कुल 145 लड़कियों ने परीक्षा दी और 114 उत्तीर्ण हुईं। मंत्री ने टीएस ईएपीसीईटी 2024 में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को बधाई दी और दोहराया कि राज्य सरकार गुणवत्ता मानकों के साथ सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने के अपने प्रयास जारी रखेगी ताकि छात्र अगले शैक्षणिक वर्ष से अधिक रैंक प्राप्त कर सकें। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार ने पहले ही ग्रीन चैनल के माध्यम से मेस शुल्क का भुगतान करने के लिए सभी कदम उठाए हैं और गुरुकुलों में सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भी कदम उठा रही है।

समाज के सभी वर्गों को धोखा दे रही है भाजपा : केटीआर

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार को 'नलगोंडा-वारंगल-खम्मम' स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए आगामी एमएलसी उपचुनावों में जीतना चाहिए।

रविवार को भुवनगिरी में आयोजित एक बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जीत हमारी है और उन्होंने मतदाताओं से सोच-समझकर मतदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पिंक पार्टी हमेशा स्नातक एमएलसी चुनावों में जीतती रही है। केटीआर ने कहा कि बीआरएस पार्टी के उम्मीदवार राकेश रेड्डी ने कहा कि वे जीवन में आत्म-प्रयास से आगे आए हैं और वे उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं। उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री मोदी समाज के सभी वर्गों को धोखा दे रहे हैं और राज्य के विभाजन के वादों को रौंद रहे हैं। केटीआर ने कहा कि केसीआर ने

यादाद्री मंदिर को अद्भुत बना दिया है। उन्होंने कहा, भाजपा के लोग मंदिर बनाकर वोट मांग रहे हैं। हमने यादाद्री मंदिर भी बनवाया है। केसीआर ने कालेश्वरम जैसा आधुनिक मंदिर भी बनवाया है और उनके शासन में तेलंगाना सभी क्षेत्रों में नंबर वन बन गया है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि संयुक्त नलगोंडा जिले में तीन मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए थे और यादाद्री पावर प्लांट का निर्माण उनके द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा, हम यह नहीं बता पाए कि हमने क्या किया और इसीलिए हम हार गए। केटीआर ने कहा कि उनके शासन के दौरान दो लाख नौकरियां दी गईं। उन्होंने कर्ज माफी योजना पर अपना वादा बदलने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया, आज तेलंगाना का विकास रुका हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव के दौरान 420 वादे किए थे और अब सब कुछ भूल गई है। इस अवसर पर केटीआर ने स्नातक मतदाताओं से राकेश रेड्डी को वोट देने का आग्रह किया, जो सवालों की आवाज और विरोध की आवाज हैं, और उनकी जीत सुनिश्चित करें। उन्होंने मजाक उड़ाया कि अगर केसीआर विधानसभा चुनाव से पहले 30,000 नौकरियां भरते हैं, तो सीएम रेवंत रेड्डी उनके जॉइनिंग लेटर बांटकर अपना ढोल पीट रहे हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने की छापेमारी

भोजनालयों में गंदगी देख भड़के अधिकारी

कई खराब सामानों को कराया गया नष्ट, सैम्पल लैब भेजे गए

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना खाद्य सुरक्षा विभाग की एक टास्क फोर्स टीम ने शनिवार को लकड़िकापुल क्षेत्र में भोजनालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान गंदगी देख वह भड़क गए। टीम ने कई सैम्पल लेकर लैब भेज दिया है।

'रायलसीमा रुचुलु' में काले भृंगों से अत्यधिक संक्रमित 20 किलोग्राम मैदा, कीड़ों से संक्रमित दो किलोग्राम इमली और एक्सपायर हो चुके अमूल दूध को नष्ट कराया।

विनिर्माण लाइसेंस न होने के कारण कुल 168 गोली सोडा की बोतलें भी जब्त की गईं। इसके अलावा 11 हजार रुपये कीमत की बिना लेबल वाली काजू, ज्वार की रोटी भी फेंक दी गई। इसके अलावा, रसोई क्षेत्र में अनुचित भंडारण प्रथाओं और साफ-सफाई का भी निरीक्षण किया गया। इस बीच, शाह गौस के भंडारण में बिना लेबल वाली तैयार/अर्ध-तैयार वस्तुएं पाई गईं। खाद्य संचालकों के मेडिकल रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं थे। पिछले कुछ हफ्तों से टास्क फॉर्म टीम पूरे शहर में गुणवत्ता जांच कर रही है, जिसमें प्रतिदिन एक इलाके में प्रतिष्ठानों को शामिल किया जाता है।

करंट लगने से महिला की मौत

निजामाबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पितलम मंडल के गौराराम थांडा में शनिवार की रात अपने घर के बाहर तार पर धुले हुए कपड़े डालने की कोशिश करते समय गलती से बिजली के तार के संपर्क में आने से 38 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। उसकी पहचान के मंजुला के रूप में हुई। खबरों के मुताबिक, मंजुला जब लोहे के तार पर कपड़े सुखाने की कोशिश कर रही थी तो वह बिजली के तार के संपर्क में आ गई। उसके बेटे ने उसे करंट की चपेट में आते देखा तो उसे बचाने की कोशिश की लेकिन उसे भी झटका लगा। उसे पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

बारिश से गोदावरी का पानी बढ़ा, आपातकालीन पम्पिंग अब नहीं

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल की बारिश के कारण हैदराबाद में पीने के पानी की कमी दूर होने वाली है। बारिश के कारण गोदावरी का पानी एल्लमपल्ली परियोजना तक पहुंच रहा है और जलस्तर बढ़ रहा है। अधिकारियों का अनुमान है कि गोदावरी का पानी एल्लमपल्ली से हैदराबाद तक बिना किसी समस्या के ले जाया जा सकता है। एल्लमपल्ली परियोजना में वर्तमान में 5.72 टीएमसी पानी है, जो हैदराबाद शहर के लिए दो महीने के लिए पर्याप्त होगा। हैदराबाद शहर को प्रतिदिन 750 मिलियन लीटर गोदावरी जल की आपूर्ति की जाती है। पानी का स्तर धीरे-धीरे कम हो गया है क्योंकि सिंचाई विभाग और जल बोर्ड मांडुटेंडा के साथ एल्लमपल्ली में विभिन्न उद्देश्यों के लिए गोदावरी के पानी का

उपयोग कर रहे हैं। पिछले वर्ष की बरसात की स्थिति के कारण एल्लमपल्ली परियोजना में पर्याप्त पानी नहीं है। यदि इस गर्मी में एल्लमपल्ली में जल स्तर खतरनाक स्तर तक गिर जाता है, तो जल बोर्ड ने भारी मोटरों के साथ आपातकालीन पंपिंग शुरू करने और बिना किसी समस्या के शहर में पानी पहुंचाने के लिए कदम उठाने का फैसला किया है। तदनुसार, अप्रैल के अंत में जल बोर्ड के अधिकारियों ने आपातकालीन पंपिंग की व्यवस्था की। इस महीने की 15 तारीख से इमरजेंसी पंपिंग शुरू करने की तैयारी कर ली गई है। लेकिन, हाल ही में पता चला है कि बारिश के कारण 500 क्यूसेक से ज्यादा बाढ़ का पानी एल्लमपल्ली परियोजना के ऊपरी हिस्से तक पहुंच गया है। परिणामस्वरूप, एल्लमपल्ली परियोजना में वर्तमान में 5.72 टीएमसी पानी (461 फीट) है, जो हैदराबाद शहर के लिए दो महीने के लिए पर्याप्त होगा। एक अधिकारी ने कहा कि अगर इससे पहले बारिश होती है तो इस गर्मी में जलबोर्ड को आपातकालीन पंपिंग की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मधुरानगर में शराब की दुकान पर विवाद

हैदराबाद, 19 मई(स्वतंत्र वार्ता)। मधुरानगर पुलिस ने शुक्रवार रात शराब की दुकान पर हुए विवाद के बाद तीन मामले दर्ज किए। पुलिस के मुताबिक, झगड़ा शराब की दुकान पर तब शुरू हुआ जब बोराबंडा निवासी 47 वर्षीय रमेश शराब की बोतल खरीदने गया। शराब खरीदने के बाद, उन्होंने ई-वॉलेट के माध्यम से राशि का भुगतान किया और कुछ गड़बड़ियों के कारण दुकान के मालिक के खाते में पैसे जमा नहीं हुए। रमेश और दुकान के मालिक के बीच बहस हो गई, जिसने उस व्यक्ति पर शराब की बोतल से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। इसकी जानकारी होने पर रमेश की पत्नी कुछ लोगों के साथ शराब की दुकान पर आ गयी और हमला कर दिया। पुलिस समूह को शांत करने के लिए मौके पर पहुंची लेकिन उस पर हमला कर दिया गया। पुलिस ने तीन मामले दर्ज किए, एक शराब की दुकान के प्रबंधन के खिलाफ, दुकान पर हमला करने वाली महिला के खिलाफ और एक पुलिस पर हमला करने के लिए स्थानीय लोगों के खिलाफ।

भूमि विवद में मल्लारेड्डी और कांग्रेस विधायक लक्ष्मण के बीच खिंची तलवार

दोनों ने एक-दूसरे के ऊपर लगाए आरोप

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मेडचल विधायक मल्लारेड्डी ने जमीन विवाद पर तीखी टिप्पणी की। जमीन के संबंध में फर्जी दस्तावेज होने के आरोप पर कांग्रेस नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। मल्लारेड्डी ने घोषणा की कि अगर उनके दस्तावेज फर्जी साबित हुए तो वह विधायक पद से इस्तीफा देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि क्या सरकारी सचेतक लक्ष्मण (विधायक लक्ष्मण) इसके लिए तैयार हैं? उन्होंने कहा कि अगर वह साबित कर दें कि जमीन के मामले में वह गलत हैं तो वह सब कुछ छोड़ देंगे। मल्लारेड्डी ने इस जमीन के मामले में फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप लगाया है। इस बारे में रविवार को मीडिया से बात करते हुए मल्लारेड्डी ने कहा कि सर्वे अभी पूरा हुआ है, हर कोई रिपोर्ट आने तक इतजार करना चाहता है। मल्लारेड्डी ने कहा कि वह सोमवार को सीएम रेवंत रेड्डी, राजस्व मंत्री और कलेक्टर से मिलेंगे और उन्हें अपने पास मौजूद मूल दस्तावेज दिखाएंगे। मल्लारेड्डी जमीन विवाद की जांच चल रही है। राजस्व अधिकारियों ने सुचित्रा में मल्लारेड्डी भूमि विवाद पर एक सर्वेक्षण किया। दोनों की मौजूदगी में अधिकारियों ने सीमाओं का पूरा सर्वेक्षण किया। राजस्व अधिकारियों द्वारा सर्वेक्षण क्रमांक 82 और 83 को सर्वेक्षण क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। अधिकारी इस सर्वे रिपोर्ट को तैयार करने में जुटे हुए हैं। इस बीच दोनों पक्षों के लोगों की इस मांग की पृष्ठभूमि में जैसे कि जमीन उनकी ही है, राजस्व अधिकारियों की रिपोर्ट महत्वपूर्ण हो गयी है। मल्लारेड्डी ने सुचित्रा के जमीन विवाद में विधायक लक्ष्मण का नाम लिया। लक्ष्मण ने आज इसका जवाब दिया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने साफ किया कि शनिवार को हुए विवाद में उनका नाम आने के बाद ही वह मीडिया के सामने आए है। जब मल्लारेड्डी मंत्री थे, उस दौरान उन पर सत्ता में बाधा डालने और जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगा था।

मल्लारेड्डी ने कहा कि उन्होंने जो जमीन खरीदी है, उसके दस्तावेज फर्जी हैं। उन्होंने कहा कि न्यायालय द्वारा दिये गये निषेधाज्ञा आदेश को निरस्त नहीं किया गया है। लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि हालांकि उन्होंने पहले भी पुलिस और नगर निगम आयुक्त से शिकायत की थी, लेकिन अधिकारियों ने उनकी अनदेखी की। सर्वेक्षण के बाद, लक्ष्मण ने स्पष्ट किया कि वह कानून के अनुसार राजस्व अधिकारियों के फैसले का पालन करेंगे। लक्ष्मण ने मल्लारेड्डी से कहा कि यह उनकी सरकार पर कीचड़ उछालने का अच्छा तरीका नहीं है। विधायक लक्ष्मण ने कहा कि वे सरकार से मल्लारेड्डी जमीन हड़पने की जांच सिटिंग जज से कराने की मांग करेंगे।

पिछली सरकार पर गिरोहबाजी करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि विवादित जमीन में उनकी सिर्फ 600 गज जमीन है। अगर मल्लारेड्डी अपना मुंह बड़ा कर लें तो कौन नहीं डरेगा? आरोप है कि मल्लारेड्डी ने हिसाब-किताब नहीं किया और जमीन में घुस गए, जबकि जमीन में न घुसने का निषेधाज्ञा था। सर्वे के मुताबिक उन्हें उम्मीद है कि उनकी जमीन उनके पास आ जाएगी। लक्ष्मण ने स्पष्ट किया कि उन्हें 4000 गज के अलावा बाकी जमीन की जरूरत नहीं है। इस संबंध में उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर मल्लारेड्डी के लिए कीचड़ फैलाने का आरोप लगाया। लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि मल्लारेड्डी ने

2015 में इस भूमि सर्वेक्षण को रोक दिया था क्योंकि यह आवश्यक नहीं था। अगर उनके पास मौजूद दस्तावेज सही नहीं हैं तो वे यह जमीन छोड़ देंगे। लक्ष्मण ने सवाल किया कि मल्लारेड्डी जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं, जबकि अदालत ने जमीन के संबंध में नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार कानून के मुताबिक चलेगी। मल्लारेड्डी की इस तरह व्यवहार करने के लिए आलोचना की गई जैसे कि वह अभी भी एक मंत्री हों। विधायक लक्ष्मण ने टिप्पणी की कि वे कानून का सम्मान कर रहे हैं।

केंद्र सरकार के धन से हुए कई विकास : भाजपा

हनमकोंडा, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल-खम्मम-नलगोंडा पट्टाभद्रू एमएलसी भाजपा उम्मीदवार गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी ने कहा कि यह एमएलसी उपचुनाव ऐतिहासिक है, 35 विधानसभा सीटों पर भाजपा के कोई प्रतिनिधि नहीं हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने धन दिया है और कई विकास और कल्याण कार्यक्रम किए हैं। उन्होंने रविवार को हनमकोंडा में प्रेस से मुलाकात में कहा कि काजीपेट रेलवे वैगन इंडस्ट्री, टेक्सटाइल पार्क और सम्मक्का सरक्का ट्राइबल यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार रामप्पा को यूनेस्को की मान्यता देकर काकतीय लोगों के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए काम कर रही है। किसान सम्मान निधि के माध्यम से सीमेंट, उर्वरक सब्सिडी और पीएम किसान निधि के माध्यम से सीधे किसानों को पैसा देकर राष्ट्रीय राजमार्ग

रायगिरी-वारंगल का निर्माण किया गया है। प्रेमेंदर रेड्डी ने कहा कि नरेंद्र मोदी एक और कार्यकाल जीतने और हैट्रिक के लिए प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक चेतना और आंदोलनों की भूमि वारंगल मोदी से भरी है। 317 व 46 जीवन वाले बेरोजगारों व शिक्षकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शब्दों की बाजीगरी और कोई गारंटी नहीं होने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने झूठ फैलाया और सत्ता के लिए बाधाओं को रौंद डाला।

दर्शन के लिए यादाद्रि में भारी भीड़ उमड़ी

यदागिरिगुट्टा, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सामान्य अवकाश होने के कारण यहां श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी के मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त उमड़ पड़े। पूरा मंदिर परिसर और उसके आसपास का इलाका भक्तों से खचाखच भरा हुआ था।

उन्होंने मुख्य देवता के दर्शन के लिए मंदिर के चारों ओर लंबी कतारें बना लीं। उन्होंने पूजा-अर्चना की और उनसे अपनी मनोकामनाएं पूरी करने और खुशहाली की प्रार्थना की। धर्म दर्शन की कतारों में लगे भक्तगण तीन घंटे तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करते रहे, ताकि वे मुख्य देवताओं के दर्शन कर सकें, जबकि विशेष दर्शन की कतार में लगे भक्तगण आधे घंटे में दर्शन कर पाते हैं।

प्रसादम बिक्री काउंटर, श्री सत्यनारायण स्वामी पूजा मंडपम, पवित्र पहाड़ी के नीचे विष्णु पुष्करिणी, कार पार्किंग और बस स्टैंड पर बड़ी संख्या में भक्त उमड़ पड़े।

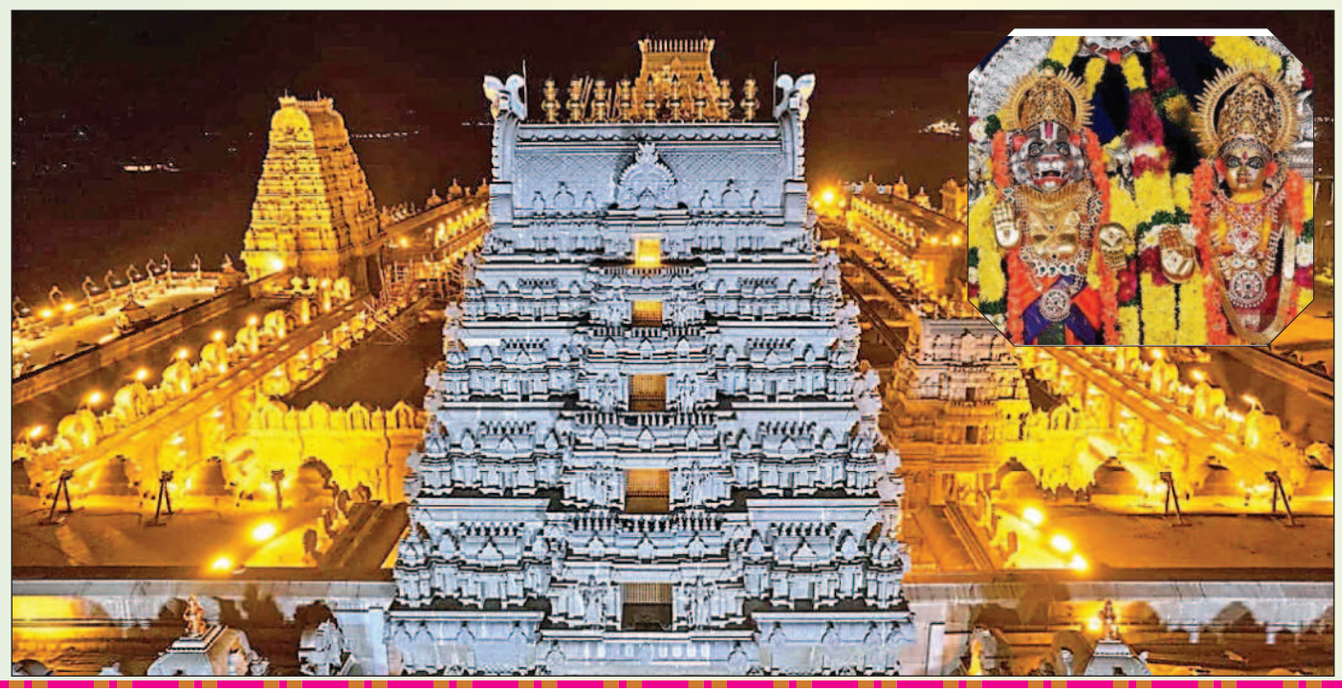

श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी जयंती समारोह आज से शुरू

यादाद्रि भुवनगिरी, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यादगिरिगुट्टा मंदिर के कार्यकारी अधिकारी भास्कर राव ने जानकारी दी है कि 20 मई (सोमवार) से तीन दिवसीय श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। यह समारोह यादगिरिगुट्टा में श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर और पथगुट्टा और डब्बाकुंटापल्ली में संबद्ध मंदिरों में आयोजित किया जाता है। उत्सव के हिस्से के रूप में सोमवार सुबह थिरु वेंकटपति अलंकरण सेवोत्सवम और अन्य अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। मंगलवार को नित्यमूलमंत्र हवनम, लक्ष पुष्पार्चन और कालियामर्दन अलंकार सेवोत्सवम अनुष्ठान किए जाएंगे। स्वस्तिवाचनम, विश्वसेन पूजा, अभिषेकम, स्वामी कल्याणम और महानिवेदन जैसे अनुष्ठान 22 मई (बुधवार) को किए जाएंगे। इस अवसर पर कार्यकारी अधिकारी ने यादाद्री मंदिर के आसपास प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि ये आदेश मंदिर की सभी शाखाओं पर लागू होंगे और लोगों को मंदिर परिसर में केवल गैर-प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग करने की सलाह दी। मंदिर कार्यकारी अधिकारी ने आगे कहा कि श्री लक्ष्मी नरसिंहस्वामी मंदिर में नित्य कल्याणम और होमम जैसे विभिन्न अनुष्ठानों में भाग लेने वाले भक्तों को पारंपरिक कपड़े पहनने होंगे और 1 जून से मंदिर में इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की तरह, भक्तों को यादाद्री में वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए ड्रेस कोड का पालन करना चाहिए और यह प्रावधान मंदिर में दर्शन करने आने वाले भक्तों पर लागू होना चाहिए। हालांकि, ड्रेस कोड प्रावधान उन भक्तों पर लागू नहीं होगा जो नियमित धर्म दर्शनम के लिए कतार में आते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.